हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विषय सूची

बुधवार, 22 जुलाई, 1998

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2)1
वाक आउट	(2)12
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(2)13
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2)18
समाज रक्षा एवं सुरक्षा विभाग द्वारा पेंशन के वितरण से संबंधित मामले आदि	(2)29
स्थगन प्रस्तावों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं	(2)30
वाक आउट	(2)33
स्थगन प्रस्तावों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं (पुनरारम्भ)	(2)34
वाक आउट	(2)34
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(2)34
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा	(2)35
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
वित्त मंत्री श्री चरण दास द्वारा	(2)44
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)44

मूल्य : 112

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
मुख्य मन्त्री श्री बंसी लाल द्वारा	(2)52
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)53
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
कृषि मंत्री श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा	(2)57
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)58
बैठक का समय बढ़ाना	(2)70
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)70
सदन की समिति का गठन	(2)74
बैठक का समय बढ़ाना	(2)7[illegible]
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)7

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 22 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवम् उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर्ज साहेबान, अब सवाल होंगे।

Abolition of Octroi

***612. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister for Local Government be pleased to state w hether there is any proposal under consideration of the Government to abolish Octroi in the State ?

स्थानीय शासन मंत्री (डॉ० कमला वर्मा) : मामला सरकार के विचाराधीन है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि क्या ये ऑक्ट्राय को खत्म करने जा रहे हैं क्योंकि यह बात इनके चुनाव घोषणा पत्र में भी थी और इनकी पार्टी के प्रधान भी जगह-जगह यह घोषणा करते रहते हैं कि चुंगी जल्दी ही खत्म होने जा रही है परन्तु सरकार की तरफ से इस बात पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। चुनावों में लोगों से वायदा करके अब लोगों के साथ *** किया जा रहा है आप सही बात कीजिए जो आपने अपने चुनाव घोषणा पत्र में कही थी।(विघ्न)

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने कहा है कि लोगों के साथ *** हुआ है इन शब्दों को वापस लें।

श्री अध्यक्ष : फ्राड शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

कैप्टन अजय सिंह यादव : *** शब्द की जगह यह कह सकते हैं कि लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, टालने की बात कोई नहीं है हमने व्यापार मण्डल के साथ दो-तीन मीटिंगज की हैं तथा मुख्यमंत्री जी ने एक सब कमेटी बनाई हुई है उस कमेटी ने सारे पहलुओं पर विचार करके जो सुझाव हमें दिये हैं हमने सबंधित विभागों को भेज दिये हैं जैसे ही उनकी रिपोर्ट हमें मिलेगी तो फिर जल्दी ही उस पर विचार किया जायेगा।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बोलिये।

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से पूछना चाहूंगा कि जैसा कि इन्होंने जवाब दिया कि यह मामला अण्डर कंसीडरेशन है यह कोई जवाब नहीं हुआ कोई टाईम बाउंड बात होनी चाहिये। जब मैनीफेस्टो में यह बात थी कि चुंगी को खत्म करेंगे तो फिर खत्म क्यों नहीं कर रहे हैं। किसी मामले को अगर टालना हो तो उसके लिए कोई कमेटी बना दें तो वह मामला टल जायेगा। इसलिये यह कोई जवाब नहीं है।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमिशन है कि क्वेश्चन आवर में स्पीच देने के लिये आपको किसी भी सदस्य को अलाऊ नहीं करना चाहिये।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, नं० 1 तो टाईम बाऊंड करना चाहिये कि कब तक चुंगी को समाप्त कर देंगें। दूसरा यह कि जैसे कि अखबारों में यह बात छपी है कि चुंगी समाप्त करके उसकी जगह सेल्स टैक्स पर सरचार्ज लगायेंगे तो मैं पूछना चाह रहा था कि सेल्स टैक्स की वसूली के पहले ही आंकड़े करीबन दो हजार करोड़ रुपये हैं।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी आप अपना क्वेश्चन पूछिये।

श्री सम्पत सिंह : अगर दो हजार करोड़ रुपये पर दस प्रतिशत सरचार्ज लगता है तो क्या चुंगी खत्म करके सरचार्ज के रूप में बैक डोर से यह राशि चुंगी से ज्यादा वसूल करने की कोई स्कीम सरकार की नहीं है क्योंकि चुंगी का पैसा तो लगभग 45 करोड़ रुपये ही आता है ?

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह जो कहते हैं कि हमने अपने मैनीफैस्टो में यह बात कही थी, यह बात सही है इसीलिये तो सरकार इस बात के लिये हर पहलू पर विचार कर रही है। सरकार ने कोई भी निर्णय लेने से पहले हर पहलू पर विचार करना होता है। जब तक, जो व्यापार मण्डल ने, हमें सुझाव दिये हैं उनके बारे में संबंधित विभागों से कोई रिपोर्ट नहीं आ जाती है तब तक हम इसको टाईम बाऊंड नहीं कर सकते हैं। चुंगी के मामले में सरकार पहले से ही विचार कर रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, रूल यह है कि एक सदस्य दो सप्लीमैंटरी पूछ सकता है और आप एक ही सप्लीमैंटरी बोलने की इजाजत दे रहे हैं ।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप ही वह रूल बताएं जिसके तहत एक सदस्य दो सप्लीमैंटरी पूछ सकता है ?

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, मैं भी कुछ कहना चाहता हूं।(शोर) अगर आप इजाजत दें तो मैं कुछ पूछना चाहता हूं। (शोर)

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये सपनों की दुनियां में घूमते रहते हैं। मैं इनको बताना चाहती हूं कि सरचार्ज के लिये न तो हम ने कोई ब्यान ही दिया है और न ही इस बारे में कोई फैसला ही हुआ है, सरचार्ज का सुझाव व्यापार मण्डल का है। सब-कमेटी का नहीं। ऐसे मुद्दों पर तो पहले विचार किया जाता है और विभागों से टिप्पणियां मंगवाई जाती हैं उसके बाद ही कुछ सोचा जा सकता है। (विघ्न)

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, मंत्री साहिबा ने बताया कि हम तब तक इंतजार करें जब तक कि विभागों से टिप्पणी नहीं आ जाती। जैसे कि श्री सम्पत सिंह जी ने कहा, क्या इसके लिये कोई टाईम फिक्स करेंगे या ऐसे ही ख्वाब दिखाते रहेंगे ?

Shri Bansi Lal : As early as possible. यह जो खुर्शीद अहमद का ख्वाब है, यह जल्दी से पूरा हो भी नहीं सकता है। (हंसी)

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, जल्दी भी पूरा हो सकता है। (हंसी)

Shri Sampat Singh : That is never possible

तारांकित प्रश्न सं० 668

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री रामपाल माजरा सदन में उपस्थित नहीं थे।

Canal Based Water Supply Scheme for Sonipat City

***623. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for Public Health be pleased to State—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to provide canal based water supply scheme for Sonipat City; and

(b) if so, the time by which the scheme referred to in part (a) above is likely to be implemented ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) :

(क) जी हाँ।

(ख) इस योजना को वर्ष 2000 तक पूर्ण करने के प्रयत्न किये जायेंगे।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि 6 जुलाई, 1997 को सोनीपत में हमारे मुख्यमंत्री जी यह कहकर आए थे कि वहां पर जल-आपूर्ति योजना को जल्दी से जल्दी चालू कराएंगे। इस योजना को बंद हुये करीब 20 साल हो गये हैं। अभी हमें पता चला है कि सरकार से इस के लिये पैसा भी आ गया है।

श्री अध्यक्ष : आप प्रश्न पूछिये।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि इस योजना को जल्दी से जल्दी कार्यान्वित किया जाये क्योंकि सोनीपत में लोग पीने के पानी की समस्या से प्रभावित हैं।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि सोनीपत शहर के अंदर 26 ट्यूबवैलों का 180 लाख लीटर पानी प्रतिदिन आता है। इन 26 ट्यूबवैलों में से 11 मुरथल में हैं और 15 सोनीपत शहर में हैं। (विघ्न) जितना पानी सोनीपत शहर के लिये

[श्री जगन नाथ]
निर्धारित किया गया है, उतना पानी हम नहीं दे पा रहे हैं। वहां पर 180 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन होना चाहिये, जबकि हम केवल 80 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से ही दे पा रहे हैं। लेकिन अब हम वहां पर पानी की सप्लाई के लिये 100 गैलन की क्षमता का एक कैनाल बेस्ड सिस्टम बनाने जा रहे हैं जिससे 100 लाख लीटर पानी की बढ़ौतरी हो जाएगी तथा इसको जल्दी से जल्दी कार्यान्वित करने की कोशिश की जाएगी। उसके लिये चैनलज़ बनाए जा रहे हैं और जब यह कार्य पूरा हो जाएगा तब 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी सप्लाई हो जाएगा।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मेरी बात का जवाब नहीं दिया गया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह जी, आप "रूलज़ ऑफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनैस" में पेज-28 पर रूल-53 पढ़ें जिसमें सप्लीमैंटरी पूछने की बात वर्णित है।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बताना चाहता हूं कि शायद मंत्री महोदय यह भी जानते हैं कि सोनीपत के 3/4 हिस्से में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है और मंत्री जी बता रहे हैं कि 80 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रति दिन वहां पर दे रहे हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि सोनीपत में 20 कालोनियाँ ऐसी हैं जहां पर एक लीटर पानी भी नहीं मिलता है। (विघ्न)

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, इनको खुद को पता नहीं है कि क्या कहना है और क्या पूछना है।

श्री अध्यक्ष : दीवान साहब, आप प्रश्न पूछिए।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि मंत्री महोदय बताएं कि यह कैनाल बेस्ड स्कीम कब तक तैयार हो जाएगी और कब शुरू हो जाएगी क्योंकि इसके लिए पैसा भी अलाट हो चुका है।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, इनके शहर सोनीपत के अन्दर 7 कालोनियां ऐसी हैं जहां पर पानी कम मिल रहा है तथा 11 ऐसी अन-अथौराईजड कालोनियां हैं जहां पानी नहीं पहुंच रहा है उन कालोनियों में पानी पहुंचाने के लिए हम स्कीम बनाने जा रहे हैं, उसका काम शुरू कर दिया है, उसके लिए पैसा अलाट कर दिया गया है। सोनीपत के अन्दर अम्बाला और दिल्ली रेलवे लाइन्ज के दक्षिण हिस्से में ऐसी तंगी है उसको हम जल्दी पूरा कर देंगे। 2 साल के अन्दर अन्दर अर्थात् सन् 2000 तक उन कालोनियों में पानी की सप्लाई पहुंच जाएगी। जहां तक अन-अथोराईजड कालोनियों की बात है वहां पर भी 40 से 45 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन तक पानी पहुंचाने का वायदा हम पूरा करेंगे।

श्री रामजी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि आपकी पानी देने की स्कीम के तहत गांवों में जो वाटर सप्लाई होती है वह पानी की सप्लाई लोगों तक नहीं पहुंचती है क्योंकि पानी के कनैक्शन गांव के किनारे तक लाकर छोड़ दिए जाते हैं और पानी गांवों के अन्दर तक नहीं पहुंचता है।

श्री जगन नाथ : मेरे नोटिस में ऐसी कोई बात नहीं है। सारे हरियाणा की गलियों में कीचड़ देखा जा सकता है। वह कीचड़ पानी के कारण ही तो होता है और हमने महकमें को हिदायतें दे रखी हैं कि सभी लोगों को पीने के हिसाब से तो पानी बराबर मिलना चाहिए।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, मेरे गांव से होकर मुरथल से होकर 11-12 ट्यूबवैल का पानी सोनीपत को आता है लेकिन मेरे गांव में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। मेरे गांव में पानी की बहुत तंगी है। महकमें के 2 ट्यूबवैल मेरे गांव में लगे हुये हैं जहां से थोड़े से लोगों के घरों तक ही पानी पहुंचता है बाकी लोगों तक पानी नहीं पहुंच रहा है।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिस समस्या का जिक्र किया है उस समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

श्री वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि बहुत से गांव ऐसे हैं जहां 2-3 गांवों के लिए एक वाटर वर्क्स बना हुआ है जिस गांव में वह वाटर वर्क्स बना हुआ है वहां तो पानी की सप्लाई ठीक तरह से पहुंच जाती है बाकी के गांवों में पानी नहीं पहुंच पाता और अगर बाकी के उन गांवों में पानी पहुंचता भी है तो बहुत कम पहुंचता है मुश्किल से 10-20 घरों तक ही पहुंचता है। क्या हर गांव के अन्दर एक वाटर वर्क्स नहीं लगाया जा सकता?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि छोटे-छोटे गांवों में वाटर वर्क्स लगाना असम्भव बात है। 2-3 गांवों में से सबसे बड़े गांव में एक वाटर वर्क्स लगा दिया जाता है जहां से उन गांवों को पानी सप्लाई किया जाता है।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : स्पीकर साहब, मेरे हल्के नारनौल के तीन गांव ऐसे हैं जिनमें पीने के पानी की बहुत भारी समस्या है। वे गांव हैं गुड़वाल, बायल और बदोपुर। इन गांवों की वाटर सप्लाई स्कीम के लिए बिजली का कनैक्शन देने के लिए एक साल से वहां पर सामान पड़ा है। जब हमने उस वाटर सप्लाई स्कीम को बिजली का कनैक्शन देने के लिए एक्सीयन से कहा तो उसने कहा कि सिक्योरिटी भरवाने का काम एक्सीयन पब्लिक हैल्थ का है। एक्सीयन पब्लिक हैल्थ ने तीनों गांवों की वाटर सप्लाई स्कीम के लिए बिजली के कनैक्शन के लिए सिक्योरिटी भरे 6-6 महीने हो गए हैं लेकिन अभी तक उन गांवों की वाटर सप्लाई स्कीमों को बिजली का कनैक्शन नहीं दिया गया है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उन वाटर सप्लाई स्कीमों को बिजली का कनैक्शन कब तक दिला दिया जाएगा।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, हम बिजली महकमें से इस बारे में बातचीत करके इस समस्या का जल्दी ही समाधान करेंगे।

श्री सिरी किशन हुड्डा : स्पीकर साहब, किलोई गांव 15 हजार की आबादी का गांव है। उस गांव की वाटर सप्लाई स्कीम की डिग्गी में पिछले दो साल से पानी नहीं पहुंच रहा है इसलिए उस गांव के लोग पीने के पानी के लिए बड़े परेशान हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार उस गांव के लोगों की पीने के पानी की समस्या का कोई समाधान करेगी ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य हुड्डा साहब हफ्ते में एक या दो बार मेरे से मिलते हैं इन्होंने आज तक मेरे नोटिस में यह बात नहीं लाई। अगर किलोई गांव में ऐसी कोई दिक्कत है तो उसको जल्दी ही दूर कर दिया जाएगा।

श्री सिरी किशन हुड्डा : स्पीकर साहब, पिछले सैशन में मंत्री जी ने हाउस में यह आश्वासन दिया था कि किलोई गांव में 1991 में वाटर सप्लाई स्कीम बनाई गई थी उसकी इस समस्या का समाधान कर

[श्री सिरी किशन हुड्डा]

दिया जाएगा। मैं जानना चाहूंगा कि क्या मंत्री जी ने उस आश्वासन के आधार पर इस बारे में एग्जामिन करवाया है या नहीं ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं हुड्डा साहब को औफ हैंड इस बारे में क्या जवाब दे सकता हूं कि कौन सी तारीख को मैंने यह जवाब दिया था।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल सोनीपत शहर को पीने का पानी देने के बारे में है। जब वाटर वर्क्स बनाए गए थे चाहे वे गांवों में बनाए गए थे और चाहे शहरों में बनाए गए थे थ्रू आउट हरियाणा जितने भी वाटर वर्क्स बनाए गए थे उस समय हर वाटर वर्क्स की वाटर सप्लाई के लिए 10-10 या 15-15 टूटियां लगाने का प्रावधान किया गया था। इसके अलावा उस समय महकमें ने वाटर सप्लाई के लिए चार इंची पाईप लाइन बिछाई थी इसलिए इतनी छोटी पाईप लाइन के लिए 10-10 या 15-15 ही टूटियां लगाई गई। उसके बाद आबादी बढ़ गई और पानी के कनैक्शन बहुत ज्यादा हो गए। पीने का पानी न मिलने का कारण यही है कि पाईप लाइनें छोटी हैं और कनैक्शन ज्यादा हो गए। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार उन पाईप लाइनों को बदल कर उनकी जगह बड़ी पाईप लाइनें बिछाएगी?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, आबादी के अनुसार हर वाटर सप्लाई स्कीम की आगमैंटेशन की जाती है और उसकी नई पानी की टंकी बनाई जाती है और पाईप लाइनों को बड़ा किया जाता है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा प्रदेश के कुछ अन्य शहरों में कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीमें चालू करने की योजना सरकार के विचाराधीन है अगर है तो यह योजना कब तक चालू कर दी जाएगी और क्या उस योजना में अम्बाला छावनी शामिल है ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, जहां-जहां पर इस योजना की आवश्यकता समझी जा रही है उसकी कार्यवाही की जा रही है। अम्बाला छावनी का केस डिफैंस विभाग के पास गया हुआ है उसका फैसला होने के बाद उस वाटर सप्लाई स्कीम के बारे में विचार किया जा सकता है।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इनके नोटिस में कुछ ऐसी शिकायतें आई हैं कि हर गांव में लोगों ने पीने के पानी के अवैध कनैक्शन लगाए हुए हैं जिसके कारण पीने के पानी की समस्या बढ़ रही है ? क्या सरकार उन अवैध पीने के पानी के कनैक्शन हटाने के बारे में कोई कदम उठाएगी ?

श्री जगन नाथ : इनके बहादुरगढ़ एरिया में 23 वाटर स्कीमें हैं और इन 23 में से 19 स्कीमों को वहां के लोगों ने और इनके वोटरों ने तोड़ा हुआ है। जहां पर भी हमें कोई कमी नजर आएगी उसको दूर करेंगे।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीर पाल जी ने ठीक कहा है कि काफी लोगों ने नाजायज कनैक्शन ले रखे हैं, ऐसी शिकायतें हमारे पास आती हैं। हम उनको कन्ट्रोल करने की कोशिश भी करते हैं। लेकिन बहुत सारे लोगों ने जहां से पाईप गुजरती है उसमें नाजायज नल्के लगा लिए हैं। हम कोशिश करेंगे कि वे अवैध नल्के न लगें।

Providing of Modern Facilities for Volley Ball Game

***641. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister of State for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the government to provide all necessary modern facilities to the players for the coaching of Volley Ball game in Village Karoli, Distt. Mahendergarh ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : श्रीमान जी, "नहीं"

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैंने पहले भी प्रश्न किया था कि वालीबाल की टीम जो आल इण्डिया लैवल पर चुनी गई थी उसमें से 8 लड़के 15 साल से कम उम्र के हरियाणा के थे और इनमें से अकेले कारौली गांव के 6 लड़के एक गांव के हैं। यह गांव सिर्फ 150 घरों का है। वहां के तीन लड़के गुड़गांव स्पोर्टस होस्टल में प्रैक्टिस करने के लिये लगे हुए हैं मेरा सवाल यह है कि जहां पर ये बच्चे गांव में प्रैक्टिस करते हैं वहां पर चारों तरफ एक जाल लगाया जाना है क्योंकि प्रैक्टिस करते वक्त वालीबाल इस मैदान के साथ लगते तालाब में चली जाती है और वालीबाल पानी में गिरते ही खराब हो जाती है। इस जाल को लगाने पर तकरीबन 40 हजार रुपया खर्च होना है। मैं चाहूंगा कि इस जाल को सरकार तुरन्त लगवाने का प्रबन्ध करे ताकि वे बच्चे अच्छी प्रकार से प्रैक्टिस कर सकें।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई दो राय नहीं कि कारौली गांव के 3 लड़के गुड़गावां के स्पोर्टस होस्टल में रह कर वहां पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। हम उनको मुफ्त में खाना भी देंगे और दूसरी सुविधाएं भी देंगे। लेकिन साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हिन्दुस्तान में अच्छे खिलाड़ियों को जितनी भी सुविधाएं दी जानी चाहिएं वह हम पैसे की कमी के कारण नहीं दे पाते। यानी हम जापान, चीन या कोरिया के स्टैण्डर्ड के हिसाब से सुविधा नहीं दे सकते। फिर भी हम कोशिश करेंगे वहां पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवा सकें। जो ये जाल लगवाने की बात कर रहे हैं, उसको भी लगवा देंगे। इसके अलावा महेन्द्रगढ़ के अन्दर वालीबाल का 10-15 दिन के लिए महीने में एक कोच भेजेंगे ताकि वह वहां के बच्चों की प्रैक्टिस करवा सके।

कैप्टन अजय सिंह यादव : यह खुशी की बात है कि 15 साल से कम उम्र के लड़कों की वालीबाल की जो टीम चुनी गई है उसके 8 खिलाड़ी हमारे हरियाणा के हैं और इनमें से 6 लड़के अकेले एक गांव के हैं । मैं चाहता हूं कि जो सुविधा वहां पर जाल आदि लगवाने की शर्मा जी मांग कर रहे हैं, सरकार को उसे लगवा देना चाहिए ताकि बच्चे अच्छी तरह से प्रैक्टिस कर सकें।

श्री जगन नाथ : मैने कह दिया है कि जो जाल आदि लगाया जाना है वह लगवा देंगे और महेन्द्रगढ़ के अन्दर महीने के अन्दर 10-15 दिन के लिए वालीबाल का कोच भी भेज देंगे ताकि वह बच्चों को प्रैक्टिस करवा सके।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौधरी जगन नाथ जी ने अभी यह कहा है कि फाईनैंशियल कन्सट्रेन्ट की वजह से ये कुछ कर नहीं पा रहे हैं। इनकी स्पोर्टस में बहुत दिलचस्पी रही है। जितने भी इण्टरनैशनल मीट्स होते हैं चाहे वह रैसलिंग हो चाहे बॉक्सिंग हो और चाहे हॉकी है उन सब में हरियाणा प्रदेश के सबसे ज्यादा खिलाड़ी होते हैं। हरियाणा के जूनियर प्लेयर्ज चैम्पियनशिप ले कर आते हैं, चाहे वीमन हॉकी हो चाहे मैन हॉकी हो उसमें हरियाणा के काफी खिलाड़ी होते हैं. मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि सरकार के पास उनके लिये क्या कोई सर्विसिज अवेलेबल हैं। नम्बर दो पर मेरा सवाल यह

[श्री सम्पत सिंह]
है कि जूनियर टीम में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा होता है लेकिन सीनियर टीम बनते ही हमारी टीम की परफोरमैंस खत्म हो जाती है क्योंकि कोई रेलवे में चला जाता है कोई ऐयरफोर्स में चला जाता है और कोई सर्विसिज़ में चला जाता है, क्या सरकार ऐसा कोई पैमाना निर्धारित करेगी कि यदि किसी लड़के या लड़की की अचीवमैंट इस एक्सटैंट तक है तो हरियाणा सरकार उसको जॉब देगी या पब्लिक एण्टरप्राईज़िज में उनको जॉब दी जाएगी या पब्लिक सैक्टर उन खिलाड़ियों को एडॉप्ट करेंगे।

श्री जगन नाथ : जॉब में उनको एण्ट्रैंस दी जाएगी। ऑलम्पिक्स में जो खिलाड़ी पार्टिसिपेट करते हैं, पहली बात तो वे क्वालीफाई ही नहीं कर पाते लेकिन जो उसमें चले जाते हैं उनको अर्जुन अवार्ड दिया जाता है, डीलक्स बसों में भी उन्हें फ्री चलने की सुविधा दी जाती है और जॉब्स में भी विशेष रूप से उनका ध्यान रखा जाता है। भीम अवार्ड और दूसरे अवार्ड्ज़ के हिसाब से ऑर्डिनरी बसों में भी चलने की सुविधा उन को दी जाती है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है। (विघ्न)

Implementation of the Recommendations of Fifth Pay Commission

***653. @Shri Sampat Singh**
Capt. Ajay Singh Yadav } : Will the Minister for Finance be pleased to state whether the recommendations of the Fifth Pay Commission of the Central Government has been implemented by the State Government in toto; if not, the reasons thereof ?

वित्त मंत्री (श्री चरण दास) : हरियाणा सरकार ने केन्द्र सरकार की पद्धति का अनुसरण करते हुए अपने कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान, मंहगाई भत्ता एवं पेंशन का लाभ दिया है। पहले ही, केन्द्र सरकार ने कतिपय परिवर्तनों सहित पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। राज्य सरकार ने भी अपने कर्मचारियों के वेतन ढांचे के संगत कतिपय परिवर्तनों को शामिल किया है। कर्मचारियों के विभिन्न भत्तों एवं अन्य सम्बन्धित मामलों को स्वीकृत करने के लिए सरकार सक्रिय रूप से विचार कर रही है।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने जवाब दिया है कि संशोधन करके, एडजस्टमैंट करके और मोडिफाई करके जो पे-स्केल्ज़ दिए हैं उनसे इम्पलोईज़ सैटिसफाईड नहीं हैं। इनके मैनिफैस्टो में साफ लिखा था कि केन्द्रीय पैट्रन पर अपने इम्पलोईज़ को वेतन व भत्ते देंगे (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप भूमिका न बनाएं स्ट्रेट वे सवाल पूछें।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सीधे सवाल ही पूछ लेता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने फिफथ पे कमीशन क्यों लागू नहीं किया (विघ्न) क्लैरिकल ग्रेड में सैंट्रल गवर्नमैंट के इम्पलोईज़ को 5 हज़ार से लेकर 7870 रुपये तक मिला है जब कि हमारे यहां 4 हज़ार से 6 हज़ार दिया गया है। फिफथ पे कमीशन हू-ब-हू लागू क्यों नहीं किया गया। अध्यक्ष महोदय, दूसरा सवाल में यह पूछना चाहता हूं कि आपके विधान सभा के इम्पलाईज़, हमारे सिविल सचिवालय के इम्पलाईज़, पब्लिक अण्डर टैकिंगज़, बोर्डज़ और कारपोरेशन्ज़, लोकल बॉडीस, यूनिवर्सिटीज़ एटसैट्रा-एटसैट्रा को अभी तक नये वेतनमान क्यों नहीं दिए गए। इसके अलावा प्रोविडैंट फण्ड के अन्दर 1-1-

---

@Put by Shri Sampat Singh

1996 से बढ़ी हुई तनख्वाहें जमा की गई हैं, स्पीकर सर, जब सैंट्रल गवर्नमैंट ने यह बढ़ी हुई राशि दो इन्स्टॉलमैंट्स में नकद अदा की है तब इस सरकार ने नकद अदायगी क्यों नहीं की और यह राशि भी अभी तक कर्मचारियों के जी०पी०फण्ड में जमा नहीं की गई है। मैं सरकार से यह जवाब चाहूंगा कि यह राशि अभी तक क्यों अदा नहीं गई है ? जो नये वेतनमान दिए गए हैं क्या वे स्यूटेबल टू दि इम्पलॉईज़ हैं या कि स्यूटेबल टू दि गवर्नमैंट हैं ?

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमने फिफथ पे कमीशन भारत सरकार के मुताबिक लागू किया है। हमने इनका पूरा भाषण सुन लिया है। बहुत सी पोस्टें ऐसी हैं जो सैंट्रल गवर्नमैंट 10.00 बजे में हैं लेकिन हमारे यहां नहीं हैं। बहुत से ग्रेड ऐसे हैं, जो उनके वहां पर हैं हमारे यहां पर नहीं हैं। जो मैक्सिमम अडजैस्टमैंट करके हम इम्पलाईज को दे सकते थे, हमने वह दे दिए हैं। अगर किसी की अनौमली हो तो हमने अनोमली कमेटी चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में बना रखी है। उसमें अपनी बात कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद अलाउंसिज की बात कही है। **The matter regarding grant of allowances is under active consideration of the Government. It will be decided at the earliest.**

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि पब्लिक अण्डर टेकिंग्ज़ तथा सिविल सचिवालय, विश्वविद्यालयों तथा विधान सभा के कर्मचारियों को पांचवें वेतन आयोग की रिपोर्ट अनुसार वेतन कब देंगे?

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी आप बैठिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। कैप्टन साहब, आप सिर्फ प्रश्न पूछें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि पांचवें वेतन आयोग को जो आपने लागू किया है इससे पहले एक स्टेट पे कमिशन बनाया गया था जिसका काम था कि जो बेसिक अनोमलीज़ हैं, खासतौर पर जैसे नर्सिंज का मामला चल रहा है और भी कई ऐसे महकमें हैं, उनकी अनोमली रह गई है उनको आप कब तक पूरा करेंगे। अलाऊंसिज के बारे में आपने जो कमेटी बनाई है उस बारे में बताएं कि आप कब तक फैसला करेंगे और इम्पलाईज को अलाऊंसिज कब तक दे देंगे? इसके अलावा जो स्पैशल ग्रेड इम्पलाईज़ को दिए गए थे जिसको एबोलिश कर दिया गया है क्या उसको दोबारा से लागू करेंगे या नहीं करेंगे? अध्यक्ष महोदय, बोर्ड और कॉर्पोरेशंज पर भी पांचवां वेतन आयोग लागू नहीं किया गया है उस को कब तक लागू कर देंगे? इसके अलावा जी०पी०एफ० में पैसा जमा होना था वह जमा हुआ है या नहीं हुआ है? इस बारे में मुख्यमंत्री जी बताएं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने अनोमली कमेटी बना रखी है और जिसको कोई भी शिकायत हो वह अनोमली कमेटी में चला जाए उससे सबको इन्साफ मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी कह रहे थे कि क्लर्कों का ग्रेड भारत सरकार में कुछ है और हमारे यहां पर कुछ और है। अध्यक्ष महोदय, क्लर्कों का स्केल केन्द्र में 3 हज़ार 50 रुपये से 4 हज़ार 590 है जो हमने भी दिया है। असिसटैन्ट का स्केल पांच हजार का है जोकि हमने भी दिया है। अध्यक्ष महोदय, एक वक्त था जब सम्पत सिंह जी सरकार में थे तो ये एक ऐसी कमेटी बनाकर गए थे कि एस०डी०ओ० की तनख्वाह एस०ई० से भी ऊपर जाए। ऐसा फैसला करते थे।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम बढ़ाते थे घटाते तो नहीं थे।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। अगला प्रश्न।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो पूछा है उसका जबाब नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष : अगला प्रश्न।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगला प्रश्न नहीं होना चाहिए। आप हमें प्रश्न नहीं पूछने दे रहे हैं। आप सरकार को बेल-आउट कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं होना चाहिए। We are not satisfied with the reply. You are bailing out the Govt.

Mr. Speaker : It is you imagination. You are nobody to guide me.

Shri Sampat Singh : You are our custodian and not of the Govt., Sir. We have the right to submit before you, Sir.

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) चौधरी साहब बैठिए। ऐसा है कि बजट पर आज डिस्कशन होनी है और उसके लिये जब टाईम आपको मिलेगा, उस वक्त जो चाहे बोल लेना। (शोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आप सप्लीमैंटरी अलाउ कर दें मैं इनको जवाब दे दूंगा। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। कप्तान साहब, आप भी बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सम्पत सिंह : सर, हम गवर्नमैंट के जवाब से सैटिसफाई नहीं हैं। इस तरह से तो मैम्बर्ज के राईट को गवर्नमैंट के आदेश पर दबाया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Now I have called other member to ask the question.

श्री सम्पत सिंह : सर, सरकार मेरे सवाल का जवाब क्यों नहीं दे रही है। (शोर एवं व्यवधान) यह कोई जवाब नहीं है।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप बैठें। (विघ्न) आप सभी अपनी सीटों पर बैठें।

श्री सम्पत सिंह : सर, पहले हमें सरकार के जवाब का तो पता लग जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठें। लीडर ऑफ दी हाउस ने आपको एक बार नहीं बल्कि दो बार इस बारे में बताया है। इसलिए अब आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान) The reply of this question has already been given.

कैप्टन अजय सिंह : स्पीकर सर, सरकार इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रही है।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, सरकार की तरफ से इस सवाल का कोई जवाब नहीं आया है।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, आपसे हमें यह आशा नहीं थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बहुत ही पुराने मैम्बर हैं। इसलिए आप बैठें।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, पार्लियामैंट में तो ऐसा कभी नहीं होता। वहां पर मैम्बर को केवल चेतावनी ही दी जाती है। जबकि यहां पर एक मिनट में ही इतने महत्वपूर्ण प्रश्न को मारा जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ऐसा है कि बाकी लोग आपको और मुझे देख रहे हैं। आप बैठें। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : सर, पहले इस सवाल का जवाब तो आना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आप बैठें। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, प्रो० सम्पत सिंह ने बड़ा अच्छा सवाल पूछा है कि पांचवे वेतन आयोग के हिसाब से गवर्नमैंट ऑफ इंडिया के क्लर्क के वेतनमान में और हरियाणा के क्लर्क के वेतनमान में विसंगति है। लेकिन आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में बताया है कि क्लर्क के वेतनमान 3050 की जो बात है वह हमने यहां पर भी लागू की है। इसी तरह से असिसटैंट के ग्रेड की जहां तक बात है वह भी हमने हरियाणा में लागू की है तो इससे ज्यादा संतुष्टि की और क्या बात हो सकती है ? (विघ्न) सर, यह क्वैश्चन ऑवर है और यह सप्लीमैंट्री पूछ सकते हैं। (विघ्न) सर, ये अपने सदस्यों को समझाएं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ऐसा है अब आप सभी बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मुझे सप्लीमैंट्री तो पूछने दें। सर, इसका मतलब तो यह है कि मंत्री तो बोल सकते हैं लेकिन हम नहीं बोल सकते । क्या यह हाउस केवल मंत्रियों के लिए ही है? यह क्या तरीका है ? (शोर एवं व्यवधान) हम तो कानून से बंधे हुए हैं लेकिन लोग आपको क्या कहेंगे, लोग आपके बारे में क्या सोचेंगे ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने जवाब जो दिया उसमें मैंने आखिर में जवाब ये दिया है कि जिस किसी को कोई ऑब्जैक्शन है वह अनॉमली कमेटी के सामने चला जाए, जो इंसाफ की बात होगी, कर दी जाएगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप एक क्वैश्चन पूछिए। This is no time to make a statement. You are only to ask one question.

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, क्वैश्चन ऑवर में मंत्री को भी स्टेटमैंट देने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

श्री मनीराम गोदारा : स्पीकर सर, मेरा प्वाइंट आफ ऑर्डर है। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गोदारा साहब, आप बैठ जाएं। Please let him speak. I have given him time to ask one question. Sampat Singh Ji, I again request you to ask one question directly.

Shri Sampat Singh : We have every right to know. और राइट टू नो में हमारा पब्लिक तक बात पहुंचाने का हक और फर्ज भी है। क्लर्कों के स्केल के बारे में मैंने कहा कि आपने स्टार्टिंग दे दिया लेकिन आफ्टर टैन ईयर 4 हजार और उसके बाद यहां 5 हजार का स्केल है जब कि गवर्नमैंट ऑफ इंडिया में आफ्टर टैन ईयर जो है वह 5 हजार का है मैंने यह प्वाइंट आउट किया था।

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, आप डायरैक्ट क्वेश्चन पूछिए।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, डायरैक्ट यही पूछना था कि जो पैसा इन्होंने कहा कि प्रौविडेंट फंड में 1-1-96 से जमा हो गया, बजट में भी इन्होंने यह लिख दिया है तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह पैसा जी०पी०एफ० में जमा हो गया है। केन्द्र सरकार ने जहां दो किश्तों में कैश दिया है वह यहां क्यों नहीं दिया गया ? इसके अलावा पब्लिक अंडरटेकिंग्ज, आपका सचिवालय स्पीकर सर (शोर एवं व्यवधान) हरियाणा का सचिवालय (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : You are only repeating whatever has already been stated by you and nothing new is there.

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मुख्यमंत्री जी सवाल का जवाब दे चुके हैं ये क्यों सदन का समय नष्ट कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि आपका सचिवालय, गवर्नमैंट का सचिवालय और पब्लिक अंडरटेकिंग्ज व लोकल बॉडीज जो हैं इनके स्केल्ज का क्या बना, इनको क्या देंगे ?

श्री बंसी लाल : स्पीकर सर, जो सचिवालय के मुलाजिम हैं इन्होंने खुद ही रिक्वैस्ट की थी कि केन्द्रीय सचिवालय के कर्मचारियों का पे स्केल्ज का मामला भारत सरकार में कंसीडर हो रहा है। जब भारत सरकार में फैसला हो जाएगा तब आप करना। भारत सरकार में फैसला हो गया है अब हम भी करने जा रहे हैं। हमने जी०पी०एफ० में पैसे को क्यों जमा किया क्योंकि सरकार के पास पैसे नहीं हैं। और विपक्ष के सदस्य फिर भी यह कह रहे हैं कि किसानों पर टैक्स लगा रहे हैं यह हमें बतायें कि कौन से टैक्स किसानों पर लगाये हैं यह सिर्फ लोगों को भड़काने की बात करते हैं और पोलिटिकल माईलेज बनाने की बात करते हैं। I have already replied to the question. If the employees feel aggrieved then they can go to the Anomaly Committee.

वाक आऊट

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो सम्पत सिंह जी बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो धीरपाल सिंह जी बोल रहे हैं वह भी रिकार्ड न किया जाये।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमारी बात नहीं सुनी जा रही है इसलिए हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं। We are not satisfied with this reply.

(इस समय हरियाणा लोकदल राष्ट्रीय पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य (केवल श्री कृष्ण लाल को छोड़कर) और इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आऊट कर गए)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

HAILSTORM

***634. Shri Krishan Lal :** Will the Minister for Revenue be pleased to State—

(a) whether it is a fact that the crops were damaged due to hailstorm in the State during the year 1997-98; and

(b) if so, whether the compensation has given to the affected farmers; if so, the districtwise details thereof ?

राजस्व मन्त्री (श्री सूरजपाल सिंह) :

(क) जी, हां।

(ख) ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए उपायुक्तों की स्वीकृत की गई राशि का ब्यौरा सदन के पटल पर रखा जाता है।

ब्यौरा

क्रमांक	जिले का नाम	ओलावृष्टि की तिथि	प्रभावित क्षेत्र (एकड़ों में)	उपायुक्तों की स्वीकृत की गई राशि (रुपयों में)
1	2	3	4	5
1.	कैथल	1-4-97	कम ओलावृष्टि	कोई मुआवजा देय नहीं बनता
		17-10-97	10912	39,62,495
2.	गुड़गांव	7-12-97	24623	1,24,68,960
3.	जींद	3,4-4-97	4060	कोई मांग प्राप्त नहीं हुई। मुआवजा देय नहीं बनता।
		17-10-97	8271	41,12,167
4.	फरीदाबाद	3-4-97	351.66	1,13,164
		28-10-97 और 7-12-97	3876	23,29,895
5.	हिसार	1,4-4-97	कम ओलावृष्टि	मुआवजा देय नहीं बनता
		28-10-97	475	2,10,000
6.	सिरसा	1,3-4-97	2700	8,50,500

[सूरजपाल सिंह]

1	2	3	4	5
		1-10-97	13067	59,14,975
		11-3-98	19000	कम ओलावृष्टि। मुआवजा देय नहीं बनता।
7.	फतेहाबाद	1-10-97 और 28-10-97	2623	13,31,684
8.	पानीपत	19-10-97	494	2,21,400
9.	रिवाड़ी	2-4-97 और 19-10-97,	कम ओलावृष्टि	कोई मुआवजा देय नहीं बनता।
		3-3-98, 12-3-98 और 22-3-98	5868	27,29,475
10.	पंचकूला	29-3-97	कम ओलावृष्टि	मुआवजा देय नहीं बनता।
11.	अम्बाला	29-3-97	कम ओलावृष्टि	मुआवजा देय नहीं बनता।
12.	भिवानी	1,4-4-97	4007 कम ओलावृष्टि	मुआवजा देय नहीं बनता।
		12-3-98	13516	68,82,280
13.	रोहतक	2,4-4-97	कम ओलावृष्टि	मुआवजा देय नहीं बनता।
		29-10-97	451	2,55,284
14.	करनाल	2,4-4-97	कम ओलावृष्टि	मुआवजा देय नहीं बनता।
		6-10-97 और 17-10-97	523	1,96,028
15.	नारनौल	2,3,4-4-97	5448	9,87,682
		5-3-98, 22-3-98	4029	13,94,820
16.	झज्जर	5-3-98 और 12-3-98	406	1,86,637

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जितना भी प्रदेश में ओलावृष्टि से नुक्सान हुआ है उसका मुआवजा अदा कर दिया गया है।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि ओलावृष्टि से प्रदेश के 16 जिले प्रभावित हुये हैं उनमें करनाल जिले में 2-4-97, 6-10-97 और 17-10-97 को ओलावृष्टि हुई है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि किन मापदण्डों के आधार पर इन क्षेत्रों की

गिरदावरी करवाई गई है क्योंकि करनाल जिले में 523 एकड़ और पानीपत में 593 एकड़ भूमि प्रभावित हुई है तथा किसानों को मुआवजा कितना-कितना दिया है। कम से कम और ज्यादा से ज्यादा मुआवजा किसानों को कितना दिया गया है।

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि सारी स्टेटमेंट सदन के पटल पर रख दी है जिसमें प्रदेश के सभी जिले ओलावृष्टि से प्रभावित हुये हैं। यह ओलावृष्टि मार्च-अप्रैल 1997, अक्तूबर-दिसम्बर 1997 और मार्च 1998 को हुई है तथा मार्च 1998 तक के नुकसान की राशि हमने मुआवजे के रूप में किसानों को दे दी है तथा यह राशि नार्म्स के आधार पर दी गई है। नार्म्स के अनुसार 25 प्रतिशत तक के नुकसान में कोई मुआवजा नहीं दिया जाता है 25 से 50 प्रतिशत तक के नुकसान की राशि हमने नार्म्स के अनुसार जितनी उपायुक्त ने मांगी हमने दे दी है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, राजस्व मंत्री जी ने अपने उत्तर में अभी यह कहा है कि उपायुक्त महोदय ने जो राशि मुनासिब समझकर मांगी है वह इन्होंने भेज दी है। मैं माननीय मंत्री महोदय जो कि लायक हैं उनसे जानकारी चाहता हूं कि मुनासिब राशि क्या है। ये स्वयं किसान की स्थिति से अवगत हैं और इन्हें किसानों के प्रति हमदर्द होना भी चाहिये। दूसरा मैं यह जानना चाहता हूं कि जैसे रुपये की क्रय शक्ति दिन-प्रतिदिन गिरती जा रही है उसके हिसाब से मुआवजे की राशि को जो पिछली सरकारों के समय से चली आ रही है क्या उसको बढ़ाने पर सरकार विचार कर रही है। पैसे की कीमत गिर रही है। मैं चाहता हूं कि मुआवजे की राशि भी बढ़ाई जाए। आप इसमें सहयोग दें।

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, उपायुक्तों को राशि भेज दी गई है। फिर भी मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि जहां पर 75 से 100 फीसदी नुक्सान हुआ है वहां प्रति एकड़ 600 रुपये के हिसाब से राशि देय बनती है। जहां पर 50 से 75 फीसदी नुक्सान हुआ है, वहां पर 450 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से राशि देय बनती है और जहां पर 25 से 50 फीसदी नुक्सान हुआ है, वहां पर 300 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से राशि देय बनती है। उपायुक्तों की रिपोर्ट और सर्वे के अनुसार हर जिले में मुआवजा राशि भेज दी गई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इनका पूछने का तात्पर्य यह है कि जो कीमतें बढ़ रही हैं, क्या उनके हिसाब से मुआवजा राशि बढ़ाने का भी आपका कोई विचार है ?

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह तो केन्द्रीय सरकार पर ही निर्भर करता है, जब केन्द्रीय सरकार यह बढ़ा देगी, उसके हिसाब से राज्य सरकार भी बढ़ा देगी। (विघ्न)

श्री नरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़ तथा रिवाड़ी जिलों व दादरी में सरसों की फसल 60 से 70 प्रतिशत तक बर्बाद हो चुकी है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इसके लिये किसानों को कोई मुआवजा राशि देगी ?

श्री सूरजपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि उस वक्त सरसों की फसल का जितना नुक्सान हुआ था, उसके अनुसार मुआवजा प्रदान किया जा चुका है।

Implementation of the Recommendation of the Fifth Pay Commission in Kurukshetra University

***662. Shri Ashok Kumar :** Will the Minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the benefit of the revised pay scales in accordance with the recommendations of the fifth pay commission of the Central Govt., has not been given to the employees of the Kurukshetra University; if so, the reasons thereof ?

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा) : जी हां, शिक्षकों के वेतनमान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार की सिफारिशों को सम्मुख रखकर संशोधित किये जाते हैं जो अभी अपेक्षित हैं। नान-टीचिंग कर्मचारियों के सम्बन्ध में राज्य सरकार ने एक समिति गठित की है जोकि राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतनमान संशोधन के पैटर्न पर विश्वविद्यालयों के विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों के वेतनमानों में संशोधन बारे विचार करेगी। इस समिति द्वारा अभी अपनी सिफारिशें सरकार को प्रस्तुत की जानी है।

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, अपने जवाब में मंत्री महोदय ने बताया है कि एक समिति गठित की गई है। मैं इन से पूछना चाहता हूं कि जब नान-टीचिंग स्टॉफ को भी हरियाणा सरकार के कर्मचारियों के पैटर्न पर वेतनमाम दिये जने हैं तो अलग से समिति गठित करने की क्या आवश्यकता पड़ी ? दूसरा सवाल मेरा यह है कि क्या मंत्री जी इस को टाईम-बाउंड करने का कष्ट करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने बड़ा मौलिक सवाल किया है। मैं इन को बताना चाहता हूं कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का कई दिन से एक विवाद चलता रहा और उन्होंने खुद सरकार से एक मांग की थी कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को भी निदेशालय व सचिवालय के कर्मचारियों के समान वेतनमाम दिये जायें। यह जो समिति हम ने बनाई है, यह विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के आग्रह पर, इनके निवेदन पर ही बनाई है। मैं माननीय साथी को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम जल्दी से जल्दी इस समिति की सिफारिश को कार्यान्वित करेंगे। इस समिति की रिपोर्ट हम ने इसी महीने मांगी है जिसको जल्दी ही लागू करेंगे।

Bottles of Liquor Seized

***675. Shri Dhir Pal Singh :** Will the Minister for Prohibition, Excise and Taxation be pleased to state—

(a) the total number of bottles of liquor and beer seized in the State during the period from 1st July, 1996 to 31st march, 1998; and

(b) the steps taken or proposed to be taken to dispose of the above said seized bottles ?

नगर एवं गांव योजना मंत्री (सेठ सिरी किशन दास) :

(क) इस सम्बन्ध में कथन सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख) उपरोक्त अवधि के दौरान जब्त की गई शराब तथा बीयर की बोतलें "केस प्रापर्टी" है तथा उनका किसी भी प्रकार तब तक निपटान नहीं किया जा सकता जब तक न्यायालयों द्वारा इनका निर्णय नहीं कर दिया जाता।

कथन

(क) राज्य में मद्य निषेध अवधि के दौरान दिनांक 1-7-1996 से 31-3-1998 तक मद्य निषेध स्टाफ और पुलिस कर्मियों द्वारा पकड़ी गई शराब की बोतलों, बीयर सहित की मात्रा निम्न प्रकार से है :—

क्रमांक सं०	शराब की किस्म	बोतलों की संख्या	प्लास्टिक की थैलियां
1.	अंग्रेजी शराब	10,53,453	—
2.	देशी शराब	3,47,971	22,36,444
3.	बीयर	39,700	—
	जोड़	14,41,124	22,36,444

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय जी ने प्रश्न का कुछ जवाब पटल पर रखा है और कुछ यहां हाउस के सामने कहा है। मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से यह जानकारी चाहता हूं कि जो आंकड़े इन्होंने जवाब में दर्शाए हैं क्या उनको मौका मुआना कराया गया है । मेरी जानकारी में यह बात है कि कुछ शराब की बोतलें नष्ट हो गई हैं और प्लास्टिक की थैलियां जिनको चूहों द्वारा काटा गया है, धीरे धीरे नष्ट हो रही हैं।

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, धीरपाल जी की इन शराब की थैलियों में रूचि हमारी समझ में नहीं आती। जब हमने शराब बन्द कर रखी थी तब भी इनकी रूचि थी और अब भी इनकी रूचि है।

श्री धीरपाल सिंह : माननीय हाउस के नेता जब रोहतक जिले के ग्रीवैन्सिज कमेटी के चेयरमैन थे उस समय वहां पर शराबबन्दी के पक्ष में जो जो बातें हो रही थीं इन बातों का उल्लेख किया था। हमारी पार्टी ने हाउस में बिना किसी बात को आगे रखते हुए खुलकर समर्थन दिया था। हमारी पार्टी चाहती थी कि प्रदेश में शराब बन्द हो लेकिन आपकी नीतियां फेल हो गई। मंत्री जी ने जवाब में जो आंकड़े दर्शाए हैं उनके आधार पर मेरे पास जानकारी है कि जो शराब की बोतलें पकड़ी गई इनमें कोर्ट में मामले विचाराधीन है। जो थैलियां आहिस्ता-आहिस्ता नष्ट हो रही हैं इनको फिर कहां दर्शाया गया है।

सेठ श्री सिरी किशन दास : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ऐसी बात नहीं है। कोर्ट के मजिस्ट्रेट को अख्तियार होता है कि जो सामान पकड़ा गया वह अपने सामने मंगवाएं। जैसे शराब की 40 बोलतें पकड़ी गई तो कोर्ट का मजिस्ट्रेट कह सकता है कि वह 40 बोलतें लाकर दिखाओ।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो आंकड़े इन्होंने रिप्लाई में दर्शाए हैं क्या उसका मौका मुआना कराया गया और यदि कराया गया तो किस अधिकारी के द्वारा करवाया गया।

सेठ श्री सिरी किशन दास : जो चीज पकड़ी जाती है उसके मौका मुआने की जरूरत नहीं समझी जाती और वह सरकारी बन जाती है।

Ban on Exposing Women in Advertisements

***677. Shri Dharam bir Gauba, :** Will the Minister of State for Public Relations be pleased to state whether any communication on the eve of International Women's Day in 1997 has been received from the Union Government to impose ban exposing women in advertisements being published in Newspapers; if so, the details thereof together with the action taken or proposed to be taken in this regard ?

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : समाचार पत्रों में स्त्री के विज्ञापन पर प्रतिबन्ध बारे अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 1997 पर भारत सरकार का कोई संदेश प्राप्त नहीं हुआ।

श्री धर्मवीर गावा : मंत्री महोदय ने यह कह दिया कि हमारे पास कोई कम्यूनिकेशन नहीं आई। जवाब सुनकर मुझे बड़ी हैरानगी हुई है। यह लैटर गवर्नमैंट आफ इंडिया का मेरे पास है जो हरियाणा के मुख्य सचिव को लिखा गया है। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है। क्यों न मंत्री जी के खिलाफ प्रिवीलेज मोशन दे दी जाए ? ये हाउस में पूरे तैयार होकर नहीं आते। मंत्री जी हाउस को गुमराह कर रहे हैं (शोर)

Mr. Speaker : Questions hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज़ पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Number of Wells Constructed Under the Million Wells Scheme.

***694. Sh. Bhagi Ram :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) the districtwise number of wells constructed in the fields of small marginal farmers belonging to SC/ST under the Million Wells Scheme during the last three years in the State; and

(b) the names of the farmers of the villages of Ellenabad and Rania Tehsils of District Sirsa in whose fields wells were constructed under the aforesaid scheme during the above said period ?

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह) :

(क) जिलावार विवरण अनुबन्ध "ए" पर दिया गया है।

(ख) तहसील ऐलनाबाद तथा रानिया के किसानों की सूची अनुबन्ध "बी" पर प्रस्तुत है।

अनुबन्ध-ए

राज्य में दस लाख कुआं योजना के अन्तर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति हेतु बनाये गये कुओं की संख्या :—

जिले का नाम		1995-96	1996-97	1997-98	जोड़
1.	अम्बाला	13	19	18	50
2.	भिवानी	39	43	47	129
3.	फरीदाबाद	0	0	16	16
4.	गुड़गांव	40	31	17	88
5.	हिसार	109	0	0	109
6.	जींद	0	52	36	88
7.	कैथल	0	0	0	0
8.	करनाल	0	0	6	6
9.	कुरुक्षेत्र	0	0	9	9
10.	महेन्द्रगढ़	34	8	0	42
11.	पंचकूला	0	0	20	20
12.	पानीपत	0	10	11	21
13.	रिवाड़ी	31	0	0	31
14.	रोहतक	111	5	20	136
15.	सिरसा	107	55	117	279
16.	सोनीपत	0	0	0	0
17.	यमुनानगर	2	0	143	145
	जोड़	486	223	460	1169

[श्री कंवल सिंह]

अनुबन्ध बी

तहसील ऐलनाबाद तथा रानिया में वर्ष 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 के दौरान दस लाख कुआं योजना के अन्तर्गत जिन किसानों के खेतों में कुएं बनवाये गये उनके नाम

वर्ष 1995-96 **ऐलनाबाद तहसील**

क्र०सं०	गांव का नाम	लाभार्थी का नाम
1	2	3
		सर्वश्री-
1.	संत नगर	1. हरबन्स कौर पत्नी तेजासिंह
2.	शेखू खेड़ा	2. पूरण राम सुपुत्र नन्द राम
3.	खेड़ी श्योराण	3. निकू सुपुत्र रति राम
4.	हिमायूं खेड़ा	4. मायव सिंह सुपुत्र गुरूदयाल सिंह
		5. बलविन्द्र कौर पत्नी कशमीर
5.	मल्ला खेड़ा	6. हरिचन्द सुपुत्र मंगत सिंह
		7. बसावा राम सुपुत्र किशन चन्द
6.	किशन पुरा	8. मनफूल सुपुत्र फरसा राम
		9. विछपाल सुपुत्र फरसा राम
7.	मिर्जापुर	10. निरजन सिंह सुपुत्र बुद्धराम
8.	कोटली	11. जगीर कौर पत्नी प्रीतम
		12. कशमीर सिंह पंच
9.	भुरन्त वाला	13. जगदीश सुपुत्र देवीराम
		14. मन्ना सुपुत्र दिया राम
		15. मनीराम सुपुत्र मधुराम
		16. हरिराम सुपुत्र मोतीराम
		17. मनी राम सुपुत्र पवन पाल
		18. मालू राम सुपुत्र उदा राम
		19. लूना राम सुपुत्र पवन पाल
10.	हिमायूं खेड़ा	20. दलवीर सिंह नम्बरदार
11.	मम्मेर कलां	21. साही राम बाल्मिकी
		22. सज्जन राम सुपुत्र मंगा राम
12.	मीमला	23. रामचन्द सुपुत्र सूरजभान
		24. प्रेम राज सुपुत्र निकू राम
13.	खेड़ी श्योराण	25. पाला राम सुपुत्र दुलाराम
		26. दीपाराम सुपुत्र मोमन
14.	कुम्थल	27. दो कुएं पंचायत भूमि में
15.	हिमायूं खेड़ा	28. एक कुआं पंचायत भूमि में

वर्ष 1995-96 तहसील रानियां

क्र०सं०	गांव का नाम	लाभार्थियों का नाम
1	2	3
		सर्व श्री
1.	नाईवाला	1. राम कुमार सुपुत्र सन्ता राम
		2. आत्माराम
		3. मोतीराम
		4. फूला रानी पत्नी इन्दर
2.	नानूवाना	5. चुन्नी लाला सुपुत्र पूरण चन्द
		6. हंसराज सुपुत्र हर चन्द
		7. हदीराम
		8. लालचन्द
		9. ओमप्रकाश सुपुत्र प्रेमा
		10. दूली चन्द पुत्र हरिचन्द
		11. राम कुमार
		12. परसराम सुपुत्र तुलसी राम
		13. गोपी राम सुपुत्र बस्ती राम
		14. नोपा सुपुत्र नथूराम
		15. मनफूल
		16. झण्डाराम
		17. मदन लाल
3.	भरोलावाली	18. जनक नाथ सुपुत्र सेबक
4.	वहिया	19. शोभराज
		20. नत्थू सुपुत्र बेजाराम
		21. कृष्ण सुपुत्र निदान सिंह
		22. किशोरी सुपुत्र सोमपत
		23. लाल चन्द
		24. श्रवण सुपुत्र मनफूल
5.	मैनपाल	25. बुद्ध सिंह
6.	निगराना	26. बलदेव सिंह सुपुत्र जोगिन्द्र सिंह
7.	कोठा सैनपाल	27. मोहिन्द्र बाजीगर
8.	दूधियावाली	28. जगजीत सुपुत्र मक्खन सिंह
		29. परसराम सुपुत्र बस्तीराम
		30. जमनाराम

[श्री कंवल सिंह]

1	2	3
		31. बसेरू राम
9.	अक्कोली	32. रामकिशन सुपुत्र नानूराम
		33. पंचायत भूमि
10.	पट्टी रथबास	34. मंगला राम
11.	कूसर	35. सुरजाराम सुपुत्र जेथाराम
12.	वालासर	36. मंगलाराम सुपुत्र हंसराज
		37. दाराराम
		38. पुरणराम
		39. धर्मपाल सुपुत्र दलबीर सिंह
		40. मनफूल
		41. मनीराम सुपुत्र पूरण राम
13.	सादेवाला	42. मुखराम
		43. मनफूल सुपुत्र हुकम राम
14.	मोहम्मद पुरिया	44. जगतार सिंह
15.	खारिया	45. अम्मी लाल
16.	फकीरावाली थेर	46. गंगा सिंह सुपुत्र निहाला सिंह

वर्ष 1996-97 तहसील ऐलनाबाद

क्र० सं०	गांव का नाम	लाभार्थी का नाम
1	2	3
		सर्व श्री
1.	महना खेड़ा	1. पंचायत भूमि
2.	मिट्ठी श्योराण	2. जगमाल सुपुत्र शेरा
		3. सुरजीत सुपुत्र बलराम
3.	थोवड़िया	4. सुरजाराम
4.	किशनपुरा	5. रामकुमार सुपुत्र उधमी राम
5.	भूरन्तवाला	6. सुरजाराम
		7. गिद्दा राम सुपुत्र मधुराम
6.	हिमायूं खेड़ा	8. अच्छर सिंह
7.	थोवड़िया	9. हंसराम सुपुत्र बाबू लाल
8.	खेड़ी श्योराण	10. दौलतराम सुपुत्र भारू राम
9.	भूरन्तवाला	11. राजिन्द्र कुमार
		12. नत्थूराम

वर्ष 1997-98 तहसील रानियां

क्र० सं०	गांव का नाम	लाभार्थी का नाम
1	2	3
		सर्व श्री
1.	बन्नी	1. रुलिया सुपुत्र खुशीराम
		2. मामन सुपुत्र हरजीलाल
		3. गफूरा सुपुत्र इन्दर राम
		4. बुद्धराम सुपुत्र सारी राम
		5. नत्थाराम सुपुत्र चिराग
		6. मनी राम सुपुत्र भालूराम
2.	दूधियावाली	7. पिरथी सिंह
		8. मनी राम सुपुत्र चोखा राम
3.	पट्टी रथवास	9. पिरथीराज
4.	दोतार	10. गोपीराम सुपुत्र हरिराम
5.	ओटू	11. पंचायत भूमि
6.	दालासर	12. बिद्या देवी पत्नी भंवर लाल
7.	वढ़िया	13. पंचायत भूमि
8.	खज्जा खेड़ा	14. पालूराम सुपुत्र आत्मा राम
9.	माटूवाला	15. पंचायत भूमि
10.	नकोरा	16. कांशी राम सुपुत्र सुरजाराम
		17. मीरा देवी पत्नी केसराराम
11.	नाईवाला	18. इन्दर सुपुत्र सुनाम राम
12.	निगराना	19. प्रीतम सिंह
13.	ओटू	20. भंगत सिंह सुपुत्र आत्मा सिंह
14.	सुल्तान पुरिया	21. बूट्टा सिंह सुपुत्र करनेल सिंह
15.	कूसर	22. ओम प्रकाश सुपुत्र श्योदन
		23. पंचायत भूमि
16.	खज्जा खेड़ा	24. दयाराम सुपुत्र दौलतराम
17.	बन्नी	25. खुशल सुपुत्र दोना राम

[श्री कंवल सिंह]

वर्ष 1997-98 तहसील ऐलनाबाद

क्र० सं०	गांव का नाम		लाभार्थी का नाम
1	2		3
			सर्व श्री
1.	मिट्ठी श्योराण	1.	सुरजीत सिंह सुपुत्र बलराम
2.	थोवड़िया	2.	सुरजा राम सुपुत्र गिरधारी लाल
3.	किशनपुरा	3.	अमर सिंह सुपुत्र बृज लाल
4.	भूरन्तवाला	4.	सुरजा राम सुपुत्र माना राम
		5.	बगरावत
5.	हिमायूं खेड़ा	6.	मक्खन सिंह सुपुत्र सन्ता सिंह
6.	कुत्तावढ़	7.	रांझाराम सुपुत्र बहादुर राम
7.	खेड़ी श्योराण	8.	रवाता राम सुपुत्र देरुराम
8.	मुसली	9.	पंचायत भूमि
9.	मालेकन	10.	अमर लाल सुपुत्र चेतराम
10.	मिट्ठी श्योराण	11.	चानन राम सुपुत्र ईश्वर राम
11.	उमेदपुरा	12.	दलबीर सुपुत्र रामचन्द्र
		13.	गंगा राम सुपुत्र जीवन राम
12.	पत्ती किरपाल	14.	पंचायत भूमि
13.	ममरान खुर्द	15.	पंचायत भूमि
14.	मिट्ठनपुर	16.	पंचायत भूमि
15.	भूरन्तवाला	17.	बृजलाल सुपुत्र सुल्तान
16.	मिट्ठी श्योराण	18.	साहिब राम
		19.	धूनी राम सुपुत्र मनफूल (1998-99 में आरम्भ किया गया)
17.	थोवड़िया	20.	हंसराज सुपुत्र बाबू राम
18.	खेड़ी श्योराण	21.	तौलतराम सुपुत्र भानुराम
19.	भूरन्तवाला	22.	वजीन्द्र सुपुत्र कुन्दन लाल
		23.	नत्थूराम सुपुत्र पाला राम
20.	महना खेड़ा	24.	पंचायत भूमि
21.	हिमायूं खेड़ा	25.	गुरनाम सिंह सुपुत्र प्यारा सिंह
22.	कुम्थल	26.	हरनाम सुपुत्र माला राम
23.	कुत्तावढ़	27.	गुरुमुख राम सुपुत्र पन्जु राम
24.	भूरन्तवाला	28.	हरचन्द
		29.	मनहोरी
25.	हिमायूं खेड़ा	30.	अमर सिंह सुपुत्र दर्शन सिंह
26.	मिट्ठी श्योराण	31.	श्याम लाल सुपुत्र चिमना राम

वर्ष 1997-98		तहसील रानियां
क्र0 सं०	गांव का नाम	लाभार्थियों का नाम
1	2	3
		सर्व श्री
1.	बालासर	1. केसरा राम सुपुत्र शियोजी राम
		2. प्रताप सुपुत्र रामेश्वर
		3. मोमन राम सुपुत्र पूरण राम
		4. चुनी राम सुपुत्र शियोजी राम
		5. भवराम सुपुत्र अलादिता
2.	कूसर	6. मंगतराम सुपुत्र नेकी राम
3.	नाईवाला	7. देदराम सुपुत्र रामचन्द्र
		8. पप्पू राम सुपुत्र जिला राम
4.	नकोरा	9. दलीप सिंह सुपुत्र श्योराण सिंह
5.	मिठ्ठरॉ	10. कांशी राम सुपुत्र सुरजा राम
		11. माया देवी पत्नी केसरा राम

Inclusion of Gurha and Joandhi Villages in Tehsil Jhajjar

***710. Shri Virender Pal Ahlawat** : Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the the Government to include the Joandhi and Gurha villages of Beri Tehsil into Jhajjar Tehsil ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरज पाल सिंह) : जी, हां।

Completion of Water Works Malour

***711. Shri Ramphal Kundu :** Will the Minister for Public Health be pleased to state the time by which the construction work of the Water Works Malour in District Jind is likely to be completed ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन नाथ) : जिला जींद का मलार जल घर 31-7-98 तक पूर्ण होने की संभावना है।

Construction of a stadium at Kheri-Jasour

***701. Sh. Nafe Singh Rathee :** Will the Minister of State for Sports be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Stadium in village Kheri-Jasour, Distt. Jhajjar ?

खेल राज्य मन्त्री (श्री राम स्वरूप रामा) : जी नहीं, श्रीमान जी खेड़ी जसौर ग्राम पंचायत ने खेल मैदान के विकास हेतु 25,000 रुपये जमा करवाए थे तथा राज्य सरकार की ओर से भी वर्ष 1992-93 में 25,000 रुपये का अनुदान स्वीकृत कर दिया गया था।

Up-Gradation of Govt. High School, Samchana

***679. Shri Balwant Singh Maina :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Govt. High School, Samchana to 10+2 in District Rohtak ?

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : जी नहीं।

Construction of a Building for P.H.C., Tarori

***729. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for Health be pleased to State whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a building for the P.H.C. Tarori ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : जी हां।

Withdrawal of Cases

***731. Shri Jaswinder Singh :** Will the Minister for Home be pleased to State—

(a) whether any cases were registered against the HALODRA (Haryana Lok Dal Rashtriya) workers who launched an agitation on June 23rd, 1995 in the protest of Yamuna River Water accord made by the then Govt.; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to withdraw the aforesaid cases ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) :

(क) इस नाम की पार्टी के किसी कार्यकर्ता के विरुद्ध कोई मुकद्दमा दर्ज नहीं हुआ।

(ख) उपरोक्त "क" के उत्तर को मद्देनजर रखते हुए, इसका सवाल ही नहीं उठता।

Posting of Teachers in Up-gradded Schools

***736. Shri Mani Ram, :** Will the Minister for Education be pleased to State—

(a) whether the posting of the teachers in the Schools upgraded during the year 1997-98 have been made as per their requirement; if not, the time by which the required staff is likely to be posted therein; and

(b) whether other facilities such as Science Laboratory, Sports goods etc., have also been provided so far in the Schools as referred to in part (a) above; if not, the reasons thereof ?

Mr. Speaker : Extension has been asked for in respect of this question. Interim reply received from the Education Minister is as under :–

"अशा० क्र० 2681-EM-98

राम बिलास शर्मा

शिक्षा मन्त्री, हरियाणा, चण्डीगढ़।

दिनांक 20-7-98.

मान्यवर प्रो० छतर सिंह जी चौहान,

विषय : *विधान सभा तारांकित प्रश्न नं० 736*

श्री मनी राम, विधायक ने विधान सभा तारांकित प्रश्न नं० 736 द्वारा यह जानना चाहा है कि क्या 1997-98 में स्तरोन्नत किये गए विद्यालयों में आवश्यकता अनुसार अध्यापकों की नियुक्ति कर दी गई है और क्या इन विद्यालयों में विज्ञान कक्ष एंव खेल आदि सामान की सुविधाएं उपलब्ध करवा दी गई हैं। वर्ष 1997-98 में 112 प्राथमिक विद्यालयों का, 120 माध्यमिक विद्यालयों का तथा 143 उच्च विद्यालयों का स्तर बढ़ाया गया था। इस प्रकार वांछित सूचना 375 विद्यालयों से एकत्रित की जानी है जो कि सभी जिलों के आन्तरिक भागों में स्थित हैं। वास्तविक स्थिति विद्यालय वार पता करने में तीन सप्ताह का समय लगने की सम्भावना है। अतः 22-7-98 के लिये निश्चित इस प्रश्न का उत्तर 22-7-98 को देना सम्भव नहीं है।

मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप कृपया शिक्षा विभाग को प्रश्न का उत्तर देने के लिए तीन सप्ताह का समय देने की कृपा करें।

सादर।

आपका

हस्ता/-

(राम बिलास शर्मा)

श्री छत्तर सिंह चौहान,
अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा,
चण्डीगढ़।"

Repair of Roads

***768. Shri Ramji Lal :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following badly damaged roads of Yamunanagar District :–

(i) from Chhachhroli to Nangli;

(ii) from Chhachhroli to Kot;

[श्री रामजी लाल]

(iii) from Bilaspur to Chhachhroli;

(iv) from Bilaspur to Dhanaura;

(v) from Bilaspur to Jagadhri;

(vi) from Bilaspur to Sadhaura;

(vii) from Sadhaura to Kala Amb;

(viii) from Sadhaura to Naraingarh via Ambali;

(ix) from Ambali to Gadhauli;

(x) from Ambali to Joli;

(xi) from Ambali to Fatehpur;

(xii) from Ambali to Shahpur via Berkheri;

(xiii) from Ambali to Shahjadpur via Headmaan; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be repaired ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) जून, 1999 तक।

Making of Passage Pacca

***639. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to make pacca passage upto the Shamshan Ghat (Cremation Ground) of Mohana, Juan, Chatana, Pinana, Naina Tetarpur, Khirajpur, Jat Majra & Sandal Khurd Villages of District Sonipat ?

विकास मन्त्री (श्री कंवल सिंह) : गांव पिनाना के अतिरिक्त ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

Pump Houses of Hassanpur Distributary

***643. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state the time by which the Pump Houses of Hassanpur distributary will be energised togetherwith the amount spent thereon so far ?

सिंचाई राज्य मन्त्री (श्री हर्ष कुमार) : हसनपुर रजबाह के बाकी बचे तीन पम्प हाउसों को ऊर्जित करने हेतु आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं जो कि दो वर्षों में अर्थात् 30-6-2000 तक पूर्ण कर लिये जाएगें। अब तक पम्प हाउसों के निर्माण पर 6.38 लाख रुपये और ऊर्जित करने के लिये 27.37 लाख रुपये खर्च किये जा चुके हैं।

समाज रक्षा एवं सुरक्षा विभाग द्वारा पैंशन के वितरण से संबधित मामले आदि

स्थानीय स्वशासन मंत्री (डॉ० कमला वर्मा) : स्पीकर साहब, कल सदन में सढ़ौरा के माननीय सदस्य ने एक बात कही थी कि पटवारी से साढ़े तीन लाख रुपये लूट लिये गये, इसलिये लोगों को पैंशन नहीं मिली। मुझे इस बारे में पूरी जानकारी न होने के कारण उस समय मैंने यह जवाब दे दिया था कि अगर पटवारी से पैसे लूट लिये गये हैं तो हम वह पैसा वित्त विभाग से लेंगे। मैं माननीय सदस्य से यह जानना चाहती हूं कि वह पटवारी कौन था, जिससे पैसे लूटे गये, कौन से दिन लूटे गये और कौन सा महीना था और किस स्थान पर वह पैसा लूटा गया। माननीय सदस्य ने जो बात कही थी वह बिल्कुल निराधार और असत्य बात है। कल मैंने यहां से जा कर इस बारे में डी०सी०, एस०पी० और तहसीलदार से पता किया, उन्होंने बताया कि किसी भी जगह कोई पैसा नहीं लूटा गया है और न ही कोई एफ०आई०आर० इस मामले में दर्ज हुई है। मैं जानना चाहती हूं कि माननीय सदस्य ने किस आधार पर यह बात कही है? माननीय सदस्य ने असत्य बात कही है, सदन को गुमराह किया है इसलिये अध्यक्ष महोदय, आप ही इन्हें जो दण्ड देना चाहें दें।

श्री रामजी लाल : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया को बताना चाहूंगा कि साढ़े तीन लाख रुपये पटवारी से लूटे गये हैं। इस बारे में पूरी सूचना मैं 27 तारीख को यहां पर दे दूंगा। स्पीकर साहब, प्रदेश के सारे पटवारी स्ट्राइक पर हैं। कोई भी पटवारी पैंशन नहीं बांट रहा है। इस मामले के बारे में पूरी सूचना मैं 27 तारीख को आपके समक्ष पेश कर दूंगा।

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य से जानना चाहती हूं कि क्या इस बारे में कोई एफ० आई०आर० दर्ज हुई है कि यह पैसा कौन सी जगह लूटा गया है? इसकी पूरी जानकारी तो दे दें। पैंशन तो सारे जिले मे बंट चुकी है। यदि पटवारी स्ट्राइक पर हैं तो हमने दूसरे प्रबंध से पैंशन बंटवाई है। जिसमें राजस्व एंव पंचायत विकास विभागों के कर्मचारी क्षेत्र में पैंशन वितरण करने के लिए गये।

श्री अध्यक्ष : साहेबान, मैं माननीय सदस्य रामजी लाल जी से रिक्वैस्ट करूंगा कि आपने हाउस में कल जो बात कही थी वह इनकम्पलीट थी। बिना प्रमाण के आपको इस तरह की बात हाउस में नहीं कहनी चाहिए।

श्री रामजी लाल : स्पीकर साहब, मैं इस बारे में पूरी सूचना 27 तारीख को आपके समक्ष पेश कर दूंगा।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप 27 तारीख को इस बारे में डिटेल्ड इन्फर्मेशन पेश कर दें।

डॉ० कमला वर्मा : क्या इस बारे में कोई एफ०आई०आर०दर्ज हुई है कि कौन सी जगह पर यह पैसा लूटा गया है? इस बारे में सारी सूचना दें।

श्री रामजी लाल : मैं 27 तारीख को सारी सूचना पेश कर दूंगा।

श्री धर्मबीर गाबा : स्पीकर साहब, माननीय मंत्री जी ने मेरे सवाल का जवाब सही नहीं दिया, मेरे पास उस बारे में पूरी इन्फर्मेशन है। इसलिये मंत्री जी के खिलाफ प्रिविलेज मोशन बनता है। इस बारे में मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, गाबा साहब ने प्रिविलेज मोशन के बारे में आपकी रूलिंग चाही है।

श्री अध्यक्ष : वह अंडर कंसिड्रेशन है। आप अपनी बात कहें। साहेबान, मैं एक अनुरोध करना चाहूंगा। आज बजट पर डिस्कशन शुरू होने जा रही है और उसके लिये 10 घंटे का समय अपरोक्सीमेटली अलाट है इसलिये प्रत्येक सदस्य के लिये 6 मिनट का समय बोलने के लिए निर्धारित किया गया है। अब पार्टीज के लीडर कितना समय बोलते हैं और अपनी पार्टी के विधायकों को बोलने के लिये कितना-कितना समय देते हैं यह उस पर निर्भर करता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, अभी तो हमें जीरो आवर में बोलना है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, प्रत्येक सदस्य को बोलने के लिये 6-6 मिनट का समय बहुत ही थोड़ा है। बजट पर बोलने के लिये हमें पूरा समय चाहिए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मेरे पास आपके समय का पूरा रिकार्ड है। आपके समय में सदस्यों को बोलने के लिये जितना समय दिया जाता था वह रिकार्ड मेरे पास मौजूद है।

स्थगन प्रस्तावों/ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, करनाल में व्यापारियों के आन्दोलन को लेकर हमारी पार्टी की तरफ से एक एडजर्नमेंट मोशन दी गई थी। इस प्रदेश का सबसे शान्ति प्रिय समुदाय आज सरकार की ज्यादतियों की वजह से पिछले दो महीने से पूरे शान्तिपूर्वक ढंग से आन्दोलन कर रहा है। वे व्यापारी अनशन पर बैठे हुये हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की गठजोड़ पार्टी का एक हिस्सा भारतीय जनता पार्टी है। ओम प्रकाश अरोड़ा एक व्यापारी हैं।

श्री अध्यक्ष : आपकी जो एडजर्नमेंट मोशन आयी थी, वह डिसअलाउ हो गई है because you will get ample opportunity to discuss these things on the budget.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप डिसअलाउ करने में बहुत जल्दी करते हैं और अहम मुद्दों पर चर्चा करने पर कम ध्यान देते हैं। आपने कल यह कहा था कि समय से पहले मोशन आयी थी इसलिये डिसअलाऊ कर दी है। जो मोशन हमने आज दी है उस पर आपने क्या रूलिंग दी है?

श्री अध्यक्ष : आपने जो मोशन आज अभी दी है, वह अन्डर कन्सीड्रेशन है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जो मोशन हमने पहले दी उसको तो यह कह कर डिसअलाऊ कर दिया कि समय से पहले दी गई है। यदि हम समय पर कोई देते हैं जैसे कि आज डेढ़ घंटा पहले दी है तो उस पर कहते हैं कि वह अन्डर कन्सीड्रेशन है। यह बहुत अहम मुद्दा है। वहां पर डेढ़ महीने से व्यापारी आन्दोलन पर बैठे हुए हैं, अनशन पर बैठे हुए हैं। आज सारे प्रदेश का व्यापार ठप्प हो गया है।

Mr. Speaker : Chautala Sahib, I have said that that has been disallowed.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अभी आपने कहा कि वह अन्डर कंसीड्रेशन है।

श्री अध्यक्ष : आज वाली अन्डर कंसीड्रेशन है। This is regarding allotment of plots to the traders in Anaj Mandi and the same is under consideration.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जो मोशन हमने दी है उस पर चर्चा हो जाए। इस पर फैसला सुना दें, इसमें क्या दिक्कत है ? इसमें कितना समय लगेगा ?

श्री अध्यक्ष : इस बारे में कल बता देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस पर चर्चा हो जानी चाहिये, इसमें क्या दिक्कत है। हम एक बड़े अहम मुद्दे पर बात कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : अभी आप बैठिये। इसी मैटर पर पहले भी आपने एक काल अटैंशन मोशन का नोटिस दिया था वह आपका डिसअलाऊ हो गया है। दुबारा भी आपने उसी मैटर पर एडजर्नमेंट मोशन का नोटिस दिया है। फिर भी आप इसको डिस्कस करना चाहते हैं। Hence this is also disallowed.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपके फैसलों की भी दाद देनी पड़ेगी। यह भी एक इतिहास लिखा जाएगा। यहां पर आपके फैसले कोट हुआ करेंगे तो लोग हंसा करेंगे। अगर मैं पद की गरिमा की बात करूंगा तो फिर मेरे खिलाफ मुकदमा हो जायेगा।

श्री अध्यक्ष : आपने पहले काल अटैंशन मोशन दी है वह डिसअलाऊ हो गई थी और वह भी हो गई क्योंकि वह भी इसी प्रकार की है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अभी तो आपने फैसला दिया कि यह अन्डर कंसीड्रेशन है। (विघ्न) आपने ही कहा है कि वह अन्डर कंसीड्रेशन है।

श्री अध्यक्ष : आपने और आपके 18 साथियों ने 17-7-98 को एक मोशन दिया था that was regarding allotment of plots to traders in the Anaj Mandi. आज फिर दिया है, that is also regarding allotment of plots to the traders in new Anaj Mandi. I think there is no difference in these two notices. आप बताएं कि इसमें क्या अन्तर है ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप पढ़ेंगे तो पता लग जाएगा कि इसमें क्या अन्तर है। हमने पहले जो मोशन दी वह तो इस बिनाह पर डिसअलाऊ कर दी कि समय से पहले दी है । मैं पूछना चाहता हूँ कि आप आज किस बिनाह पर इसे डिसअलाऊ कर रहे हैं?

Mr. Speaker : Chautala Sahib, you please take your seat. (Interruptions). Chautala Sahib, there are so many grounds for disallowing the motion (Noise & Interruptions). This is budget session, you will get ample opportunities to discuss these things.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यदि हमें बोलने के लिए एप्रोप्रिएट समय नहीं मिलेगा तो हम फिर "नो कान्फीडेंस मोशन" लाकर अपनी बात कह लेंगे।

कृषि मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी, व्यापारियों के बारे में बात कर रहे हैं। ये अपने दिन याद करें, जब इनका राज था तो ये कहा करते थे कि जिन व्यापारियों की दुकानें हैं। (विघ्न एवं शोर) ये कहा करते थे कि बनियों को तो वोट देने का अधिकार

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

ही नहीं होना चाहिये। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कह लेने दीजिए। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं इतना अनुरोध करना चाहता हूं कि व्यापारियों के ये कब से हितैषी हो गये? (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : कण्ट्रोवर्सी की कोई बात न कहें। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता अच्छी तरह से जानती है कि ओम प्रकाश चौटाला जी व्यापारियों के बारे में क्या कहते रहे हैं, पंजाबियों के बारे में कहते थे कि ये पाकिस्तानी हैं और इनको वोट का हक नहीं होना चाहिये, बनियों को वोट का अधिकार नहीं होना चाहिए, आज ये उनके हित की बात कह रहे हैं। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आज आपने बहुत ही अच्छा फैसला सुनाया है। एक बार तो आपने कहा कि इसका फैसला कल सुनाउंगा लेकिन फिर तुरन्त उसका फैसला भी आज ही दे दिया और बहुत ही क्विक डिस्पोज़ल आपने की है। मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या आप बाकी के फैसलों में भी इतना ही क्विक डिसीज़न लेंगे। काम रोको प्रस्ताव का मुद्दा आपके सामने आया है इसका मतलब यह है कि आज का काम रोक कर उस पर हम बहस करना चाहते हैं। क्या दूसरे काम रोको प्रस्ताव पर भी आप ऐसा ही क्विक फैसला करेंगे ? (विघ्न) स्पीकर सर, एडजर्नमैंट का जो प्रोविज़न है, उसमें सिर्फ यह है कि अगर प्रस्ताव इन-आर्डर न हो तो उसको डिसअलाऊ किया जा सकता है, रिक्विज़िट स्ट्रैंग्थ ऑफ नम्बर्ज़ न हो तो आप उसको डिसअलाऊ कर सकते हैं। व्यापारियों का मुद्दा एक अहम मसला है। पिछले डेढ़ दो महीने से एजीटेशन चल रहा है। सरकार जिस किसान की जमीन खरीदती है या जमीन एक्वायर करती है उस पर सौदेबाज़ी नहीं होनी चाहिए और यह नो-प्रोफिट नो लौस पर व्यापारियों को दी जानी चाहिए। व्यापारी यह मांग कर रहे हैं। उनका यह हक है कि उसकी अलॉटमैंट रिज़र्व प्राईस पर व्यापारियों को होनी चाहिए (विघ्न एवं शोर)

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, आप बैठिये। (शोर एवं व्यवधान) मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि जब कोई भी सदस्य बोल रहे हों तो उनको बीच में न टोका जाए और जो सदस्य बोल रहे हों वे भी बोलते वक्त कोई भी अन-पार्लियामैंटरी शब्द और कोई भी कंट्रोवर्सी वाली बात न कहें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यह जो बीरेन्द्र सिंह जी ने और ओम प्रकाश चौटाला जी ने व्यापारियों वाला मामला उठाया है इस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि वे लोग हाई कोर्ट में गये हुए हैं और इससे पहले भी ऐसे मामले हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाते रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके द्वारा इनसे अनुरोध है कि यह मामला सब-ज्यूडिस है इसलिये इस बारे में यहां पर चर्चा न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारा जो एडजर्नमैंट मोशन है वह करनाल के व्यापारियों के बारे में है जोकि आन्दोलन कर रहे हैं और धरने पर बैठे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश जी, यह डिसअलाऊ हो चुका है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी जो बोल रहे हैं इनका यह जो समय है वह बजट अभिभाषण पर डिस्कशन के समय से काट लेना। बाकी जो ये बात बोल रहे हैं वह मामला सब-ज्यूडिस है उस बारे में यहां पर डिस्कशन नहीं होनी चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह जीरो आवर है।

Mr. Speaker : Please take your seat.

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह जीरो आवर कौन से रूल के अण्डर है यह इनको बता दें।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, यह जो जीरो आवर है यह रूल्ज बुक में नहीं है। अगर आप सबकी सहमति हो तो कल से इसको बंद कर देते हैं।

आवाजें : नहीं-नहीं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि हाउस ने जो कहा है कि इनके जीरो आवर के समय को बजट पर होने वाली डिस्कशन के समय में से काट लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह जनरल बजट है और इस पर सब बातें बोल सकतें हैं। आप स्पीकर हैं और आप भी कह सकते हैं और पहले वाले भी स्पीकर कहते रहे हैं। In Rule 68(vi) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, it is mentioned-

"the motion shall not revive discussion on a matter which has been discussed in the same session."

(Interruptions)

Mr. Speaker : The matter has already been discusssed. I will not allow this adjournment motion. Now, please take your seat.

वाक आऊट

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी कोई बात सुन ही नहीं रहे हैं इसलिये हम विरोध स्वरूप सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित हरियाणा लोक दल राष्ट्रीय के सभी माननीय सदस्य सदन से वाक आउट कर गये)

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इन भाईयों को वाक आउट करने का बड़ा चाव है। अगर इतना ही वाक आउट करते हैं तो ये नोन ओफिशिएल-डे के लिए कोई प्रस्ताव क्यों नहीं भेजते ?

श्री सम्पत सिंह : सर, यह वाक आउट नोन ओफिशिएल डे के लिए नहीं था बल्कि यह हमारे द्वारा दिए गए अड्जर्नमेंट मोशन को रिजैक्ट करने के विरोध में था।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरे किसी भी कालिंग अटेंशन मोशन के बारे में आपने कोई जवाब नहीं दिया है। यह जीरो ऑवर है इसलिए कम से कम आपको इस बारे में हमें बताना तो चाहिए कि मेरे द्वारा दिए गए कालिंग अटेंशन मोशंज का क्या हुआ ? आप इनके बारे में अपनी रुलिंग तो दीजिए। रूल 73 के अंदर मेरे तीन चार मोशन हैं।

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह जी, आपके दो कालिंग अटेंशन मोशंज डिसअलाऊ हो चुके हैं। और दो गवर्नमैंट के पास कमैंटस के लिए भेजे गए हैं। आपके चार ही कालिंग अटेंशन मोशंज 21 तारीख को आए हैं। आपका पोल्यूशन कंट्रोल वाला मोशन डिसअलाऊ हो चुका है जबकि आपका दूसरा मोशन जो कंस्ट्रक्शन ऑफ पोस्ट ग्रेज्यूट रीजनल सैंटर, रिवाड़ी के बारे में है, को गवर्नमैंट के पास कमैंटस के लिए भेजा गया है। आपका तीसरा मोशन जो स्ट्राइक ऑफ नर्सिज के बारे में था, डिस अलाउ हो गया है इसी तरह से आपका चौथा मोशन जो सुसाईड कमिटिड बाई फार्मर्ज के बारे में था, को गवर्नमैंट के पास कमैंटस के लिए भेजा गया है। अतः अब यह मामला खत्म हुआ।

श्री सम्पत सिंह : सर, इसका मतलब तो आपने जीरो ऑवर फिर से शुरू कर दिया है। जीरो ऑवर फिर रि-ओपन हो गया है।

कैप्टन अजय सिंह : * * * * *

श्री अध्यक्ष : अब जो भी कैप्टन साहब बोल रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। अब चौटाला साहब बजट पर डिसकशन शुरू करेंगे।

वाक आउट

कैप्टन अजय सिंह : स्पीकर साहब, मेरी दो काल अटेंशन मोशंज अपने डिसअलाऊ कर दी हैं इसलिये मैं इसके विरोध में वाक आउट करता हूं। .... (इस समय कांग्रेस पार्टी के सदस्य कैप्टन अजय सिंह सदन से वाक आउट कर गये)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, कैप्टन अजय सिंह जी को कालिंग अटेंशन मोशन डिसअलाऊ होने का दुख नहीं है बल्कि यह तो सतपाल सांगवान की सीट बदलवाना चाहते हैं। ये अपनी गईयों को नहीं रो रहे हैं बल्कि यह जेठ की रईयों को रो रहे हैं। (हंसी)

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक रिक्वैस्ट है कि वे कह रहे हैं कि सांगवान साहब की सीट बदल दो। मेरा कहना यह है कि सांगवान साहब की और निर्मल सिंह जी की सीट आपस में बदल दो। (हंसी)

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Parliamentary Affairs Minister (Shri Attar Singh Saini) : Sir, I beg to move—

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 23rd July, 1998.

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : Motion moved—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 23rd July, 1998.

Mr. Speaker : Question is—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 23rd July, 1998.

The motion was carried.

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the discussion on Budget will start. Shri Om Parkash Chautala will speak. I request you all to keep quiet and listen to Shri Om Parkash Chautala, the leader of the opposition. (Interruptions).

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, ये तो बीच में सदन की व्यवस्था का प्रश्न आ गया है। कैप्टन अजय सिंह को अपनी बात कहने से ज्यादा खतरा इस बात का है कि वे अपनी सीट इसलिए चेंज करवाना चाहते हैं कि उन्हें सतपाल सांगवान से कहीं जान का खतरा न हो जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवान : यह खतरा किसी को चौटाला साहब से तो हो सकता है लेकिन मेरे से नहीं हो सकता।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मेरे और आपके बीच में सेठ सिरी कृष्ण दास जी बैठे हैं वे काफी तगड़े हैं इसलिये मुझसे कोई खतरा नहीं है। (हंसी)

Mr. Speaker : I again request you all to please keep quiet and listen to Shri Om Parkash Chautala.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करूंगा कि आपने मुझे बजट पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया और सदन का काफी समय ऐडजर्नमैंट मोशनज और कॉल अटैंशन मोशनज डिसअलाऊ करके बचा लिया। बजट के बारे में जो मुझे संशय था वित्त मंत्री महोदय ने बजट स्पीच पढ़कर मेरे उस संशय को काफी बल दिया है। वित्त मंत्री महोदय ने अपनी स्पीच में प्लानिंग कमीशन से वार्षिक योजना 1576 करोड़ रुपये की मंजूर कराई गई दिखाई है। अध्यक्ष महोदय, मुझे तो आपसे ही उम्मीद है इसलिये आप मेरी बात पर ध्यान दें। नॉन प्लान में खर्च बढ़ गया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि लीडर ऑफ दि अपोजीशन बोल रहे हैं उन्हें तो कम से कम शांति से सुनें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वार्षिक योजना में कटौती करके इसे 1400 करोड़ की कर दिया गया है। (इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) 1400 करोड़ करने का मतलब यह हुआ कि 176 करोड़ रुपया कम हो गया। दूसरी तरफ दिखा रहे हैं कि 1997-98 में बजट में 35 करोड़ रुपया सरप्लस रहा है।अपनी स्पीच में कह रहे हैं कि संशोधित अनुमान राशि 1997-98 के अंदर 109 करोड़ रुपये सरप्लस है। उपाध्यक्ष महोदय, स्पीच के पेज नम्बर 23 पर ये कहते हैं कि फालतू है जब ये फालतू बता रहे हैं तो वार्षिक योजना में कटौती क्यों की गई है, जब रुपया फालतू है तो कटौती करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? सरकार की नाअहलियत का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि एक तरफ तो सरप्लस पैसा है दूसरी तरफ 109 करोड़ रुपये की राशि कहीं विकास पर खर्च नहीं की गई है। वर्ष 1998-99 की वार्षिक योजना 2260 करोड़ रुपये दिखाई गई है जो कि 1997-98 से 61 प्रतिशत ज्यादा है यह बात वित्त मंत्री महोदय नोट कर लें आपकी स्पीच के पेज नं0 2 पर है कल तो वित्त मंत्री जी आपकी सूत बैठ गई जो उल्टा सीधा आया बोल गए जब जवाब देंगे तो पता चलेगा और जवाब बहुत सोच समझकर देना पड़ेगा।

वित्त मंत्री (श्री चरण दास) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है।जवाब भी दे दिया जाएगा और जवाब देने के लिए अभी भी तैयार हूं चाहे तो साइड बाई साइड जवाब ले लें। पहले भी जवाब दिया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : पहले जब जवाब दिया था तब भी यह सदन खाली था (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, असल में हमारे आय के स्त्रोतों में कोई वृद्धि नहीं हुई है जो 610 करोड़ रुपये का कर्ज 11.00 बजे लिया गया है इसमें से 360 करोड़ रुपया केन्द्र सरकार का है। 250 करोड़ रुपया जो सरकार ने इन्ट्रनली कर्ज लिया दिखाया है और 610 करोड़ रुपये का कर्जा दिखाया है क्या यह सरपल्स नहीं है क्योंकि आमदनी के स्त्रोत तो कहीं नहीं दिखाये गये हैं। सरकार का काम केवल कर्जा लेना ही बाकी रह गया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार कर्जा ले रही है और लोगों को गुमराह कर रही है। वर्ल्ड बैंक से सड़कों की मरम्मत के लिये कर्जा 1000 करोड़ रुपया लेना था परन्तु उस कर्ज पर पाबंदी लग गई है। जैसे कि चर्चायें हैं कि उस कर्ज में से शायद आधा भी कर्ज सरकार को नहीं मिलेगा वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण के पेज नं0 2 पर दिखाया है कि सड़कों के सुधार के नाम पर कर्ज वर्ल्ड बैंक से मांगा गया है परन्तु वह पैसा अब नहीं मिलेगा फिर भी सरकार प्रदेश के लोगों को गुमराह कर रही है। 775 करोड़ रुपया बजट आकड़ों में दिखाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, 775 करोड़ रुपया तो जब इस सरकार ने शराबबन्दी की थी तो उसकी बजह से जो तस्करी हुई उसी में इस सरकार के बारे न्यारे हो गये थे परन्तु लोकसभा के चुनावों में लोगों ने इस सरकार को धूल चटा दी। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, शराबबन्दी के नाम पर पूरे प्रदेश में सरकार की तरफ से तस्करी हुई इस की पूरी चर्चा पर मैं नहीं जाना चाहूंगा। जब हरियाणा प्रदेश में शराबबन्दी को लागू करने का निर्णय लिया गया तब तो सारे सदन को कांफिडैंस में लिया गया सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, जब शराब बन्दी खोली गयी तो उस वक्त लैजीस्लेचर की प्रमीशन नहीं ली गई । उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के बेटे ने अपनी तरफ से पहले दिन बोल दिया कि शराब बन्दी को खोल दिया जाये और अगले दिन शराब बन्दी को खोल दिया गया और अब यह सरकार 775 करोड़ रुपये की आमदनी जो शराब बन्दी के खोलने से हुई है, उसको बजट स्पीच में दिखा रही है। उपाध्यक्ष महोदय, जब 775 करोड़ रुपये की आमदनी आबकारी महकमे से आबकारी नीति के तहत शराब की सालाना बिक्री की दिखाई गई है और पहले शराब बन्दी की आड़ में जो करोड़ों रुपये के टैक्स लगाये गये थे वे टैक्स भी अब वापस लेने चाहिये थे। जो गरीब लोगों पर टैक्स लगाये गये थे वह पैसा कहां गया ? क्योंकि पिछले दो सालों से विकास के नाम पर प्रदेश में

एक ईंट भी नहीं लगाई गई। अब 775 करोड़ रुपये की आमदनी इस सरकार की हो गई है तो जो टैक्स का पैसा था वह कहां चला गया? हैरानी की बात तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी के लोग गठबन्धन की सरकार में अपने आप को भागीदार समझते हैं तथा अपने आप को व्यापारियों का प्रतिनिधि कहते हैं। गणेशीलाल जी जब भाषण देते हैं तो बड़े लच्छेदार भाषण देते हैं लेकिन जब महसूल चुंगी समाप्त करने का मामला आता है तो गणेशीलाल जी के दस्तखतों से ही महसूल चुंगी समाप्त करने का मुद्दा डैफर कर दिया जाता है कभी पंचायतों के चुनावों की आड़ लेकर किया जाता है तो कभी दूसरी बात पर। उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष यह घोषणा करते हैं कि सरकार चुंगी समाप्त करने जा रही है तथा हाउस के लीडर से जब रेवाड़ी में प्रैस के लोगों ने पूछा तो वह कहते हैं कि बी०जे०पी० के प्रधान से ही जाकर पूछो। उपाध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० की स्थिति प्रदेश में बिगड़ती जा रही है और चौधरी बंसीलाल जी इनकी ऐसी स्थिति कर देंगे कि लोग इनको आगे मांगे दाने भी नहीं देंगे।........................ (विघ्न) (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये)

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला व्यापारियों के बारे में, करनाल के आंदोलन के बारे में अब चिंता करने लगे हैं जिनके प्रति वे पहले कुछ और भावना रखते थे। उन के बारे में इन का अडजर्नमैंट मोशन भी था। यह अच्छे लक्षण हैं कि श्री ओम प्रकाश चौटाला के मानस में परिवर्तन हुआ है। मैं इस का स्वागत करता हूं। (थंपिंग) दूसरी बात श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने शराबबंदी के बारे में कही। मैं बताना चाहता हूं कि हविपा-भाजपा गठबंधन के चुनाव घोषणा-पत्र के अनुसार चौधरी बंसी लाल जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते समय यह घोषणा की थी कि एक जुलाई से हरियाणा में शराब बंद। उसके बाद भी घोषणा पत्र के हिसाब से जनता के रूझान को देखते हुये किया गया। (विघ्न) तीसरी बात श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने भारतीय जनता पार्टी की खराब स्थिति होने की कही। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जब रिप्लाई का अवसर आएगा तब ही रिप्लाई दिया जाना चाहिए। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त रिप्लाई का अवसर आएगा, उस समय तो ये सदन में मिलेंगे ही नहीं। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला ने श्री बाजपेयी सरकार को जिस ग्रेस और सम्मान से समर्थन दिया, हम उस का स्वागत करते हैं। मैंने पहले भी कहा है कि अब इनके मानस में काफी परिवर्तन हो रहा है। अगर ये थोड़ा सा प्रदेश सरकार के बारे में भी अपने मानस में परिवर्तन कर लें तो अच्छा रहेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि करनाल में व्यापारियों का एजीटेशन हो और भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष को हरियाणा पुलिस लठों से पीटे, थाने में बंद कर दे और सारी जेल की सफाई करवाए। भूतपूर्व संसद सदस्य श्री आई०डी०स्वामी का पुत्र जो इनकी पार्टी का पदाधिकारी भी है, उस को पीटा गया। फिर वहां पर श्री रामबिलास जी उनके साथ धरने पर बैठकर उनको आश्वासन देते हैं। जब हम केन्द्र में समर्थन कर रहे हैं तथा श्री रामबिलास जी वहां पर जा सकते हैं तो हमारी भी तो कुछ जिम्मेवारी बनती है। मैं भी अपनी जिम्मेवारी निभा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, चुनाव घोषणा पत्र में चुंगी को समाप्त करने की बात कही गई थी। अब तो आप के पास पैसे

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
भी बहुत आ गये हैं। अध्यक्ष महोदय, अब तो इनको महसूल चुंगी समाप्त कर देनी चाहिए। यह व्यापारियों का मामला है। यह प्रदेश का एक शांतिप्रिय वर्ग है। अगर इनका व्यापार फले फूलेगा नहीं तो सरकार के पास पैसा कहां से आएगा और अगर सरकारी कोष में पैसा नहीं होगा तो बड़ी भारी समस्या पैदा हो जाएगी। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब की बात से कंफ्यूज्ड हूं। मैं इनसे साफ-साफ पूछना चाहता हूं कि ये कहना क्या चाहते हैं ? कौन से रास्ते से ये जाना चाहते हैं ? कौन सा किस्सा ये सुनाना चाहते हैं ? कहीं पर आप इस सरकार की तारीफ कर रहे हैं और कहीं पर बुराई कर रहे हैं। आप यह बताएं कि आप कहां जाना चाहते हैं ? (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इन के पास ही जा रहा हूं लेकिन मैं वाया निमड़ी जाना चाहता हूं। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1997-98 का साल समाप्त हुये लगभग 3½-4 महीने का अर्सा हो गया है और इसके बावजूद भी सरकार ने 1997-98 के बजट के बारे में जो आंकड़े दिये हैं वह सही न होकर के एक संशोधित अनुमान है। यह गलत बजटिंग तो है ही, साथ ही इस सदन की अवमानना भी है। जब 3 ½-4 महीने का अर्सा हो गया है तो फिर आपको अनुमानित राशि दिखाने की क्या जरूरत थी आपको सही आंकड़े सदन के सामने प्रस्तुत करने चाहिएं थे। आज है तो यह बजट अधिवेशन और आंकड़े यहां पर सही नहीं हैं। अगर यहां पर सही आंकड़े प्रस्तुत नहीं किये जाएंगे तो यह सदन की अवमानना होगी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इन को कायदे-कानून के बारे में तो कोई ज्ञान है नहीं, क्योंकि ये ऐसा ही पढ़ा लिखा है। इनके समय के बजट की सप्लीमैंटरी डिमांडज़ हमारे बजट में आई हैं। बजट का अनुमान तो ठीक से उस दिन होगा जिस दिन अकाउंटैंट जनरल आडिट करेगा तब वह बताएगा कि इतना सही है और इतना गलत है। इनके वक्त की सप्लीमैंटरी डिमांड हमारे सामने आई हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं जितना भी पढ़ा हूं, बिल्कुल ठोस पढ़ा हूं। (हंसी)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह उल्टा पढ़ा है। (हंसी)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने बोरा लेकर के वकालत नहीं की है। अगर ये मेरे से ज्यादा जानते हैं तो मैं इन से यह पूछना चाहता हूं कि संशोधित अनुमान पेश न करके सही बजट पेश करना चाहिए था। मुख्यमंत्री जी पता नहीं कौन से साल की बात कर रहे हैं। ये जब मुख्यमंत्री बने थे तो कहते थे कि एक नई रवायत कायम करेंगे तथा कोई टैक्स नहीं लगाने जा रहे हैं। आगे पीछे टैक्स लगा दिए जाते हैं और बजट में टैक्स नहीं दिखाए जाते हैं वरना पहले तो जो कुछ भी होता था लोगों से पूछकर ही किया जाता था। अध्यक्ष महोदय, सरकार की जिम्मेदारी है कि इस सदन के सामने बजट के लेटैस्ट आंकड़े बताएं। यह इनके लिये बाध्य है, यह इनको बताने भी चाहिए नहीं तो यह सदस्यों के अधिकारों की उल्लंघना होगी। जनवरी में जब वोट आन अकाउंट पास किया था उस समय भी यही आंकड़े पेश किये गये थे और आज फिर से उन्हीं आंकड़ों को पेश किया जा रहा है। वर्ष 1997-98 के मुकाबले में वर्ष 1998-99 में राजस्व के खर्चों में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई गई है। यह वृद्धि मुलाजिमों को बढ़ी हुई दी जाने वाली तनख्वाह देने में ही पूरी हो जाएगी। आप भी मुलाजिम रहे

हैं और आपको इस बात का ज्ञान है कि यदि कर्मचारियों को एक इन्क्रीमैंट दी जाए और दो मंहगाई किश्तें दी जाएं तो यह जो पैसा इन्होंने दिखाया है वह पैसा इसी में लग जाएगा। इस साल कर्मचारियों को मंहगाई भत्ते की किश्त देनी है, इन्क्रीमैंट देनी है, हाउस रैन्ट और दूसरे भत्ते भी इन कर्मचारियों को देने हैं। इसके अलावा पांचवें वेतन आयोग के लगभग 1100 करोड़ रुपये के पे एरियर भी देने है जिसके लिये पूरे हरियाणा प्रदेश के कर्मचारी आन्दोलरत हैं। जिसके लिये कर्मचारी कल बहुत जबरदस्त मुजायरा करने जा रहे हैं लेकिन इन सबका इस बजट में कोई प्रोविजन नहीं दिखाया गया है। इससे जाहिर है कि सरकार बजट पास होने के बाद लगभग 1500 करोड़ रुपये के टैक्स लगाएगी वरना यह घाटा कहां से पूरा होगा ? कागजों में तो यह घाटा दिखाया ही नहीं जाता। इस समय बगैर टैक्स के ये बजट पेश कर देते हैं और बाद में टैक्स लगाना सरकार का घिनौना प्रयास है। यह इनकी पुरानी आदत है। अध्यक्ष महोदय इन्होंने बिजली के निजीकरण का बिल पास कर दिया। बिजली के रेट निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं। मुख्य मंत्री जी ने चुनावों से पहले प्रदेश की जनता को कहा था कि बिजली के रेट सस्ते कर देंगे और 24 घंटे बिजली देंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी जवाब तो सुनेंगे ही नहीं उससे पहले ही भाग जाएंगे। हमारा आगे टैक्स लगाने का कोई इरादा नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये चुनावों से पहले सारे प्रदेश की जनता को कहते थे कि बिजली सस्ती कर देंगे और 24 घंटे बिजली देंगे। अब जब ये मुख्य मंत्री बन गए हैं तो कहते हैं कि हम 2 सालों में पूरी बिजली देने के वायदे को पूरा कर देंगे।

श्री बंसी लाल : जबाब के समय ओम प्रकाश चौटाला जी यहां मिलेंगे नहीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं यहीं आपकी छाती पर बैठकर मूंग दलूंगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने कभी नहीं कहा कि बिजली सस्ती होगी मैंने यह जरूर कहा था कि बिजली 24 घंटे दी जाएगी और अगले साल आज ही के दिन लोगों को 24 घंटे बिजली मिलेगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर आपकी कृपा बनी रही तो मैं यहीं बैठकर इनका जवाब दूंगा केवल सीट चेंज करना चाहूंगा।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : स्पीकर साहब, श्री ओम प्रकाश चौटाला को दिन में सपने लेने की आदत है। हर वक्त उनको केवल मुख्य मंत्री वाली कुर्सी नजर आती है। स्पीकर साहब, चौटाला साहब को थोड़े दिन के लिये मुख्य मंत्री की कुर्सी नसीब हुई थी तो उस समय से कहा करते थे कि प्रदेश के एक या डेढ़ लाख लोग चौटाला के नाम के डर से रात को करबट बदल कर न सोयें तो वह क्या मुख्य मंत्री है ? स्पीकर साहब, मैं तो कहता हूं कि ये इस समय जिस कुर्सी पर हैं वहीं पर अच्छे हैं वहीं पर ठीक हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जब ओम प्रकाश चौटाला मुख्य मंत्री थे तब ये कहा करते थे कि अगर मेरी तरफ कोई आंख उठा कर देखेगा तो मैं उसकी आंख निकलवा दूंगा और अगर कोई मेरी तरफ उंगली उठा कर बात करेगा तो उसका हाथ कटवा दूंगा। इसलिए अध्यक्ष महोदय, इस समय चौटाला साहब जिस कुर्सी पर बैठे हैं वहीं पर ठीक हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपने मंडियाली में गोलियां चलवाई। प्रदेश के लोग आज तक रिवासा कांड को नहीं भूला पाए हैं आप चाहे भूल गये हों वह अलग बात है बाकी प्रदेश के लोग इनकी की हुई करतूतों को भूल नहीं पाये हैं। कर्ण सिंह दलाल ने एक बात कही कि मुझे दिन में सपने आते हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब सत्ता परिवर्तन होगा तब आपको रात को सपने आएंगे आप समय का इन्तजार करें। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने लोगों को 24 घंटे बिजली देने का और सस्ती बिजली देने का वायदा करके जनता को गुमराह किया। इन्होंने पिछले दो साल में आठ बार बिजली के रेट बढ़ाए हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जब मैं इन बातों का जवाब दूंगा तो उस समय ये सदन से भाग जाएंगे यहां पर नहीं बैठेंगे। मैं अब भी कहता हूं कि अगले डेढ़ साल के बाद हम जनता को पूरी बिजली देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि हमारी सरकार के वक्त में प्लानिंग कमिशन की इंस्ट्रक्शन के मुताबिक हमने केवल एक दफा पांच पैसे प्रति यूनिट डोमैस्टिक बिजली के रेट बढ़ाए थे और जब जनता ने उसका विरोध किया तो उस समय चौधरी देवी लाल जी ने कहा था कि लोक राज लोक लाज से चलता है इसलिए उस समय वह पांच पैसे भी बिदड्रा कर लिए। उस समय बिजली का कोई रेट नहीं बढ़ाया गया। आपने पिछले दो साल में आठ बार बिजली के रेट बढ़ाए हैं। आज डोमैस्टिक बिजली तीन रुपये पचास पैसे प्रति यूनिट जनता को मिल रही है और हैरानी इस बात की है कि लोगों को फिर भी बिजली नहीं मिल रही है। मुख्य मंत्री मेरी बात को ध्यान से सुनें क्योंकि उनको बाद में मेरी बातों का जवाब देना है। बिजली बोर्ड की विश्व बैंक से 2400 करोड़ रुपये ऋण लेने की योजना है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, पिछले दो सालों के सैशंज में इन्होंने अपनी किसी बात का जवाब नहीं सुना इसलिए मुझे बीच में दखल देना पड़ता है। इन्होंने एक बात यह कही कि इन्होंने अपने समय में बिजली के रेट नहीं बढ़ाए। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको वह तारीख बता देता हूं जिस जिस तारीख को इन्होंने बिजली के रेट बढ़ाए थे। इन्होंने 1-12-87 को डोमैस्टिक को छोड़कर बिजली के 25 परसैंट प्रति यूनिट रेट बढ़ाए फिर 1-9-88 को 45 परसैंट बढ़ाए फिर 1-12-90 को 25 परसैंट बढ़ाए उसके बाद इनकी छुट्टी हो गई। इन्होंने अपने समय में जो फ्यूअल चार्जिज बढ़ाए वह भी मैं बता देता हूं। इन्होंने 1-12-87 को 16 पैसे प्रति यूनिट, 1-4-88 को 21 पैसे प्रति यूनिट, 1-10-88 को 22 पैसे प्रति यूनिट, 1-4-89 को 28 पैसे प्रति यूनिट, 1-10-89 को 33 पैसे प्रति यूनिट, 1-4-90 को 36 पैसे प्रति यूनिट, 1-10-90 को 38 पैसे प्रति यूनिट और 15-10-90 को 42 पैसे प्रति यूनिट रेट बढ़ाए। उसके बाद इन श्रीमान जी की छुट्टी हो गई

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने शराब बन्दी का जो निर्णय लिया था तो सार्वजनिक स्थानों पर बड़े बड़े बोर्ड लगाए गए थे "शराब मुक्त हरियाणा" और अब इन्होंने उन पर पोचा मारकर लिख दिया हरियाणा सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ का कर्जा मिला है। अध्यक्ष महोदय, हम सामाजिक लोग हैं। हमारे समाज में तो कर्जदार से कोई रिश्ता नहीं किया करता है। यह सरकार कर्ज को भी उपलब्धि मान कर चलती है और इनके लिए तो उपलब्धि है ही जो दिवालिये को कर्ज दे देते हैं उसको बहुत बड़ी दाद देनी पड़ेगी। यह 2400 करोड़ रुपये का कर्ज किस बात का ले रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसको जरा गौर से सुनिये। 2400 करोड़ रुपये ऋण लेने की योजना है जिसके तहत 240 करोड़ रुपये का कर्ज आ भी गया है और चालू वर्ष के अन्दर 325 करोड़ रुपये का कर्ज और लेने का प्रावधान किया गया है। विश्व बैंक से कर्जा लिए जाने की शर्तों के अनुसार

मैंने आपको पिछली दफा सदन में एक लैटर पढ़कर सुनाया था अब मैं उसको सुनाना नहीं चाहता। उन शर्तों के अनुसार साल में बिजली की दरों में दो बार वृद्धि की जा सकती है। जबकि सरकार बिजली के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाली बिजली की चोरी को रोकने में अक्षम है। सदन को यह जानकर हैरानी होगी कि वर्ष 1996-97 में हाई-टैन्शन लोड वाले उद्योगों के लिए 1243 मैगावाट बिजली मिलती थी। यह लोड उनके लिये स्वीकृत था जिसे बिजली बोर्ड की भाषा में कुनैक्टिड लोड कहते हैं। आमतौर पर हाई-टैन्शन उद्योग कुनैक्टिड लोड का पूरा प्रयोग करते हैं और उद्योग भी कम से कम एक या दो शिफ्ट में चलते हैं यह प्रक्रिया पूरे वर्ष चलती है। अध्यक्ष महोदय, यदि यह मान लिया जाये किकुनैक्टिड लोड की पूरी खपत न होकर 80 प्रतिशत यानी 1000 मैगावाट होती है और 2 शिफ्टों की बजाय एक शिफ्ट चलती है तथा एक वर्ष के 365 दिन की बजाय अगर उद्योग 300 दिन भी चले तो हाई-टैन्शन उद्योगों की खपत कम से कम 2400 मिलियन यूनिट होगी जबकि वर्ष 1996-97 में हाई टैन्शन उद्योग से 1387 मिलियन यानी 138 करोड़ यूनिट की वसूली की गई। इस प्रकार हाई टैन्शन उद्योगों द्वारा कम से कम एक हजार मिलियन यूनिट की चोरी की गई है। और यदि ऐसे उद्योग 8 घंटे की बजाय 10-12 घंटे चलाये जायें और 300 दिन की बजाय अगर पूरे वर्ष चलाये गए तो बिजली की चोरी 150 करोड़ यूनिट से भी ज्यादा हो जाएगी। जो कि कुल खपत का लगभग 1/6 हिस्सा है। अन्य सैक्टरों में होने वाली बिजली की चोरी किसी से छिपी नहीं है और बिजली बार्ड ने अपनी किताबों में 1996-97 में प्रसारण एवं वितरण की प्रणाली में 30 प्रतिशत से ऊपर दिखायी है। इस प्रकार बिजली बोर्ड के प्रसार एवं वितरण में होने वाली हानि लगभग 50 से 55 परसेंट बनती है। कृषि क्षेत्र में देखने को तो यह 40 प्रतिशत से ऊपर आपूर्ति दिखाई गई है लेकिन हकीकत में यह खपत 25 से 26 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है क्योंकि कृषि के क्षेत्र में दो फसलों की कटाई के बाद बिजली की कोई खपत या प्रयोग नहीं होता। इसी प्रकार बरसात के मौसम में बिजली का कोई प्रयोग नहीं होता। मोटे तौर पर कृषि क्षेत्र में जो खपत दिखाई गई है वह 33 प्रतिशत ज्यादा है लेकिन यदि हम बिजली बोर्ड में होने वाली कुल चोरी को 50 प्रतिशत मान लें और इसमें से 16 प्रतिशत को उचित प्रसार एवं वितरण हानि मान लें तो भी बिजली बोर्ड में 33 प्रतिशत चोरी प्रमाणित होती है। अध्यक्ष महोदय, क्या सरकार यह बताएगी कि पिछले दो वर्षों में हाई टैन्शन उद्योगों पर कितने छापे मारे गए ? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से पूछना चाहूंगा कि कितने छापे मारे गए और कितनी चोरी पकड़ी गई ? साथ ही साथ मैं यह भी चाहूंगा कि हाई-टैन्शन उद्योगों द्वारा खपत कम की जाती है तो कुनैक्टिड लोड को कम क्यों नहीं किया गया ? जबकि छोटे घरों में उपभोक्ताओं के मीटर बदल कर नए मीटर लगाए जा रहे हैं और उन नए मीटरों की कीमत वसूली जा रही है। उन्हें तंग किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज लोगों में चर्चा है कि लोगों केअढ़ाई हजार से लेकर तीन हजार, चार हजार, पांच हजार और यहां तक कि 50-50 हजार रुपये के गलत बिल आ रहे हैं। इन पर तो सरकार की तरफ से निरंतर छापे पड़ रहे हैं। हाथ की हाथ जुर्माने किये जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, बड़े औद्योगिक घरानों की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बिजली बोर्ड की वजह से बिजली की जो चोरी होती है वह एक हज़ार करोड़ रुपये प्रतिवर्ष की रेंज में पड़ती है। यदि इस चोरी को नियन्त्रित कर लिया जाए तो 13 प्रतिशत ब्याज की दर पर जो 2400 करोड़ रुपये का कर्जा लेने जा रहे हैं उसकी लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अगर बिजली की चोरी को कंट्रोल कर लिया जाए तो न तो बिजली की दरों में वृद्धि करने की आवश्यकता पड़ेगी और न ही बिजली का निजीकरण करने की आवश्यकता होगी। अध्यक्ष महोदय, वैसे भी 2400 करोड़ रुपये का लोन लेने की आवश्यकता नहीं है। जो काम 2400 करोड़ रुपये में करने का लक्ष्य रखा गया है वह काम 500 या 600 करोड़ रुपये खर्च करके किया जा सकता है बाकी की जो राशि है उसे हड़पने की योजना बनाई जा रही है और वर्ल्ड

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
बैंक से पैसा ले कर उसको खुर्द-बुर्द करने की योजना बनाई जा रही है। हमने पिछले सत्र में भी इस बारे में जिक्र किया था और खदशा जाहिर किया था कि यदि इसी प्रकार से काम चलता रहा और इस सरकार के मुख्य मन्त्री जी कह रहे थे कि काम को पूरा होने में डेढ़ या दो वर्ष का समय लग जाएगा, यह बात पूरी होती है या नहीं। यदि इस सरकार को डेढ़ या दो साल काम करने का मौका और मिला तो डोमैस्टिक बिजली साढ़े पांच रुपये प्रति यूनिट तक हो जाएगी (विघ्न) यह बात मैंने पहले भी कही थी और आंकड़े भी इस बारे में पूरे पेश किये थे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनको तो हर तरफ चोरी ही चोरी दिखाई पड़ती है क्योंकि ये खुद यही कुछ करते रहे हैं। ये कहते हैं कि बिजली पांच या साढ़े पांच रुपये पर यूनिट हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, आज हर चीज के रेट बढ़ रहे हैं उसी अनुपात में बिजली के रेट्स भी बढ़ सकते हैं। इन्होंने कहा कि 500-600 करोड़ रुपये का काम होना है और हम 2400 करोड़ रुपये बिजली पर खर्च करने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आपके ज़रिये से मैं सदन में यह बताना चाहूंगा कि नवम्बर, 1970 में मैंने ही हरियाणा के सारे गांवों में बिजली लगाई थी उसके बाद ये श्रीमान जी मुख्य मन्त्री रहे और दूसरे एक श्रीमान जी भी मुख्य मन्त्री रहे, इनके वक्त में तो 5-6 मुख्य मन्त्री बदले गए हर दूसरे या तीसरे महीने मुख्य मन्त्री बदल जाता था आज उनके नाम भी याद नहीं रहे हैं, उस समय इन्होंने बिजली की लाइन बदलने, ट्रांसफारमर्ज की क्वांटिटी बढ़ाने पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया इसलिये हम को अब सारे काम को स्ट्रैंथन करना पड़ेगा। पहले 50 ट्यूबवैल्ज़ थे अब 500 लग गए हैं और बिजली की खपत बहुत ज्यादा बढ़ गई है उसी हिसाब से लाइनें भी बदलनी पड़ेंगी, हाई टैन्शन लाइनें भी लगानी पड़ेगी। 11 के०वी० की लाइन का खम्भा सबसे छोटा होता है, 33 के०वी० का उससे ऊंचा होता है, 66 के०वी०, 120 के०वी०, 220 के०वी० और 440 वोल्टस का उससे ऊपर होता है इसलिये वे सारे हमको बदलने पड़ेंगे। ये लोग सारे सिस्टम का भट्ठा बिठा कर गए थे जिसे हम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि हाउस जब कभी भी अवसर मिलता है तो यह कहते हैं कि मैंने यह कर दिया, मैंने वह कर दिया। हमारे साथी जगन नाथ जी तो यहां तक कहते हैं तोशाम के पहाड़ इन्होंने बनाये, लाल किला भी इन्होंने ही बनवाया और ताजमहल भी इन्होंने ही बनवाया (विघ्न)।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये काम तो इनके पिता श्री के रहे हैं, हमारे नहीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पता नहीं इनके दिमाग में क्या फितूर बैठा हुआ है कि ये हरियाणा के निर्माता हैं। जिस तरीके से ये काम कर रहे हैं उससे हरियाणा की बरबादी चौधरी बंसी लाल की वजह से होगी। अध्यक्ष महोदय, इतिहास किसी को माफ नहीं करता।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की बरबादी का कारण इनके पिता श्री रहे हैं और अब इनकी ऐसी मन्शा है परन्तु हम इनको हरियाणा को बरबाद करने नहीं देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुहम्मद तुगलक ने एक गलत निर्णय लिया था उसको इतिहास ने आज तक माफ नहीं किया। आज जनाब मुख्य मन्त्री बनने के बाद बिजली की स्लैब प्रणाली इसलिये समाप्त करने जा रहे हैं क्योंकि कोई कोर्ट में चला जाएगा और अब मुख्य मन्त्री जी कह रहे हैं कि अब इसको फिर से लागू किया गया है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से थूक कर चाटने की तो इनकी पुरानी आदत है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, कोर्ट के फैसले के मुताबिक ही हमने इसको किया है और कोर्ट के फैसले से ही हमने इसको खत्म किया था। कोर्ट ने कहा कि इसको नहीं कर सकते तो हमने खत्म कर दिया और कोर्ट के फैसले को कवर करते हुये ही अब इस फैसले को फिर से लागू किया है और स्लैब्ज बनाई हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये सदन को गुमराह कर रहे हैं इन्होंने किसी से दरख्वास्त दिलवा दी और फिर उसको बिदड़ा करवा दिया। स्लैब प्रणाली का सिस्टम इन्होंने पहले खत्म कर दिया और आज जनता पर फिर से 4 स्लैब प्रणाली मुकर्र कर दी। इसमें हैरानी की बात तो यह है कि जहां पर 100 फुट पर पानी है वहां पर भी यही स्लैब प्रणाली लागू कर दी गई है। अम्बाला, नग्गल गुहला-चीका का ऐरिया जहां पर पानी 400-500 फुट तक जा रहा है उनको इससे वंचित रखा जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में तुगलकी फैसले हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह बात इनको समझ लेनी चाहिये कि सरकार किसी की बपौती नहीं है, हम भी इस सरकार के ट्रस्टी हैं और सभी मन्त्री सरकार के ट्रस्टी हैं इसलिए हर फैसले में सबकी बराबर की जिम्मेदारी है। जो भी फैसले लिए जाएं उसमें जनता के हितों और सुविधा का ध्यान रखा जाए लेकिन आज पूरी स्टेट बरबाद होती जा रही है। अध्यक्ष महोदय, यह जो शराब बंदी का निर्णय लिया गया था। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनके पास शायद गलत इंफर्मेशन है। सबसे ज्यादा स्लैब रेट्स में फायदा अम्बाला डिस्ट्रिक्ट को है किसी और को नहीं है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर आप कहें तो मैं इनको फिगर्ज बता देता हूं। अध्यक्ष महोदय, निर्मल सिंह ने बिल्कुल ठीक कहा है कि अम्बाला जिले को सबसे ज्यादा फायदा है इसके साथ-साथ यमुना नगर जिले को भी फायदा है। पहले तो स्लैब प्रणाली थी उसमें बैनिफिशरीज 62 हजार 500 थे अब बैनिफिशरीज 1 लाख 25 हजार हैं यह पहले से दुगने हैं। अध्यक्ष महोदय, ये पता नहीं कहां पर रहते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये हरियाणा में जहां जहां लोगों को गोलियां मारते हैं वहीं पर जाता हूं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, वह भी इनकी ही करतूतें हैं। ये चुपचाप तो कहीं पर बैठते नहीं है। इनके टाईम पर एक ऐजिटेशन हो रहा था तो उस वक्त एक लड़का मर गया था तो इनके पिता श्री कहने लगे कि दस भर जाते तो काम चौखा चल जाता। ये तो यह कहने वाले हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक और अन्देशा है वह भी मैं सदन में कह दूं तो उसके परिणाम गलत न निकल जाएं। पुलिस की भर्ती में निरे ही पैसे खाए गए हैं। जिस बेचारे ने जेवर बेच कर पैसे दिए हैं वह अगर सिपाही भर्ती नहीं होगा तो या तो वह आत्महत्या करेगा या पैसा जिसको दिया है उसको मारेगा। वित्तमंत्री ने चार सौ लोगों से पैसा लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी तो पुलिस की भर्ती हुई ही नहीं है। किस ने दिया और किस ने लिया कौन खा गया भर्ती होने से पहले। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इनके वक्त में जब भर्ती करते थे तब जो सिपाही आता था उसको कहते थे कि 40 हजारी आ गया। इन्होंने भर्ती का क्या तरीका निकाला। इन्होंने अपने ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डे भर्ती करने थे इन गुण्डों को इन्होंने फिजिकल फिटनैस के आधार पर कमांडों भर्ती किया इन्होंने हरिजन और बैकवर्ड तो गिनती के ही भर्ती किए थे और ज्यादातर ग्रीन ब्रिगेड के भर्ती कर लिए थे। (विघ्न)

व्यैक्तिक स्पष्टीकरण

वित्त मंत्री द्वारा-

वित्त मंत्री (श्री चरण दास) : अध्यक्ष महोदय, मैं पर्सनल ऐक्सपलेनेशन देना चाहता हूं। अपोजिशन के नेता ने अभी ऐलिगेशन लगाया है कि वित्त मंत्री ने चार सौ लोगों से पैसा लिया है। मैं सदन के सामने एक बात रखना चाहूंगा कि एक कमेटी बनाए उसमें कांग्रेस के मैम्बर्ज हों। वे चौटाला साहब द्वारा कही गई बात की इन्क्वायरी कर ले। अगर मैं दोषी हूं तो मैं इस्तीफा दूंगा अगर इनकी बात गलत है तो ये इस्तीफा दे दें। मैं आपको विश्वास के साथ कहता हूं कि न तो मैं किसी के पास गया हूँ और न ही पुलिस भर्ती में मेरा कोई हाथ है। (विघ्न) चौटाला साहब तो हमेशा पैसे की बात करते हैं। इनकी अपनी छवि ही पैसे खाने की है। इनकी सांस में पैसा खाने की छवि है। जहां तक पैसा खाने की बात है तो जो आदमी घड़ियां चुरा सकता है उस आदमी की बात का कौन विश्वास करेगा। (शोर एवं व्यवधान) आप हर वक्त इस तरह की बात करते हैं आप को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जो जंगली भैंस होती है वह अपने रंग से नहीं बल्कि छतरी से डरती है। इनका तो यह हाल है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वित्तमंत्री कहते हैं कि सदन से इस्तीफा दे दूंगा। वित्त मंत्री जी आपके उपर तो कच्चे धागे की तलवार बंधी हुई है आपको यह काम करने की जरूरत नहीं है। यह तो * * * * * यह मामला अदालत में है। वित्त मंत्री जी, आपको इस्तीफा देने की आवश्यकता नहीं है।

श्री अध्यक्ष : यह अध्यक्ष वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री चरण दास : चौटाला जी, मैं आपको एक बात बता देता हूं इलैक्शन ने प्रूव कर दिया है कि आपका कोई आदमी आगे जीत कर नहीं आएगा। आप हाउस को गुमराह करते हैं। आगे आपकी जमानत ही जब्त होगी, आपको कुर्सी मिलने वाली नहीं है। मैं तो आपको अच्छी तरह से जानता हूं आपके मध्य में रहा हूं। आपके करैक्टर के बारे में अच्छी तरह से जानता हूं और आप आज इस तरह की बात मेरे से करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, अभी आपने देखा कि किस तरह से श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने सदन को गुमराह किया। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमिशन है। जो कोई भी यहां पर बात करे वह आपसे मुखातिब होकर करे तथा सीधे तौर पर बात न करे। यह ठीक नहीं है। यहां पर सदन की मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, अभी अभी चौटाला साहब ने पुलिस की भर्ती का यहां पर जिक्र किया है।

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे कंट्रोवर्सी को एवाइड करें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हम कंट्रोवर्सी नहीं करेंगे। हम कभी गलत बात नहीं कहते। हम तो केवल तथ्यों पर आधारित बातें ही कहते हैं। इन्होंने पुलिस की भर्ती का जिक्र किया है जिसके बारे में मुख्य मंत्री जी ने अभी बताया है कि अभी तक तो पुलिस की भर्ती ही नहीं हुई है और जो भर्ती का प्रौसेस चल रहा है वह हरियाणा की जनता अच्छी तरह से जानती है। चौटाला साहब ने इस बारे में जो आरोप लगाए हैं वह बिल्कुल निराधार हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके अपने समय में पुलिस की भर्ती कैसे हुआ करती थी, यह मैं आपको बताना चाहता हूं। मेरे पास 22 अक्तूबर, 1988 का दैनिक ट्रिब्यून अखबार है। इसमें एक हैड लाईन थी जिसमें लिखा था कि "देख लेना जितना ऐकोमोडेट हो सके"। यह बात उन दिनों बहुत चर्चा में रहती थी। अध्यक्ष महोदय, इनके जमाने में यह हुआ करता था कि हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के नाम पर ये अपने रिश्तेदार, राजस्थान के लोग और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की भर्ती किया करते थे। अब ये सबको अपने जैसा ही समझते हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार में किसी के साथ कोई ज्यादती नहीं होगी, कोई गलत प्रकार की बात नहीं होगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः आपसे अनुरोध करूंगा कि आपने मुझे बजट पर चर्चा करने का समय दिया है। लेकिन आप दूसरी तरफ ही देख रहे हैं जबकि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। आप हमारी तरफ तो कड़ी निगाह से देखते हैं।

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी सदस्यों से पुनः प्रार्थना है कि वे कंट्रोवर्सी में न जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के अहम मुद्दे पर चर्चा कर रहा था। मैंने सारी बात को डिटेल में बताया था। मैं यहां पर यह बताना भी जरूरी समझूंगा की हरियाणा में बिजली बोर्ड द्वारा बिजली की खपत की तुलना में देश में सबसे ज्यादा ट्रांसफार्मर्ज लगाए गए हैं। इसके बावजूद हमारे यहां पर बिजली की चोरी 50 परसैंट है जबकि कलकत्ता इलैक्ट्रिसिटी सप्लाई कम्पनी की चोरी प्रसार और वितरण प्रणाली में लाइन के लौसिज के बावजूद केवल 16 परसैंट है। जबकि उपरोक्त कम्पनी ने यहां पर भी काफी ट्रांसफार्मर्ज लगाए हैं परन्तु फिर भी हरियाणा बिजली बोर्ड निरंन्तर घाटे में ही जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, ताज्जुब इस बात का है कि बिजली के रेट्स निरंतर बढ़ रहे हैं और डौमेस्टिक बिजली अब 3.50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से हो गयी है फिर भी बिजली बोर्ड का घाटा दो हजार करोड़ रुपये चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, यह क्या हो रहा है आखिर सरकार के कुछ निर्णय हुआ करते हैं परन्तु पता नहीं यह निर्णय किसके कहने पर लिये जाते हैं। जैसे मैंने पहले बताया कि मुख्य मंत्री जी स्टेट के ट्रस्टी हैं इसलिये इनको स्टेट के हितों का ध्यान रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इन दो सालों के अरसे में विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा था कि इतिहास किसी को माफ नहीं करता। मोहम्मद तुगलक ने भी एक गलत निर्णय किया था जिसके कारण इतिहास आज तक भी उसे गाली दे रहा है। मौजूदा मोहम्मद तुगलक ने निरंतर अपने फैसले बदले हैं। इन्होंने स्लैब प्रणाली फिर से चालू कर दी है। लेकिन इसको चालू करके भी किसी को इससे फायदा नहीं हो पाएगा। जबकि ये ऐसा करके फायदा देने की बात कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने शराबबंदी लागू करके फिर खोल दी इन्होंने आर०टी०ए० की पॉवर्ज एस०डी०एम० को दे दी फिर वापस ले लीं इस प्रकार जो भी फैसले लिए थे वे निरंन्तर वापस होते जा रहे हैं। थूक के चाटने की तो इनकी पुरानी आदत है।

अब आप कृषि क्षेत्र पर आ जाएं। वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में बताया है कि वर्ष 1997-98 में अनाज का उत्पादन 111.57 लाख टन हुआ है वर्ष 1994-95 में यह उत्पादन 109.72

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

लाख टन था पिछले तीन वर्षों में आधा प्रतिशत प्रतिवर्ष के हिसाब से वृद्धि हुई है इसी प्रकार तिलहन का उत्पादन 1997-98 में 540 लाख टन दिखाया है जबकि 1994-95 में 861 लाख टन था और स्थिति कपास में भी भिन्न नहीं है वर्ष 1997-98 में 8 लाख गाठें दिखाई गई हैं जबकि 1994-95 में 14 लाख गाठों का उत्पादन हुआ था इससे साफ जाहिर है कि कृषि क्षेत्र में सिवाय किसानों पर गोली चलाने के कोई और उपलब्धि नहीं है। किसी मामले में कोई उपलब्धि नहीं है जबकि सरकार बड़े बुलंगबाग दावे करती है अच्छे बीज के अभाव की वजह से पूरा भाव न मिलने की वजह से आज किसान की हालत सबसे ज्यादा दयनीय है पोह माह की सर्दी में, जेठ आषाढ़ की लू में और सावन भादो की अंधेरी रातों में सांपों के बीच जाकर अपनी जान की परवाह न करते हुये धरती का सीना चीरकर अपने पसीने से अन्न पैदा करने वाला किसान अन्नदाता आज खुदकुशी करने पर मजबूर है जब खुदकुशी की चर्चा आती है तो कहीं से बयान देते हैं आंकड़ों के हिसाब से बताते हैं तो स्पीकर सर, इस बयानबाजी से काम चलने वाला नहीं है बात तो जो सही होगी उसे मानकर लोग चलेंगे। आज सरकार की विशेष जिम्मेदारी है कि प्रदेश के हर वर्ग के लोगों के हितों का ध्यान रखे। राम विलास शर्मा जी बैठे हैं ये बड़े सम्मानित सदस्य हैं बहुत ही अच्छे पार्लियामैन्टेरियन हैं लेकिन इनकी बदकिस्मती यह है कि ये गलत जगह फंसकर बैठ गए। ये कमजोर हो गए हैं जिस राम बिलास को मैंने पहले देखा था वे अब ये नहीं रहे इनका वह चेहरा गायब हो गया जब चाहे फाइल मंगा ली जाती है। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब मेरी सलाह तो मानते नहीं है अभी चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि राजनीति में कुर्सी का सपना देखना कोई बुरी बात नहीं है राजनीति में आदमी का महत्वाकांक्षी होना जरूरी है। चौटाला साहब को मेरी बात माननी चाहिए। पिछली बार जब ये मुख्य मंत्री बने थे तो मैंने इनका मुहर्त नहीं निकाला था जबरदस्ती धक्के से मुख्य मंत्री बने। मेरे से मुहर्त निकलवाकर बनते तो ठीक रहते। इस मौके पर स्पीकर सर, मुझे एक बात याद आ रही है कि एक गांव में एक नम्बरदार की मौत हो गई तो एक छोरा अपनी मां से पूछने लगा कि अब कौन नम्बर-दार बनेगा तो मां ने कहा कि रामबीर बनेगा तो छोरे ने कहा मां रामबीर भी मर गया तो कौन बनेगा तो मां ने कहा कि उमराव सिंह बनेगा छोरे ने कहा कि उमराव सिंह भी मर गया तो कौन बनेगा तो मां ने कहा कि मोहर सिंह बनेगा उसने कहा मोहर सिंह भी मर गया तो मां ने कहा कि सोहन बनेगा लेकिन मां समझ गई और उसने साथ ही कह दिया कि चाहे सारा गांव मर जाए पर तू नंबरदार नहीं बनेगा तो जब तक मां का आशीर्वाद और बड़ों का आशीर्बाद न हो तब तक काम नहीं बनता। चौटाला साहब ने केन्द्र में वाजपेयी जी की सरकार को जो समर्थन दिया उसके लिए हम तहेदिल से इनके आभारी हैं अगर ये हरियाणा के बारे में भी अपनी थोड़ी सी मानसिकता बदल लें तो अच्छा रहेगा।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : स्पीकर सर, चौटाला साहब राम विलास जी से मुहर्त नहीं निकलवाते हैं इन्होंने चन्द्रास्वामी से मुहर्त कढ़वाया था। उस दिन क्या हुआ कि इन्होंने अपनी अंगुलियों में दो-दो अंगूठी पहन ली और अपनी कुर्सी गंवा बैठा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह बात कहने जा रहा हूं कि राम बिलास जी ने जो नम्बरदारी की बात कही है उसमें ये कहना तो यह चाहते थे कि बंसीलाल जी नम्बरदारी करेंगे परन्तु इन्होंने वह बात छिपा दी है और कह बैठे की मोहर सिंह नम्बरदार बनेगा। ये संकोचवश इस बात को कह नहीं पाये। अध्यक्ष महोदय, मैं इनके विभाग की ही चर्चा करना चाहूंगा। ये शिक्षा मन्त्री हैं शिक्षा विभाग की मद में प्लान और नॉन प्लान में लगभग 1400 करोड़ रुपये के खर्चे का प्रावधान किया गया

है। हरियाणा की जनसंख्या लगभग दो करोड़ है और कुल जनसंख्या का 1/6 हिस्सा स्कूली बच्चों का है यदि एन-रोल जनसंख्या को ही दिखाया जाये तो इस मद में हम स्कूली बच्चों पर प्रति वर्ष चार-पांच हजार करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं जबकि हरियाणा में 50 प्रतिशत जनसंख्या पढ़ाई से वंचित है। हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी है जो बेरोजगारी पैदा कर रही है। इसलिये जो भी विस्तार हम इस क्षेत्र में कर रहे हैं वे ज्यादातर बेकार जा रहे हैं। रामबिलास जी, अपने महकमें की तरफ तो जरा ध्यान दो क्योंकि बाकी सरकार का सारा काम तो आपके बस की बात नहीं है हमने तो पहले कहा था कि हमारी बात मान लो लेकिन क्या करें बेचारे फंसे बैठे हैं और हमारी भी मजबूरी है। (विघ्न) सतपाल सांगवान ने भी पूरा जोर लगा लिया लेकिन ये नम्बर दो नहीं हुये (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : सतपाल सांगवान ने ऐसी कुर्बानी दी है कि कोई भी विधायक नहीं दे सकता है उन्होंने चेयरमैनी से भी इस्तीफा दे दिया और कहा कि मैं तो बिना चेयरमैनी के भी काम चला लूंगा। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : चेयरमैनी इस लिए छोड़ कर आ गये क्योंकि वहां पर इनकी नहीं चली।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह, यह जैनेऊ आपने डाल रखा है यह शर्मा जी का है थोड़ी इसकी तो लिहाज रखो।

कैप्टन अजय सिंह यादव : यह पटका जो शर्मा जी पहने हुये हैं यह मैंने दिया है इनको आप पूछ सकते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्वास्थ्य विभाग में जिस खर्च का प्रावधान किया गया है और उसमें से कर्मचारियों के वेतन अदा करने का खर्चा भी पूरा नहीं हो पा रहा है। नये अस्पताल खोलना और दवाईयों की पूर्ति करना और नये इक्विपमैन्ट प्लांट लगाना और स्वास्थ्य विभाग में आधुनिकीकरण करना तो सरकार के वस की बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज हालत तो यह है कि जो पहले ही अस्पताल हैं उनके कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं। आज नर्सें भूख हड़ताल पर बैठी हैं और उन पर डण्डे से वार किये जा रहे हैं और पुलिस उनके साथ दुर्व्यवहार कर रही है। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमने किसी पर डण्डे नहीं मरवाये हैं और किसी के साथ बुरा व्यवहार नहीं किया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कुरुक्षेत्र में डण्डे मारे गये हैं। ये ऐसे एन्टी सोशल एलीमेंटस को वहां जाने के लिए अलाऊ करते हैं जो वहां जाकर उन लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं वह भी किसी की बेटी है, किसी की बहन है, सरकार की भी कोई जिम्मेवारी होती है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, यह नहीं होना चाहिये कि चौटाला साहब जो जी में आये वह बोल दें, बहन-बेटियां सब की बराबर होती हैं वह एक जिम्मेवार व्यक्ति होते हुये भी गलत बात कह रहे हैं इनको यह शोभा नहीं देता। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के नेता से अनुरोध करना चाहता हूं कि उनको सदन में कोई भी ऐसी बात नहीं करनी चाहिये जो तथ्यों पर आधारित न हो। अभी अपने भाषण में बोलते-बोलते इन्होंने नर्सों के बारे में कहा कि वहां पर बैड एलिमैंट्स जाकर कुकर्म कर गए। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने कुकर्म शब्द का प्रयोग नहीं किया है। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कह रहा था कि श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की जैसी मानसिकता है, वैसी ही ये दूसरों के अंदर भी समझते हैं। जिस वक्त इनका राज था, तो मंडल कमीशन रिपोर्ट के विरोध में इनके अपने ही कार्यकर्ता बसों को जला दिया करते थे। बहादुरगढ़ से निकलते ही सड़कों पर लकड़ियां डाल कर यात्रियों को रोकते थे और उन के मुंह काले कर दिया करते थे। ये काम तो इन के ही हैं। हमारी सरकार कोई भी गलत काम नहीं कर सकती है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप अडजर्नमैंट मोशन पर तो फटाफट निर्णय ले लेते थे कम से कम आपको इस बात पर तो निर्णय लेना चाहिए कि कोई सदस्य बोलता हो तो उसको बीच में कोई इंट्रप्ट न करें। अगर मैं कृषि विभाग की चर्चा करूंगा तब तो ये बोल सकते हैं। वैसे इनके भी पर काट दिए गए हैं। सिर्फ कृषि विभाग ही इनके पास रह गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सड़कों के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी कहा करते थे कि मैंने सड़कें बहुत बनवाई तथा दूसरी सरकारें टूटी हुई सड़कों पर टांकी तक नहीं लगवा सकें। अध्यक्ष महोदय, बिहार में जो सड़कों की हालत है, वही हालत आज हरियाणा में सड़कों की है। पहले तो हरियाणा में सड़कों की हालत इतनी अच्छी होती थी कि कोई मुसाफिर जब हरियाणा की सीमा में प्रवेश करता था तो तुरन्त पता चल जाता था कि हरियाणा में प्रवेश किया है। लेकिन आज हरियाणा प्रदेश में स्थिति बिल्कुल विपरीत है।-इस समय हरियाणा में सड़कों की हालत बहुत ही खस्ता है। ऐसा लगता है कि पिछले दो वर्षों में नई सड़कें बनाना तो दूर पुरानी सड़कों की मरम्मत भी नहीं की गई है। विश्व बैंक से ऋण लेने की योजना भी खटाई में पड़ गई है। उसके बावजूद भी ये कहे जा रहे हैं कि हमें विश्व बैंक से सौ करोड़ रुपये का कर्जा प्राप्त होगा। मैं कहना चाहता हूं कि विश्व बैंक ने इस कर्जे को देने से इन्कार कर दिया है। मैंने पिछले सत्र में भी कहा था कि किस प्रकार से विश्व बैंक से पुरानी सड़कों की मरम्मत के लिए ऋण मिलेगा। इसके लिए राज्य सरकार टौल टैक्स लगाएगी। पुरानी सड़कों की मरम्मत के लिए टौल टैक्स लगेगा। मान लो यदि एक हजार करोड़ रुपये का ऋण होगा तो 9 हजार करोड़ रुपए हरियाणा प्रदेश के लोगों से टौल टैक्स के रूप में वसूल किये जाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, अब परिवहन विभाग के बारे में भी सुन लें। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले दो वर्षों में बसों के भाड़े में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद 1996-97 के वर्ष में परिवहन विभाग को 26 करोड़ का और वर्ष 1997-98 में 41 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। वर्ष 1996-97 व वर्ष 1997-98 में राजस्व में वृद्धि केवल 3 प्रतिशत ही हुई है। सितम्बर, 1997 में बस भाड़े में 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई ।इस घाटे के होते हुए भी सरकार सौ किलोमीटर तक के बस रूट परमिट्स बेरोजगार नवयुवकों की सहकारी समितियों को देने के बारे में निर्णय ले चुकी है। अध्यक्ष महोदय, इस निर्णय के पीछे सरकार की क्या सोच है ? इस फैसले से परिवहन विभाग की बसें लगभग 2 लाख किलोमीटर प्रतिदिन कम चला करेंगी तथा साल भर में 7 करोड़ किलोमीटर कम चलेंगी। परिवहन विभाग को प्रति किलोमीटर राजस्व 8 रुपये मिलता है। सहकारी समितियों को बस रूट परमिट्स मिलने से यह घाटा लगभग 56 करोड़ रुपये सालाना हो जाएगा और यदि लाभदायक रूट परमिट्स दिए जाते हैं तो यह घाटा सौ करोड़ रुपये सालाना हो जाएगा। परिवहन विभाग के विरोध के बावजूद यह निर्णय लिया गया। ट्रांसपोर्ट विभाग ने मना किया लेकिन मुख्य मंत्री ने अपने चहेतों को रूट परमिट देने के लिए

बेरोजगारों को रोजगार देने की आड़ लेकर यह निर्णय लिया जिसके कारण आज परिवहन विभाग के लगभग 5500 कर्मचारियों की छुट्टी होने जा रही है। प्राइवेट रूट दूसरों को दिये जाने से हरियाणा राज्य परिवहन के पास जो 1000 बसें हैं वे बेकार हो जाएंगी (घंटी) अध्यक्ष महोदय, यह घंटी मत बजाओ मेरा समय देखो। मेरे पास भी टाइम लिखा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, नए बजट में 466 नई बसें खरीदने का प्रावधान है। इस प्रकार 1000 बसें वे बेकार हो जाएंगी और 466 ये हो जाएंगी। अपने मजूरेनजर लोगों की बेरोजगारी योजना समाप्त करने के नाम पर रूट परमिट दिए जाएंगे और फिर ये 466 बसें नीलाम की जाएंगी और जिनको रूट परमिट दिए जा रहे हैं उनको कौड़ियों के दाम पर दे दी जाएंगी।

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश जी, आप 10 मिनट में कनक्ल्यूड कीजिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही कन्क्ल्यूड कर दूंगा। पहले ही 79 रूट परमिटस् जिन लोगों को दिए हुए हैं उनके अगेनस्ट 400 बसें है जो बिना मंजूरी के, बिना टैक्स दिए और बिना बस अड्डे की फीस दिए नाजायज चल रही हैं, सरेआम चल रही हैं। आप किसी सड़क पर जाकर देखो उनको रोकने वाला कोई नहीं है। पूछने पर कहते हैं कि यह फलां वजीर की बस है। यह बंसीलाल जी के भाई की बस है, यह बंसीलाल के रिश्तेदार की बस है। आज यह हालत इस प्रदेश की है। अध्यक्ष महोदय, ऐसी स्थिति आज तक हमने कभी नहीं देखी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरे भाई की तीन बसें चलती हैं जिनमें से एक तो बहुत पुरानी पंजाब के समय से चल रही है बाकि जो तीनों बसें चल रही हैं उनके पास परमिट है चौथी कोई बस नहीं चल रही है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये तो परमिट वाली बसों की बात बता रहे हैं मैं बिना परमिट वाली की बात कर रहा हूं।

श्री बंसी लाल : चौथी कोई बस नहीं चल रही है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : रघुवीर सिंह की बस के कंडक्टर हरियाणा परिवहन की बसों से सवारियां उतारकर उन बसों में बैठाते हैं।

श्री बंसी लाल : ये बिल्कुल गलत कह रहे हैं। यह तो इनके वक्त में होता था। इनके वक्त में अभय चौटाला के नाम से बसें चलती थी। संगरिया से दिल्ली तक की बसों में टिकट नहीं काटते थे और सवारियों से पैसे ले लेते थे। यदि एक आध टिकट काटते भी थे तो उस पर लिखा होता अभय चौटाला और सारी बसें नाजायज चलती थीं। बस अड्डे पर आकर सवारियों को उठा लेते थे। परिवहन की बसों में से सवारियां उतार लेते थे। इस बात पर रोडवेज के कर्मचारियों ने हड़ताल की थी कि इन बसों को सिरसा और फतेहाबाद में नहीं घुसने देंगे। सारी बसों में ये नकली टिकटें कटवाते थे। चण्डीगढ़ से हरिद्वार बस गई वापिस आकर कंडक्टर ने क्या दिया तीन रुपये और कुछ पैसे। इनके जमाने में ऐसी ट्रिप भी थी कि हरिद्वार से चण्डीगढ़ आने के लिए केवल तीन रुपए और कुछ पैसे लगे और सारी टिकटें नकली होती थीं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : आपने अपने समय में जो मिनी बसें खरीदी थीं वह कहां गई ।(शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : तेरी बात तो मैं बता नहीं रहा जब तेरी वाली बात बताउंगा तब पता चलेगा तू सब्र तो कर।

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, इनसे पूछें वह मिनी बस कहां गई ?(शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : आज उन मिनी बसों के बारे में बताएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : तू टिक जा, मेरी लड़ाई मक्खी मच्छर से नहीं है। मुझे मक्खी मच्छर से लड़ने में मजा नहीं आता।

श्री कर्ण सिंह दलाल : आप जैसे महानुभाव से कोई नहीं लड़ना चाहता।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं कुछ कहूंगा तो रात को आकर फिर मुझे बताएगा। तू टिका रह।

श्री कर्ण सिंह दलाल : जो खून आपकी रगों में बहता है वही खून हमारी रगों में बहता है आप अपने आप को बहुत बड़ी शख्सियत न समझो। आप जैसी बहुत बड़ी-बड़ी शख्सियत देखी हैं जब आपका समय आएगा आप देख लेना।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इनके तो नाम के आगे * * * * * * * लगा हुआ है इनका तो दिवाला पहले ही पिट गया (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मुझे कौन सा रघुबीर सिंह की बसों का पता था। ये तो जगन नाथ ने बता दी तो मैंने इसका जिक्र कर दिया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, किसी के गोत्र के बारे में इस तरह से सदन की कार्यवाही में कोई बात नहीं होनी चाहिए। इसलिए आप कृपा करके इसको कार्यवाही से निकलवा दें। इनको तो इस बात का लिहाज भी नहीं है कि ये जिस गोत्र की बात कर रहे हैं ये खुद उसी गोत्र से हैं।

श्री अध्यक्ष : गोत्र की बात रिकार्ड न की जाये।

12.00 बजे **श्री ओम प्रकाश चौटाला :** तू गोत्र थोड़े ही लगा रहा है। तेरा तो दलाल बैड-सैंस में नाम आ रहा है। दलाल गोत्र के नाते थोड़े ही आया है तेरा दलाल नाम बैड-सैंस में है, गोत्र नहीं है।

श्री अध्यक्ष : जो गोत्र के बारे में कहा गया है वह एक्सपंज कर दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जब मैं कालेज में पढ़ा करता था उस समय श्री ओम प्रकाश के नाम से साथ चौटाला नहीं होता था। जब इनके पिताश्री हरियाणा प्रदेश के मुख्य मंत्री बने तो इन्होंने अपने नाम के साथ चौटाला लिखना शुरू कर दिया। स्पीकर साहब, मुझे वे दिन अच्छी तरह से याद हैं और लोगों में इस बात की चर्चा थी कि इनका अच्छा खासा नाम था उसमें चौटाला क्यों जोड़ दिया। आज अखबारों में जब रस्म पगड़ी की कोई बात आती है तो कालम में लिखा होता है उठाला चौथा तो लोग उसको इनके नाम से पढ़ते हैं इसलिए कम से कम मेरा गोत्र ऐसे नाम से बहुत अच्छा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप शशीपाल मेहता से पूछ लें उठाला पंजाबियों में आता है थारे में कोनी आवै उठाला।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री जगन नाथ : स्पीकर साहब, इन्होंने रघुबीर सिंह की बसों के बारे में एक बात कही कि उनके बारे में जगन नाथ ने उन्हें बताया था। स्पीकर साहब, इनको यह पता है कि जगन नाथ जहां होता है वहां 100 फीसदी होता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं तो यह बात मानने लग रहा हूं अगर आप कच्चे आदमी होते तो यह बात मुझे क्यों बताते। ऐसा काम मजबूत आदमी ही कर सकता है कमजोर आदमी में तो दम ही नहीं होता।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब आज गिड़गिड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भाई राम बिलास के पांव पकड़ने को हो रहे हैं उनके पांव धोने को हो रहे हैं। चौधरी जगन नाथ के पांव पकड़ने के लिए तैयार हो रहे हैं पता नहीं ये क्या-क्या कुकर्म करेंगे। (हंसी)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं लीडर ऑफ दि हाउस के पैर ऊंचे करने के लिए किसी के भी पांव पकड़ सकता हूं उसमें मुझे कोई संकोच नहीं है। मैं इनके पांव ऊंचे जरूर करूंगा। मेरा यह फैसला है। यदि मैंने इनके पांव ऊंचे नहीं लटकाए तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये कितना ही जोर लगा लें इनका मतलब हल नहीं होने वाला है। ये इस कुर्सी के लिए चक्कर काटते ही फिरेंगे ये चाहे इसके लिए कुछ भी कर लें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पूरे हरियाणा प्रदेश में कानून व्यवस्था की हालत बहुत ही दयनीय है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति सबसे ज्यादा मजबूत हुआ करती थी लेकिन आज पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था की हालत बहुत ही खराब है। महिलाओं के गले से सोने की चैन झटक ली जाती है उनके कानों से सोने की बालियां तोड़ ली जाती हैं।

श्री बंसी लाल : मेहम में इनकी सरकार के उस वक्त के होम मिनिस्टर पुलिस वालों के डर से तख्त के नीचे बड़ गए। (हंसी)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, यह टोटली रोंग स्टेटमैंट है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिम्मेदारी के पदों पर बैठने वाले आदमी को पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। बदकिस्मती से मुख्य मंत्री के पद पर ये बैठे हैं अगर ये कहीं पर भी मेरे मुतल्लक ऐसी बात साबित कर दें कि मैंने पुलिस के डर से कहीं पर छिपने का प्रयास किया हो तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

श्री बंसी लाल : मैंने तो यह कहा है कि उस वक्त के होम मिनिस्टर तख्त तले बड़ गए थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उस वक्त के होम मिनिस्टर यहां हाउस में बैठे हैं। मेरी पार्टी के किसी भी सदस्य के प्रति अगर मुख्य मंत्री जी यह साबित कर दें कि पुलिस के डर से किसी ने छिपने का प्रयास किया हो तो हम राजनीति छोड़ देंगे। अध्यक्ष महोदय, शायद मुझे यह बात कहनी नहीं चाहिए और शायद यह बात मुख्य मंत्री जी को ध्यान न रही हो इनके परिवार के लोगों को जब गिरफ्तार किया जा रहा था तो वे पुलिस कैम्प में फट्टों के नीचे मिले थे।

श्री बंसी लाल : मेरे कुटम्ब में ऐसा नहीं है यह थारे कुटम्ब के साथ हुआ होगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिस दिन बंसी लाल जी को पुलिस ने गिरफ्तार किया उस दिन पाजामा भर दिया था।

Shri Bansi Lal : Let me put the record straight. जब मैं गिरफ्तार हुआ तो मैंने खुद जा कर गिरफ्तारी दी थी। मैंने पुलिस स्टेशन में खुद हाजिर हो कर गिरफ्तारी दी थी। मुझे जिस वक्त गिरफ्तार किया गया मैं जमानत पर था। यह गुण्डागर्दी इन्हीं के वक्त में हो सकती है मैं कैसे कर सकता हूं। पाजामा नहीं पाजामा भरने वाले तो ये और चौधरी देवी लाल हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं 1962 की एक बात बताना चाहूंगा चौधरी देवी लाल ....

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति सदन में उपस्थित नहीं है उसकी चर्चा नहीं होनी चाहिए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए ही .... (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपका टाईम हो गया है। आप खत्म करें। (घंटी)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अभी से आप घंटी क्यों बजा रहे हैं? अभी तो मुझे बोलना है। अभी तो आप भी चटकारे ले रहे हैं, मुझे पता है। अध्यक्ष महोदय, इनको हथकड़ी लगायी नहीं, इनके पद का ध्यान रखते हुए। बल्कि हथकड़ी खड़काई थी और इसी में इनका पाजामा भर गया। इन्होंने कोर्ट में जाकर के कहा कि मेरा ब्यान ले लो मेरा हार्ट फेल हो जाएगा। मैं मर जाऊंगा। मेरा ब्यान जल्दी से लिख लो।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

मुख्य मंत्री द्वारा-

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : ऑन ए पर्सनल एक्सप्लेनेशन सर। अध्यक्ष महोदय, जब मैं गिरफ्तार हुआ तो मुझे बाकायदा हथकड़ी लगायी गई। इनके पास बनाने को कोई केस नहीं था और मुझे हथकड़ी लगा करके जीप में बैठाकर ले गए और इनके पिताश्री ने जो किया वह बताता हूं। मेरे पास उस वक्त का फोटो है। वह मैं जेब में रखता हूं। जब सवेरे शाम जेब से कागज निकलता हूं तो वह फोटो मेरे सामने आता है। मैं इस बात का ध्यान रखता हूं कि यह दिन फिर भी आ सकता है। इनके पिता श्री ने यहां से टेलीफोन किया और कहा कि बंसी लाल को हथकड़ी लगा फोटो मुझे सुबह दिल्ली में मिलना चाहिए मैं रात वाली कालका मेल से दिल्ली आ रहा हूं। उनके आदेश पर मुझे रात को बाहर निकाल करके 2 सिपाहियों के साथ मेरा फोटो लिया गया। वह फोटो अखबार में भी छपा था। हिन्दुस्तान टाईम्स से लिया हुआ फोटो मेरे पास है। अध्यक्ष महोदय, इनके पिता श्री व दो चार और थे, साजिश रची कि बंसी लाल को दूसरी या तीसरी मंजिल से धक्का दे दो या बिजली पर इसका हाथ रखवा दो और इसको लिक्वीडेट कर दो। अध्यक्ष महोदय, मुझे सुबह पेश किया तो मैजिस्ट्रेट ने कहा कि इसको बैठा दो, इस केस को बाद में टेकअप करेंगे। मैं वहां पर बैठा था तो मुझे थोड़ी देर बाद ऊपर की मंजिल पर ले जाया गया हालांकि ऊपर की मंजिल पर ले जाने का कोई कारण नहीं था। मुझे ऊपर की मंजिल पर ले जा करके बैठा दिया गया। मैं वहां पर बैठ गया। जब मैं बाथरूम गया तो एक इन्सपेक्टर या सब-इन्सपेक्टर मेरे पीछे-पीछे बाथरूम में घुस आया और वह कहने लगा कि चौधरी साहब सुबह 7 बजे से 10 बजे तक सी०जी०एम० के कमरे में डी०आई०जी०सी०, आई०डी०, एस०पी० विजिलेंस, जुडिशियल मैजिस्ट्रेट

और पब्लिक प्रोसिक्यूटर थे इन्होंने यह स्कीम बनाई है कि आपको मारना है। यह बात बावर्दी उस आदमी ने मुझे कही। मैंने कहा कि मेरे भाई को बुलवाओ वह वकील है। मैंने भाई से कहा कि यह आदमी जो बैज लगाये बाहर खड़ा हुआ है इससे पूछो कि क्या हुआ है तो वह कहने लगा कि जो मैंने कहा है यह सही बात है। मैंने कहा कि इससे तसल्ली करो। उसने कहा कि मुझे यह तो नहीं पता कि क्या हुआ लेकिन 7 बजे से 10 बजे तक ये आदमी सी०जी०एम० के रिटायरिंग रूम में रहे हैं यह बात सही है और कहा कि अन्दर किसी को जाने नहीं दिया। उस दिन मुझे 2 बजे पेश किया गया। मैंने 2 बजे पेश होते ही सी०जी०एम० से कहा कि मेरा ब्यान लिख लो। वह कहने लगा कि ब्यान किस कानून के तहत लिखूं। मैंने कहा कि डाईंग डिक्लेरेशन। तो फिर मैंने पूरी कहानी लिख दी कि अगर किसी वजह से मेरी डैथ हो जाये तो मुलजिम कौन होंगे, एक तो चौधरी देवी लाल, एक चौधरी चरण सिंह और बाकी जो अफसर होंगे वे और साथ में होगा सी०जी०एम० क्योंकि यह कांस्पेंसी उसके कमरे में हो रही थी। सी०जी०एम० ने दुबारा प्रश्न करने की कोशिश की तो मेरे हाथों में हथकड़ी लगी थी मैंने सोचा कि इसको जड़ दूं और जब मैं जड़ने लगा तो वह भाग गया वह वहां रहा ही नहीं। वहां पर जब रिमाण्ड देने वाला कोई रहा नहीं तो मैंने कहा कि इसी से रिमांड दिलवा दो मुझे कोई एतराज नहीं। ये कहते हैं कि मैं डर गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मैं चौधरी देवी लाल जी की तस्वीर लगा कर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब आपका स्टेटस इस प्रकार की बातें कहने का नहीं है इसलिए आप इसे ऐवाइड करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जब ऐसे स्टेटस वाले जो सामने बैठे हैं ये खड़े हो जाएं तो मैं क्या करूं।

श्री अध्यक्ष : आप विपक्ष के नेता हैं। आपको ऐसी बात कहना शोभा नहीं देता।

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात मानता हूं लेकिन ये जो 2-3 स्टेटस वाले सतपाल सांगवान व कर्ण सिंह जैसे हैं इनको कहें कि ये बैठें, मैं इनसे उलझने वाला नहीं हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपको कानून व्यवस्था की स्थिति का ब्यौरा दे रहा था।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब आप जल्दी खत्म करें। चाहे आप अपनी पार्टी का सारा टाईम ले लें मुझे कोई एतराज नहीं लेकिन यह देख लें कि जो टाईम अलाट हुआ है वह 10 घंटे का हुआ है और एक मैम्बर के हिस्से तकरीबन छः मिनट आते हैं। अब आपकी मर्जी है चाहे आप सारा टाईम खुद ले लें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जो मैंने बोला है मेरा टाईम तो वही होगा न। ये जो बीच में बोले हैं या बोल रहे हैं यह तो टाईम मेरे टाईम में नहीं गिना जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में अवगत करवा रहा था। अगर मैं पूरा ब्यौरा दूंगा तो उसमें बहुत समय लग जाएगा इसलिए केवल जून महीने की कुछ घटनाओं का ही मैं जिक्र करूंगा जिससे सारे प्रदेश की पूरी तस्वीर आपके सामने साफ हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, एक जून को यमुना नगर की लक्खी की कुल्हाड़ी से हत्या की गई थी। एक जून को ही जींद पानीपत रेलवे लाईन पर ट्रेन डकैती हुई। हथियार बन्द लुटेरों ने जींद निवासी सुनील से लगभग 32 हजार रुपये लूट लिये और उसे गोली मार कर घायल कर दिया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

एक जून को मुख्य मंत्री महोदय, के गृह जिला भिवानी के गांव मिलकपुर निवासी आनन्द पर कुछ असामाजिक तत्वों ने कातिलाना हमला किया। भिवानी जिले की यह पहली घटना नहीं है और भी अनेकों दिल दहलाने वाली घटनाएं हो चुकी हैं। स्थानीय पी०टी०एम० चौक के निकटवर्ती आवासीय क्षेत्र में 8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार किया गया। स्थानीय प्रभात क्षेत्र में 20 वर्षीय कर्मचारी की छुरा घोंप कर हत्या कर दी गई। भिवानी जिला के ही गांव नीमड़ी से एक सात वर्षीय बच्चे का अपहरण कर लिया गया जिसकी वजह से क्षेत्र में भय और दहशत का वातावरण बना हुआ है। इस बच्चे का नाम प्रवीण कुमार है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नीमड़ी गांव का आपने जो जिक्र किया है यह गांव मेरी कांस्टीच्यूएंसी में पड़ता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : नीमड़ी एक ही नहीं है, नीमड़ी नाम से कई गांव हैं। चरखी दादरी में भी एक नीमड़ी पड़ता है और चौधरी मनी राम जी के ऐरिया के एक गांव का नाम भी नीमड़ी है।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, भिवानी हल्के में नीमड़ी एक ही है आप गलत बता रहे हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं जून की घटनाओं का जिक्र कर रहा हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जीन्द जिला के गांव जयदीप निवासी खटकड़ा व सतीश और नरेश कुमार युवकों ने एक टाटा सुम्मो को लूट कर एक व्यक्ति की हत्या करने का प्रयास किया। 2 जून को सिरसा के रानियां कस्बे के मुंशी राम नामक व्यक्ति की दिन-दिहाड़े हत्या कर दी गई। दो जून को सोनीपत जिले के गांव लतीफपुर के 18 वर्षीय युवक पवन की लाठियों से हमला करके हत्या कर दी गई। दो जून को ही कस्बा शाहबाद के निकट गांव सैयुयद पुर के बन्ता राम नाम के वृद्ध की गोली मार कर हत्या कर दी गई। दो जून को सोनीपत के सैक्टर 15 की एक महिला और उसकी लड़की की चाकुओं से हमला करके बुरी तरह से घायल कर दिया। दो जून को ही करनाल जिला के कस्बा नीलोखेड़ी से श्री बाल कृष्ण का राम निवास एस०एच०ओ० के द्वारा अपहरण करके उसके साथ कुकर्म किया गया। दो जून को ही पलवल के पुराना जी०टी० रोड़ पर स्थित जनता होटल के कर्मी जमाल खान की दिन-दिहाड़े चाकुओं से हमला करके बुरी तरह से घायल कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, 3 जून को कैथल जिले के गांव सदलपुर खेड़ी के फूल सिंह और रणबीर का नाजायज हथियारों से लैस लोगों द्वारा अपहरण कर लिया गया, इतना ही नहीं इन दोनों व्यक्तियों को जंजीरों से बांध कर रूह कम्पा देने वाले क्रूर व घिनौने अत्याचार किये गये और पीड़ित लोगों को पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के पास छोड़ कर चले गये। 4 जून को फरीदाबाद की स्थानीय कालोनी नम्बर 5 में एन०आई०टी० के थाने के पास लूटपाट की नीयत से आए 3 लुटेरों ने कबाड़ी का काम करने वाले एक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी। 4 जून को ही कस्बा कलायत में कुछ लुटेरों ने राम दिया नामक व्यक्ति से उसका ट्रैक्टर जबरन छीन लिया। 6 जून को यमुनानगर के निकटवर्ती दुसाहसी गांव के महबूब नामक व्यक्ति की हत्या कर दी गई और एक व्यक्ति को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। 7 जून को रोहतक जिले के गांव मकड़ौली के मोड़ पर कुछ अज्ञात लोगों ने ट्रक चालक अजीत सिंह को लूट कर उसकी हत्या कर दी। 7 जून को जिला झज्जर के गांव लकड़िया भड़ाना 12.30 बजे के पास रात दो अज्ञात सशस्त्र युवकों ने 2 ट्रक चालकों से 23 हजार रुपये छीन कर उन्हें गम्भीर रूप से घायल कर दिया। गोहाना के राम छिछराना गांव में पुलिस के एक सिपाही राम भज को चाकू मार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया। रोहतक के निकटवर्ती गांव कलाहड़ में रणबीर नामक

लड़के ने मांगे राम नामक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी। गुड़गांव के स्थानीय कालोनी में सुनील कुमार की चाकुओं से घायल करके हत्या कर दी गई। हिसार में स्थानीय कैमरी रोड़ पर स्थित महेश कॉलोनी में 40 वर्षीय बंसी लाल नामक व्यक्ति की कुछ नकाबपोश व्यक्तियों ने चाकुओं से और तलवार से हत्या कर दी। गुड़गांव में एक उद्योगपति सुधीर शर्मा रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गये। 11 जून को रोहतक में बावरा निवासी श्री सुरेश गुप्ता के 11 वर्षीय लड़के अमित का फिरोती के लिये अपहरण कर लिया गया। फतेहाबाद जिले के गांव भिरड़ाना में कुलदीप नामक एक व्यक्ति द्वारा गुरदीप नामक एक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी गई। बहादुरगढ़ में सोभी नामक युवक को दो अन्य युवकों ने चाकू से गोद कर मार दिया।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, ये जनरल क्राईम जैसे होते हैं उनको एक्सप्लेन करके एक सैसिएशन क्रिएट करना चाहते हैं। रिझाने में एक भाई ने भाई को मार दिया और इन्होंने कहा कि वह शराब पीता था। अध्यक्ष महोदय, ऐसे क्राईम तो ह्यूमनबिंग का एक हिस्सा है। अध्यक्ष महोदय, जितने भी हमारे यहां पर थाने हैं वहां पर कुछ न कुछ हुआ है हम उससे इन्कार नहीं करते हैं। अगर कोई सीरियस बात है तो ये उस बारे में पूछें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी मनीराम जी सीरियस बात के बारे में कहने की बात कह रहे हैं तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि जठबाड़ा गांव में हथियारों से लैस 14-15 आदमी एक गिरोह के गए और वहां पर 5 लोगों को गोलियों से मार दिया और इतने ही लोगों को घायल कर दिया। वे आदमी तीन घंटे के बाद बहादुरगढ़ में एक मकान में घुस गए और दो लोगों को मार कर चले गए। इस तरह की घटनाएं गुड़गांव, पानीपत और फरीदाबाद में आम हो गई हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह जो जिक्र कर रहे हैं यह ठीक बात है कि दो-तीन घंटे के समय में पांच आदमी मारे गए। वे दोनों भाई मुल्जिम थे उनके साथ कुछ और आदमी थे। दो मुल्जिमों को छोड़ कर बाकी सभी मुल्जिमों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें जो मेन मुल्जिम था उसको हमने गिरफ्तार कर लिया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सरकार की एफिसिएन्सी देख लें। पानीपत, भिवानी, करनाल की जेलों को तोड़ कर मुल्जिम भाग गए। रोहतक में पुलिस की कस्टडी में गोली मार कर चले गए। किसी और की बात छोड़ें आपके सम्बन्धी की कार में बैठे लोगों से नगदी छीन कर ले गए। राम भजन अग्रवाल आपके वजीर हैं इनकी कार भी लूट ली गई और सेठ सिरी किशन दास जी के भतीजे की कार छीन कर ले गए। यह तो आम बात हो गई है। आप किस की रक्षा करेंगे?

नगर एवं योजना मंत्री (सेठ सिरी किशन दास हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जो बात ये कह रहे हैं ये सुरेश की बात कर रहे हैं, उसका क्या झगड़ा था कि बच्चे खेल रहे थे और बच्चे उसको बहला कर कार इन्दिरा कालोनी में ले गए। वहां से उसको बरामद कर लिया गया और सलाह मश्विरा करके मामला सुलझा लिया गया। (विघ्न) ये तो पता नहीं एक लिस्ट ले आए और यहां आकर कुछ भी कह दिया।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, क्राईम के बारे में एक लिस्ट रोज आती है। अगर कोई गैंग लगातार सिस्टेमैटिक ढंग से क्राईम करता आ रहा है और उस पर गवर्नमैंट ध्यान न दे तो वह जरूर गवर्नमैंट का लैप्स है। लेकिन यह कहना कि आज उस थाने में यह हो गया और उस थाने में यह हो गया। यह तो हर थाने में चल रहा है। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय यह सब कुछ लोगों ने इन्हीं के राज में सीखा है। लोगों में से कानून का भय इन्हीं ने निकाला था कि कानून की परवाह ही न करो। यह सब कुछ ये ही करते हैं कोई और नहीं करता है। रेल की पटरी उखाड़ दो, रेलवे स्टेशन जला दो, रेल जला दो, कोच जला दो और बस का डिपो जला दो। अध्यक्ष महोदय, जब मण्डल कमिशन की रिपोर्ट लागू हुई थी तो उस वक्त इनकी सरकार थी, ये ही चीफ मिनिस्टर थे तो इन्होंने सोनीपत का पूरा डिपो ही जला दिया। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली हरियाणा के बोर्डर से लेकर अम्बाला तक दरखत काट-काट कर सड़कों को बंद कर दिया। ये तो ऐसी करतूतें करने वाले हैं और आज ये कानून की बात करते हैं।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी को याद करना चाहिए कि 1989 में जब लोकसभा के चुनाव हुए थे। स्पीकर साहब, आपको भी याद होगा हम भी भिवानी आए हुए थे। स्पीकर साहब, जेलों के अन्दर जितने भी खतरनाक मुल्जिम थे जो कि इनकी पार्टी के कार्यकर्ता थे जिन्होंने हत्याएं की हुई थी, लूटमार की हुई थी उन सबको पैरोल पर छुड़वाकर के थानों से हथियार देकर के भोले-भाले लोगों पर सीधे गोली चलाने के आदेश इनकी तरफ से थे। स्पीकर साहब, इस तरह के षड़यन्त्र इनकी तरफ से होते थे। आज प्रदेश में जिन हत्याओं की बात ये कह रहे हैं वह हत्याएं रूटीन में इनके राज में भी हुई होंगी, इनके राज के बाद जो राज आया उसमें भी हुई होंगी। (विघ्न)

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Speaker Sir, to put the record straight, I want to say that आपको भी अच्छी तरह से मालूम है कि 22 नवम्बर, 1989 को लोक सभा का चुनाव था इनके राज में इनका एक मंत्री, इनका एक एस०पी० और दूसरे आफिसर्ज थे। उन्होंने शहर में 20-25 फोकल प्वायंट बनाकर सब जगह गोलियां चलाईं। एक कंडीडेट को मारने की कोशिश करी लेकिन वह भगवान की दया से बच गया। उसके दोनों पैरों पर गोली लगी लेकिन घुटनों के नीचे। आपको भी याद होगा कि मेरे घर के आगे वहीं आदमी एक वर्कर को गोली से मार गये। मैंने और आपने एफ०आई०आर० दर्ज करवाने की कोशिश की लेकिन न तो टेलीफोन पर वह दर्ज हुई और न ही जब हम थाने गए तब हुई। वहां पर दरवाजा ही नहीं खोला। इनके अधिकारी यह करने में साथ थे। इसमें उम्र कैद हुई थी। उन्होंने चालान पुट-अप नहीं किया। जब हमने इश्तगासा करवाया तो इश्तगासा में कैद हुई। परन्तु अब हमें ये लॉ-एंड-आर्डर की बात बताते हैं। दुनिया भर से एवं यू०पी० से कई हजार कट्टे मंगवाकर इन्होंने लोगों को बांट रखे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, चौटाला साहब लॉ एंड आर्डर की बात कर रहे हैं लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि अमीर सिंह की हत्या के बाद एक सैकिया आयोग का गठन हुआ था और उस आयोग ने अमीर सिंह की हत्या के बारे में जो कहा उसको सारे प्रदेश की जनता और चौटाला साहब अच्छी तरह से जानते हैं। इसलिए अगर ये कानून व्यवस्था की बात करें तो यह अच्छा नहीं लगता। सर, अमीर सिंह जो इनके परिवार का सदस्य हुआ करता था, वह इनके पिता श्री के पैर दबाया करता था तथा वह इनके भाई की तरह इनके साथ हमेशा लगा रहता था, उसकी इन्होंने अपने फायदे के लिए हत्या करवायी। सर, सैकिया आयोग की रिपोर्ट में यह बात साफ तौर पर लिखी हुई है।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : सर, इतना ही नहीं हरिजन और बेकवर्ड मंत्रियों के साथ भी इनके समय में बहुत ज्यादती होती थी।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, यह क्या हो रहा है। आपकी रूलिंग है कि कोई भी बीच में इंटरवीन नहीं करेगा। जबकि पार्लियामैंट्री अफेयेर्ज मिनिस्टर, दलाल साहब एवं लीडर ऑफ दी हाउस बीच-बीच में इंटरवीन करते आ रहे हैं।

श्री बंसी लाल : अगर ये गलत बात कहेंगे तो हम साथ के साथ इनका हिसाब चुकता करते जाएंगे क्योंकि फिर ये सुनने तो आएंगे नहीं और फिर ये भाग जाएंगे। इसलिए हम साथ के साथ इनकी बातों का जवाब देते जाएंगे।

श्री धीरपाल सिंह : फिर हम भी हिसाब चुकता करेंगे।

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे कंट्रोवर्सी एवाइड करें। चौटाला साहब, आप कितने टाईम में कंक्लूड करेंगे?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये लोग जब बार-बार बात करते रहते हैं तो उनको तो आप टोकते नहीं हैं। जब मैं बोलता हूं तो ये बीस-बीस एक साथ बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। आप हाउस के कस्टोडियन हैं। लेकिन जब वे लोग बार-बार बोलते हैं तो आप हंसते रहते हैं। आपकी जिम्मेदारी है कि आप उनको रोकें। हमारा बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : आपका बोलने का तो अधिकार है। आप एक पार्टी के लीडर हैं इसलिए मैं आपको रिमाइंड करवा रहा हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके बोलने का टाईम देने का पैमाना क्या है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि वे कंट्रोवर्सी ऐवाइड करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कंट्रोवर्सी क्रिएट नहीं कर रहा हूं। सामने लिखा हुआ है कि या तो वह सदन में न आए और अगर आए तो सत्य बोलें। अध्यक्ष महोदय, सैकिया आयोग की रिपोर्ट में अगर मेरे खिलाफ कुछ कहा है तो यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मेरे ऊपर मुकदमा चलाए। अध्यक्ष महोदय, इससे पहले भी एक सरकार थी। वह भी ऐसा ही कहती थी और उसने भी इस बारे में इंक्वायरी करवा कर देख ली लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। इसलिए मैं इस सरकार को चुनौती देता हूं कि वह मेरे ऊपर मुकदमा चलाएं। अध्यक्ष महोदय, मनीराम जी ने ठीक कहा। (विघ्न) चौधरी मनीराम जी, एक जून के महीने में ही 65 वारदातें हुई हैं। मैं उन वारदातों का जिक्र नहीं कर रहा हूं जो जनरल हुई हैं।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

कृषि मन्त्री द्वारा-

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। सर, अभी चौटाला साहब ने कहा है कि सैकिया आयोग ने इनके बारे में कोई चर्चा नहीं की है। सर, इस रिपोर्ट में यह लिखा है कि श्री चौटाला और इनके आदमियों की कार्यवाहियों के परिणाम स्वरूप अमीर सिंह की हत्या हुई।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठ जाइए।

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कानून व्यवस्था की स्थिति आज हरियाणा प्रदेश में सबसे ज्यादा दयनीय है जिसकी वजह से आज किसी की जान-माल और इज्जत सुरक्षित नहीं है। व्यापारी की दुकान पर डाका पड़ जाता है और जब व्यापारी प्रदर्शन करते हैं तो उन पर पुलिस लाठी बरसाती है उन पर 307 के मुकदमें दर्ज किये जाते हैं। पहले छोटे-छोटे बच्चों के अपहरण हुआ करते थे और उनको छोड़ने के लिए फिरौती मांगी जाती थी अब तो 60-60 साल के उद्योगपतियों को पकड़कर ले गए। कुछ ही दिनों में 12 पैट्रोल पम्प लूटे गये हैं चौधरी मनी राम जी कानून की रक्षा के मंत्री हैं होम मिनिस्टर हैं इनकी विशेष रूप से जिम्मेदारी है। कौन सी वारदात किस हिसाब से की गई है जो भी घटना इस प्रदेश में घटती है हरेक वर्ग के जान माल की हिफाजत करना सरकार की जिम्मेदारी है। (घंटी) अगर कानून व्यवस्था की स्थिति ऐसे ही बिगड़ गई तो ऐसा समय आने में देर नहीं है जब आपको और मुख्यमंत्री को पुलिस थाने में रपट लिखाने जाना पड़ेगा कि मेरे परिवार का फलां सदस्य घर वापस लौटकर नहीं आया। (घंटी) स्पीकर सर, मैं कंक्लूड करने जा रहा हूं। प्रदेश आज जिस दशा से गुजर रहा है उसके लिए अगर कोई दोषी है तो वह सरकार दोषी है अगर मैं यह कहूं तो उपयुक्त होगा कि आज प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं है। सरकार का काम होता है कि किसान के खेत की पैदावार बढ़ाने के लिए पूरा पानी दें, पर्याप्त मात्रा में बिजली दें, अच्छे बीज दें, खाद दें और उसकी उपज के लाभप्रद मूल्य दे, हर वर्ग के लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करें। प्रदेश के लोगों को शिक्षित करने के लिए शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए और हर नागरिक को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। आज हालत यह है कि अस्पतालों में डाक्टर नहीं हैं। नर्सें हड़ताल पर हैं इस सब में मरीजों की हालत सबसे ज्यादा दयनीय है कोई कर्मचारी हड़ताल पर जाता है तो सरकार उसे बातचीत का अवसर प्रदान करे। डैमोक्रेटिक सैट-अप में ये मसले गोली और लाठी के बल पर हल नहीं हुआ करते बातचीत के द्वारा हल होते हैं। सरकार को सोचना चाहिए कि हड़ताल से मरीजों पर क्या बीतती होगी। जो बीमार पड़े हैं सरकार को उनका ख्याल भी रखना चाहिए। सरकार को चाहिए कि व्यापारियों के व्यापार को फलने-फूलने का अवसर प्रदान करे। करों में सरलीकरण करे, चुंगी और इंस्पैक्टरी राज से छुट्टी दिलाए। अगर व्यापार फलेगा फूलेगा तो खजाने में ज्यादा पैसा आएगा। खजाने में ज्यादा पैसा आएगा तो राज्य में विकास के काम ज्यादा होंगे। विकास के कामों को गति मिलेगी, कालेज और अस्पताल खुलेंगे, चारों तरफ बहुमुखी विकास होगा और हर वर्ग के लोगों को रोजगार मिलेगा तो प्रदेश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता जाएगा। कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार करना सरकार की जिम्मेदारी है। आंकड़ों से काम नहीं चलेगा। (घंटी) वित्त मंत्री जी ने जो आंकड़े दिखाए हैं वे सारे अनर्गल हैं आज हालात यह है कि प्रदेश में निरन्तर टैक्सों का बोझ बढ़ता जा रहा है। बजट में टैक्स न लगाकर वाहवाही लूटने का प्रयास किया जाता है और बाद में टैक्स लाद दिये जाते हैं अगर गलत टैक्स लगाए जाएं तो वापस लिए जाने चाहिएं (धन्यवाद)।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति) : स्पीकर सर, कल वित्त मंत्री जी ने वर्ष 1998-99 के बजट अनुमान रखे। कल भी एक-एक बात में यह लग रहा था कि जो प्रतिबद्धता अपने दिये हुये आश्वासनों के अनुसार सरकार को देनी चाहिये थी उसका बजट में सर्वथा अभाव था। लेकिन कल कोई भी बात नहीं सुनी गयी बस यह समझा गया कि विरोध पक्ष वाले तो विरोध करने के लिए विरोध कर रहे हैं। शाम को कई बार इस बजट को पढ़ने की कोशिश की। हमारा रोल सरकार के सही काम में रचनात्मक सहयोग करने का है यह हमने पहले भी आश्वासन दिया हुआ है उस पर हमारे विपक्ष के

भाई चाहे उस बात का विरोध करें लेकिन हमारा रचनात्मक सहयोग रहेगा। क्योंकि प्रदेश की हालत को देखते हुए जितनी बात यहां पर विपक्ष के नेता द्वारा रखी गई है उस पर यह कह देना कि तुम्हारी सरकार ने क्या किया था यह ठीक नहीं है। क्योंकि जिस भी सरकार ने गलत किया था उसकी सजा उसको जनता ने दे दी है अगर हमने किया होगा तो हमें भी मिल गई। कुछ दिनों से राजनीति में एक बात आ गई है कि लोगों को आश्वासन देते जायें, उनको पूरा चाहे करें या न करें और आश्वासन देते समय यह नहीं देखते कि इनको पूरा कैसे करेंगे और यह स्थिति दस वर्ष पहले से शुरू हुई है। पहले तो ऐसा माना जाता था कि अगर पब्लिक से किया हुआ वायदा पूरा नहीं किया तो उनके बीच में कैसे जायेंगे और इस बात के लिए सरकार दोषी पाई जाती कि वह जिम्मेदारी के साथ लोगों की भावनाओं को क्षुब्ध करने के लिए और भावनाओं के किसी ऐसे मुद्दे के लिए उनकी अकर्मण्यता लाने के लिए कुछ भी कह दिया जाता। उसका परिणाम यह हुआ है कि हरियाणा प्रदेश को जो एक आदर्श प्रदेश माना जा सकता था जिसकी कानून व्यवस्था पर पूरा देश नाज करता था और इस प्रदेश के उदाहरण दिये जाते थे। परन्तु आज अगर कोई व्यक्ति रेल या बस से सफर करके शाम को अपने घर सही सलामत लौट आये तो इसमें सरकार की कोई कंट्रीब्यूशन नहीं है यह तो सिर्फ उस परम पिता परमात्मा की कृपा है। ऐसा करके हम न केवल अपने फर्ज के साथ कोताही कर रहे हैं बल्कि ऐसे नाजायद आश्वासन देकर किसी भी तबके को चाहे वह किसान हो, चाहे मजदूर हो और चाहे महिलायें हो किसी को ऐसे आश्वासन देकर उनको पूरा न करना उनके लिए गलत साबित होता है क्योंकि उसके सामने दो विकल्प रह जाते हैं। कहने वाला तो पीछे हट जाता है लेकिन चाहने वाला तो यह चाहता है कि उसको वह पूरा करें चाहे कैसे भी पूरा हो, चाहने वाला कभी पीछे नहीं हटता है और उस बात को पूरा करने के लिए वह गलत रास्ता अख्तियार करता है। उदाहरण के लिये मैं कहना चाहती हूं कि नौजवानों के सामने ऐसे वायदे किये गये कि हरेक हाथ को काम देंगे। काम नहीं मिला तो पैट्रोल पम्प या गैस एजेन्सी देंगे। यह सब तो हुआ नहीं। सब जानते थे कि होने वाला कुछ नहीं है क्योंकि सब को रोजगार देना सरकार के वस की बात नहीं है लेकिन कह दिया। रोजगार हर आदमी चाहता है और हर आदमी काम चाहता है। शराब बंदी की गई तो हमें खुशी हुई क्योंकि मैं खुद महिला हूं लेकिन उस वक्त मैं व्यक्तिगत तौर से यह चाहती थी कि शराब बंदी प्रदेश में होनी चाहिये। परन्तु शराब बंदी रुकी नहीं इसमें सरकार का कोई दोष नहीं था यह हम सबकी कमजोरी है कि वोटों के आगे हम सब झुकते हैं परन्तु बुराई के आगे नहीं। सबसे बड़ी कमी यह रही कि सरकारी संरक्षण में शराब बिकवाई गई। खासतौर से उन नौजवानों को जिन्होंने गैस एजेन्सी और पैट्रोल पम्प देने के वायदे किये थे और नौकरी दिलवाने के वायदे किये थे उनसे कहा गया कि अगर तुम्हें क्लर्क बना दिया तो क्या कमा पाओगे परन्तु अगर तुम दो ट्रक शराब बेच देते हो तो तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा और दो लाख भी मिल जायेंगे।

श्री बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, ऐसा किसी को कुछ नहीं कहा है।

श्रीमति करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं इनका नाम नहीं ले रही हूं। मैं किसी का भी नाम नहीं ले रही हूं। लेकिन आप सही मानें कि कहीं यह बात हुई है जो मेरी जानकारी में है तभी तो मैं कह रही हूं। मैं यह कहना चाहती हूं कि इस प्रकार के हालातों में प्रदेश के नौजवान उग्रवादी बन गए हैं और वे ट्रक वालों व कार वालों के साथ लूटपाट करते हैं। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री जी, आप चाहें कुछ भी मानते हों, पार्टी के मतभेद आप के अंदर होंगे। लेकिन मैं पूरे समाज की बात करती हूं। पूरे प्रदेश में आप एक बहुत बड़ी शख्सियत होती थी व एक लोह पुरुष के रूप में आपको जाना जाता था लेकिन आज हालत ये हैं कि इस प्रदेश के अंदर न केवल हत्याएं, लूटमार, पैट्रोल पम्पस इत्यादि की लूटपाट हो रही है बल्कि 6-7, 8-10 वर्ष की कन्याओं के साथ जो जघन्य अपराध हो रहे हैं, यह खतरे की घंटी है। आखिर हमें

[श्रीमति करतार देवी]
इन को रोकना चाहिए। यह उम्र तो स्कूल में जाने की है। (शोर एवं व्यवधान) बहिन गहलावत जी, आपको तो इस विषय में नहीं बोलना चाहिए। यह तो हमारे वर्ग की ही बात है। यह उम्र तो बच्चों को टॉफी दिखाकर प्रलोभन देने की होती है। (विघ्न) इस प्रकार के अपराध बढ़ रहे हैं। आखिर हम कहां पर टिकेंगे ? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण घटना की ओर दिलाना चाहती हूं जो रोहतक शहर के समीप पहराव गांव में पिछड़े वर्ग की एक बालिका के साथ घटी। मैं और ज्यादा नामों की चर्चा नहीं करना चाहती हूं नहीं तो आप फिर कहेंगे कि मैंने अखबार लाकर पढ़ दिया है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के घर के पीछे कृष्णा कॉलोनी भिवानी में दो घटनाएं घटी हैं। इन में से एक केस तो रिपोर्टिड है तथा दूसरे केस में रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। आपके हेतमपुरा में इसी प्रकार की एक घटना घटी है। इन केसिज़ में सच्चाई का पता लगाना चाहिए। लेकिन सरकार को इस प्रकार की घटनाओं के प्रति कोई सहानुभूति व दुःख दर्द नहीं है। हेतमपुरा में हरिजन लड़की के साथ बलात्कार का केस हुआ है। बलात्कार के बाद उसकी हत्या करके उस लड़की की लाश को बोरी में बंद करके तालाब में डाल दिया गया था। आप भी जानते हैं कि हत्या होने के बाद लाश को बोरे में केवल एक व्यक्ति बंद करके तालाब में नहीं डाल सकता है। इसलिए उस ने दूसरे साथी का नाम भी लिया लेकिन दूसरे अपराधी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बहिन करतार देवी की इत्तलाह के लिए बताना चाहता हूं कि एक मुल्जिम क्राइम ब्रांच को दे दिया गया है ताकि बिल्कुल फेयर व इंपार्शियल जांच हो सके। हम किसी भी मुल्जिम को बचाने की कोशिश हरगिज नहीं करेंगे। (शोर)

लोक स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : अध्यक्ष महोदय, जो बहिन जी हेतमपुरा गांव की घटना का जिक्र कर रही हैं, उसके बारे में मैं बताना चाहता हूं क्योंकि मेरी उस गांव के घरों में जानकारी है। (शोर) इस केस में वे लोग मेरे साथ सीधे तौर पर जानकारी होने की वजह से मेरे से मिले थे, उसी समय मैंने एस०पी० को कह दिया। पिछले सैटरडे मैं, सांगवान साहब और सुरेन्द्र सिंह, एम०पी०, उनके घरों में गए और यहां तक कह दिया कि इस हरियाणा प्रदेश के किसी भी डी०एस०पी०, इंस्पैक्टर, सब इंस्पैक्टर चाहें किसी भी जाति का हो उसको लगवा लो। हम पूरी तरह से उनके साथ हैं। जो हुआ है वह बहुत बुरा हुआ है और उसकी इन्क्वायरी चल रही है।

श्रीमति करतार देवी : मुख्य मंत्री जी ने कहा कि इन्क्वायरी चल रही है मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करती हूं और मैं ऐसे घिनौने कामों को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहती। मैंने तो उनको पहले ही कह दिया था कि आप मुख्यमंत्री से मिलिए वे ही इसका निराकरण करेंगे। इतनी विकृतियां समाज में आ गई हैं इनके परिणाम बहुत ही भयंकर होंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं फिर आफर करता हूं कि ये जिस किसी ऑफिसर से इन्वैसटीगेशन करवाना चाहते हैं, हम ये इन्वैसटीगेशन उसी को दे देंगे।

श्रीमति करतार देवी : मैं किसी ऑफिसर से इन्क्वायरी का बात नहीं करती लेकिन जिसने भी यह अपराध किया है वह व्यक्ति गिरफ्तार करवा दें।

श्री बंसी लाल : वह जरूर गिरफ्तार करवा दिया जाएगा।

श्रीमति करतार देवी : ठीक है जी।

स्थानीय शासन मंत्री (श्रीमति कमला वर्मा) : अध्यक्ष महोदय, इनके राज में रेणुका कांड, द्रौपदी कांड आदि कांड हुये (शोर)

श्रीमति करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, आप सत्ता पक्ष के भाइयों और बहनों को बताएं कि अगर कांड हुये थे और उनमें कोई सच्चाई है तो अब आपकी सरकार है और आपके हाथ खुले हुये हैं आप उनको सजा दें। हर बार यह कह देना कि तुमने क्या किया, ठीक नहीं है। मेरा किसी से व्यक्तिगत द्वेष नहीं है। मैं अपने दुःख से बोल रही हूं और इस आशा से बोल रही हूं कि आप इस तरफ ध्यान देंगे और इस प्रकार के अपराधों पर अंकुश लगाएंगे। सरसांग गांव में पंचायत की जमीन है जो हर साल नीलाम होती है कुछ गरीब लोग खरीदते हैं और कुछ दूसरे लोग खरीदते हैं। लेकिन इस साल पंचायत की जमीन पर कब्जा कर लिया गया। बी०डी०ओ० ने रिपोर्ट करवाई और सरपंच भी उसके साथ चला गया। मैं उनको मुख्यमंत्री के पास लेकर आई और मैं मुख्यमंत्री महोदय की बड़ी शुक्रगुजार हूं कि इन्होंने डी०सी० और एस०पी० को आर्डर दिए लेकिन परिणाम यह हुआ कि दो महीने हो गए हैं आज तक उस जमीन की दोबारा बोली नहीं हुई। जिस सरपंच ने बी०डी०ओ० के साथ मिलकर रिपोर्ट करवाई थी उसके दोनों पैर तोड़ दिए गए, उसके ऊपर कातिलाना हमला करवाया गया। इसी तरह वाकल गांव की बात नोटिस में लाई गई है। 20 तारीख तक मेरे यहां आने तक उस केस में कोई कार्यवाही नहीं हुई। आज जब ऐसी व्यवस्था चल रही है कि कोई कुछ बात नहीं कर सकेगा तो बाकि विकास की बात कहां रह जाएगी। इसलिए मैं अनुरोध करना चाहती हूं कि सबसे पहले सरकार का ध्यान इस तरफ होना चाहिए कि आज समाज में जो प्रवृत्तियां जैसे अबोध बालिकाओं को उठाने की और गरीब लोगों को दबाने की हो रही है उन पर रोक लगनी चाहिए। आज समाज में ऐसी व्यवस्था पैदा करने की कोशिश करें ताकि समाज में व्यक्ति जी सके। इसके साथ ही मैं एक बहुत ही जरूरी बात कहना चाहूंगी। हरियाणा प्रान्त की लाइफ लाइन बिजली और पानी है। उसके बारे में भी हमें आशाएं बहुत हैं। क्योंकि आपका इलाका भी टेल पर पड़ता है वह बहुत सूखा इलाका है। हम समझते थे कि जिसके पैर में बिवाई फटी हुई है वह तो सब के दर्द जानता होगा। कहा भी बहुत कुछ गया है मैं केवल एस०वाई०एल० के बारे में कहना चाहूंगी। एस०वाई०एल० का पानी ही नहीं बल्कि हमें यहां तक आशा दिलाई गई थी कि हरियाणा प्रान्त में गंगा का पानी भी आपको ला कर दिया जाएगा। स्पीकर साहब, इस बजट को देखने से पता चलता है कि एस०वाई०एल० के प्रति भी कितनी उदासीनता का रूझान बरता गया है और कहा गया कि प्रान्त में सिंचाई की व्यवस्था उसके पानी के आने पर निर्भर करती है। मैं कहना चाहूंगी कि सैंटर में प्रकाश सिंह बादल सरकार को सहयोग दे रहे हैं और सैंटर में भाई राम विलास जी की पार्टी की सरकार है और चौटाला साहब भी उसको समर्थन दे रहे हैं तो अब तो एस०वाई०एल०कैनाल मुकम्मल करवाने में कोई बात ही नहीं होनी चाहिए एस०वाई०एल० कैनाल प्रकाश सिंह बादल खुदवा देंगे। आपने केन्द्रीय सरकार को समर्थन देने के लिए कोई तो शर्त रखी होगी यदि शर्त रखी है तो आप प्रकाश सिंह बादल पर एस०वाई०एल० को कम्पलीट करवाने के लिए दबाव डलवाएं। पता नहीं चौटाला साहब को एकदम से कैसे यह प्रेम जागा कि ये भी उधर समर्थन दे रहे हैं। यदि आप उनको समर्थन दे रहे हैं तो आप उनसे एस०वाई०एल० बनवाएं। प्रकाश सिंह बादल ने पिछले दिनों विधान सभा में यह कहा कि हम हरियाणा प्रान्त को एक बूंद पानी नहीं देंगे। आप यह देखें कि यह क्या हो रहा है। एक बात मैं जरूर कहना चाहूंगी। आपने नरवाना और भाखड़ा ब्रांच की कैपेसिटी बढ़ाने का एक काम बहुत अच्छा किया है। कहीं ऐसा न हो कि आपने जो अढ़ाई करोड़ रुपया इस काम के लिये पंजाब को दिया है वह पैसा एस०वाई०एल० की तरह भी चला जाए और कहीं कुछ भी न हो। इसके साथ ही मैं आपसे यह कहना चाहूंगी कि हमारा जो झज्जर और दक्षिणी हरियाणा का इलाका है जहां पर आपने टेल पर पानी पहुंचाने

[श्रीमति करतार देवी]
का वायदा किया था वहां टेल पर पानी पहुंचने की बात तो दूर रही वहां पानी आता ही नहीं है। आप एन०बी०सी० की कैपेसिटी बढ़ाने की तरफ ध्यान दें जिससे आपने एक हजार क्यूसिकस पानी लाने की बात कही है उसकी कैपेसिटी बढ़ाने से रोहतक, झज्जर और दक्षिणी हरियाणा के लोगों को पानी मिलेगा। मैं आशा करूंगी कि आप मेरे इस कंस्ट्रैक्टिव सुझाव की तरफ ध्यान देंगे।

इसी तरह से बिजली की बात है। यमुनानगर के अन्दर गैस बेस्ड परियोजना के लिए दि दैन प्राइममिनिस्टर ने आधार शिला रखी थी और उसके बारे में उस समय सदन के अन्दर बहुत बड़ी बड़ी बातें हुई थी। कोई ग्लोबल टैंडर की बात कर रहे थे कोई कुछ कह रहे थे। यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि अगले दो साल में आपकी तरफ से हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली देने का जो वायदा है उसके लिए परियोजनाएं क्या हैं और किन किन परियोजनाओं पर काम चालू है। आपने एक पुरानी बात कह दी कि गैस पर आधारित बिजली का उत्पादन संयन्त्र एन०टी०पी०सी० लगाएगा और यह परियोजना शत-प्रतिशत हरियाणा के लिए होगी। यह बात तो बहुत पहले की है। अगर आप देखें तो इस बात का जिक्र हमारे टाईम के बजट में है। सदन को इस बात का पता होना चाहिए कि आने वाले एक डेढ़ साल में 24 घंटे बिजली देने के लिए कौन कौन सी परियोजनाएं हैं ? 24 घंटे बिजली तो तभी मिलेगी जब आपके पास कोई परियोजना होगी। शब्दों का जाल पढ़ने से बहुत अच्छा लगता है और ऐसा लगता है कि यह बहुत अच्छा लिखा हुआ है लेकिन अगर उसको गहराई से देखें तो यह पता ही नहीं लगता कि उसकी दिशा क्या है। उसकी दिशा ना है या हां है।

इसके साथ ही अब मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगी। शिक्षा जो वास्तव में इन्सान को इन्सान कहलाने का अधिकार रखती है। हमने अपनी स्वाधीनता की स्वर्ण जयन्ती मनाई है। इस वक्त शिक्षा की तरफ बहुत ज्यादा ध्यान देना चाहिए था। मुख्य मंत्री जी मुझे बड़े ही दुख के साथ कहना पड़ता है कि मेरे यहां जहां ज्यादा कालेजों की जरूरत थी वहीं पर आपने रोहतक के कालेज की सांयकालीन क्लासिज बंद कर दी। महिला कालेज झज्जर के कुछ विषय बंद कर दिए उस कालेज से साइंस की क्लास हटा दी गई। इसके साथ साथ मैं कहना चाहूंगी कि बिजली एक आम आदमी की जरूरत की चीज है और यह एक वैल्फेयर स्टेट होने के नाते सरकार को इसकी कीमतों पर कंट्रोल करना चाहिए। किसान और मजदूर को खलियान में सस्ती बिजली दी जानी चाहिए लेकिन आप तो बिजली के निजीकरण की तरफ जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में जो औटोनोमस बाडीज थी वहां के रजिस्ट्रार सरकार ने अपने हाथ में ले लिए यह तो आपकी मर्जी है क्योंकि आपकी मैजोरिटी है इसलिए आप किसी की कोई बात क्यों सुनेंगे। मैं शिक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि आप उन विश्वविद्यालयों के बारे में भी सोचें जिनमें रिजर्वेशन की पालिसी लागू है क्या वह रिजर्वेशन पालिसी नान टीचिंग स्टाफ की भर्ती में और स्टूडैंटस के दाखिलों में लागू होती है ? इतना ही नहीं, बल्कि एम०डी०यू० में एक दृश्य देखने में आया। वहां पर दलित वर्ग के छात्रों ने अपनी मांगों के लिए अम्बेडकर नाम से एक फ्रण्ट बना लिया। इस फ्रण्ट ने कुछ मांगें रखीं। इन लड़कों में कोई भी लड़का उत्पाती किस्म का नहीं था। आज हालत यह हो गयी है कि यदि कोई एक आदमी किसी मांग के लिए जाता है तो उसकी बात सुनी नहीं जाती इसीलिए लोग मजबूरन यूनियनें बनाते हैं और उसके माध्यम से अपनी बातें रखते हैं। इसी तरह इन बच्चों ने भी यू०जी०सी० के तहत जो सुविधाएं दी हुई हैं, जैसे लैक्चरर की है या कुछ दाखले है, की मांग की। इस मांग पर उनको परिणाम यह मिला कि उनमें से 9 लड़कों पर केस बनाए गए, 7 बच्चों के प्रमाणपत्र रोक लिए गए और दो छात्रों को कहीं पर भी दाखिला न मिले यह हिदायतें जारी कर दीं। हम एक तरफ तो आज स्वर्ण जंयती मना

रहे हैं और दूसरी तरफ छात्रों के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं। आज हर कोई फैडरेशन बना कर अपनी मांग पूरी करवा रहा है। छात्र स्टूडैंट्स फैडरेशन बना रहे हैं। छोटे छोटे किसान अपनी यूनियनें बना रहे हैं। आज क्या हो रहा है कि जब कोई इस तरीके से भी अपनी मांग रखता है तो उसकी आवाज को दबा दिया जाता है। आवाजें कभी दबा नहीं करतीं चाहे उसको कितनी ही दबाने की कोशिश की जाए। ये यूनिवर्सिटी में न सही, यहां पर न सही तो सड़कों पर तो या गलियों में तो उनको कोई रोक नहीं सकता। ये आवाजें बन्दूकों की गोलियों से डरती नहीं। ये आवाजें जब उठती हैं तो कुछ परिणाम लेकर ही जाती हैं।

यहां पर कर्मचारियों के वैल्फेयर के बारे में काफी कुछ लिखा। मैं मानती हूं कि किसी सरकार के लिए कर्मचारी ही उसके हाथ पैर होते हैं। यहां पर आज प्रोफेसर सम्पत सिंह जी का एक सवाल इसी बारे में लगा हुआ था। मैं यह नहीं कहती कि कर्मचारियों को पांचवा वेतन आयोग ज्यों का त्यों दिया जाये। हो सकता है कि सरकार की कुछ फाइनेंशियल मजबूरी हो इसलिए उसे उसी तरह से लागू नहीं कर पा रहे हों। लेकिन आपने कर्मचारियों को इस रिपोर्ट को लागू करने की वचनबद्धता दी थी। आज के दिन नर्सें स्ट्राईक पर हैं। स्ट्राईक करना कोई जुर्म नहीं है। उनका अधिकार है। हरियाणा में पहली बार नर्सें स्ट्राईक पर गई हैं। मैं भी मंत्री रही हूं और 2 बार यह महकमा मेरे पास रहा है। जब नर्सें मुझसे मिलती थीं तो वे कहा करती थीं कि चाहे कुछ भी हो जाए हम हस्पताल बन्द नहीं होने देंगी। हम मरीजों की सेवा लगातार करेंगे। उनकी बात पूरी न करना ठीक नहीं लगता क्योंकि सभी को पता है कि डाक्टर तो एक बार दवाई लिखकर चला जाता है तो बाद में नर्सें ही उस मरीज को संभालती हैं। आज वे 5वां वेतन आयोग ने जो फायदे दिए हैं वही आपसे मांग रही हैं। यदि आप उनको पूरा नहीं दे सकते तो उनको समझाएं-बुझाएं। उन पर लाठियां-गोलियां न चलवाएं। आज सरकार उनसे बात चीत करने के लिए तैयार नहीं है। मैं बताना चाहती हूं कि जब हम छोटे थे तो एक बार हमने राजघाट पर भूख हड़ताल की। उस वक्त पं० जवाहरलाल नेहरू प्रधान मंत्री होते थे और सरदार प्रताप सिंह कैरों मुख्यमंत्री हुआ करते थे। तो उस वक्त पं० नेहरु ने कहा कि कैरों साहब आप जा कर इनसे बात करो। कैरों साहब कहने लगे कि यह तो मेरे खिलाफ ही है और मैं बात कैसे करूं तो पं० नेहरू ने कहा कि जिसके पास देने के लिए कुछ होता है और चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो यदि वह अपने से छोटों की बात सुनता है और उनको कुछ देता है तो वह छोटा नहीं हो जाता, वह महान होता है। उस वक्त फिर कैरों ने हमारे से बात की। यही मैं कहना चाहती हूं कि ये नर्सें जो हड़ताल पर हैं और कुछ वापस आ गई हैं, आप उनसे बात करें। जो बहनें जेलों में हैं उनको रिहा करें और जिनको नौकरी से निकाल दिया गया है उनको वापस नौकरी पर लें यही महानता आपकी होगी क्योंकि आज उनको पे न मिलने के कारण उनके बच्चे बर्बाद हो रहे हैं। इसलिये सरकार को उदारदिली से उनके साथ बातचीत करनी चाहिए और उनको समझाने की कोशिश करनी चाहिए और उनको रजामंद करके हड़ताल को खत्म करवाएं और उनकी मांगों को जो मान सकते हैं मानें। आप औरों की भी तो मांगें मानते हैं और उनकी डिमांड पूरी करते हैं। मेरा यही कहना है कि उन बहन बेटियों की मजबूरी को समझकर उनके साथ समाधान का हाथ बढ़ाएं।

इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहती हूं कि आज सुबह प्रश्नकाल के दौरान करनाल के व्यापारियों के बारे में चर्चा चली थी कि करनाल में व्यापारी एजिटेशन कर रहे हैं। पिछली सरकारों के वक्त में क्या होता था इसका तो मुझे पता नहीं है लेकिन कांग्रेस सरकार में जहां व्यापारियों को जगह दी जाती थी तो वह रिज़र्व प्राइस पर ही दी जाती थी। सरकार खुद उनको वहां पर ले जाना चाहती है इसलिए जो लाईसैंसधारी हैं उनको रिज़र्व प्राइस पर कांग्रेस के वक्त में प्लॉट मिलते थे उनको वह मिलने

[श्रीमति करतार देवी]

चाहिएं। वे सरकार से कोई नौकरी की मांग नहीं कर रहे हैं। वे अपने साथ ही अपने बच्चों को भी काम पर लगाते हैं, प्रदेश की पर-कैपिटा इन्कम को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं इसलिए सरकार को इनकी मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए और इस ओर सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहती हूं कि हमारा देश एक लोकतन्त्र है इस लोकतन्त्र पर हम सब का गुजारा होता है, कभी एक व्यक्ति मुख्य मन्त्री बना तो कभी दूसरा व्यक्ति मुख्य मन्त्री बना, जो इस प्रकार की इच्छा रखते हैं उनका अस्तित्व केवल एक बात पर निर्भर करता है कि आप लोकतन्त्र में अपनी प्रतिबद्धता दिखाएं। हो सकता है कि सारी बात पूरी न हो सके कम से कम यह तो लगे कि उस डायरैक्शन में चल रहे हैं। आज मीडिया में राजनेताओं की जो छवि बन गई है वह भ्रष्टाचार को बढ़ाने में आगे रहने वाले व्यक्ति के रूप में बन गई है जब कि होना यह चाहिए कि जो नेता है वह लोगों का सही नेतृत्व करें और लोगों की श्रद्धा नेताओं के प्रति बने और उनमें नेताओं के प्रति श्रद्धा का भाव होना चाहिए। वह तभी हो सकता है जब हम लोगों की आकांक्षाओं के मुताबिक काम करें। हम में यह साहस होना चाहिए कि हम किसी भी काम में कोई झूठ न कहें स्पष्ट यह कहें कि यह हमारे सामर्थ्य की बात नहीं है, इतना काम हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं सदन के नेता से आशा करती हूं कि जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर मैंने अपने विचार व्यक्त किए हैं उन पर विचार करें और इस बात पर जरूर ध्यान दें कि सड़कों या विकास की दूसरी बातों के मामले में इस बात को न देखें कि यह फलां एम०एल०ए० का हल्का है या यह अमुक पार्टी के विधायक का हल्का है। विकास के जितने भी कार्य हैं वे समान रूप से पूरी स्टेट में होने चाहिएं। सड़कें और दूसरी जो सुविधाएं हैं वे सभी लोगों को बराबर मिलनी चाहिएं क्योंकि सभी लोग समान रूप से भागीदार हैं।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं विधायक एरिया ग्रान्ट के लिये बार-बार कहती हूं। यह ग्रान्ट देने में सरकार का क्या जाता है। ब्लॉक स्तर पर या विधायक के क्षेत्र में जितने भी डिवैल्पमैंट के काम होते हैं उन सब में विधायक की भागीदारी होनी चाहिए क्योंकि विधायक ही जनता तथा सरकार के बीच की कड़ी है इसलिए उसे बेहतर ज्ञान होता है कि कहां-कहां क्या-क्या डिवैल्पमैंट के कार्य होने हैं। अध्यक्ष महोदय, अब तो सरकार ने शराब बन्दी को भी समाप्त कर लिया है और शराबबन्दी के कारण जो खजाना खाली हो रहा था अब उसमें काफी राजस्व इकट्ठा हो चुका है इसलिए सदन में सभी सदस्यों के हल्कों की ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए। विधायक राज्य में डिवैल्पमैंट के कार्यों में तथा राज्य के विकास में अपना रचनात्मक सहयोग देना चाहते हैं, मेरे ख्याल से इसमें सरकार को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर कोई सड़क या गली बन रही है तो एम०एल०ए० बीच में रह कर अच्छा काम करवा सकता है और लोकतन्त्र की परम्परा और गरिमा का भी यही तकाजा है कि विकास के कार्यों में विधायकों का रचनात्मक सहयोग लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करती हूं तथा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करती हूं।

श्री राम पाल माजरा (पाई) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया है। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश भर के लोगों को बजट से अनेकों अपेक्षाएं होती हैं। बजट सरकार की कारगुजारी का लेखा-जोखा होता है, सरकार की प्राथमिकताएं होती हैं। इसी प्रकार से प्रदेश के किसानों को आशा थी कि उन्हें 24 घंटे बिजली मिलेगी, 24 घंटे के अन्दर-अन्दर बिजली का कनैक्शन मिलेगा, 24 घंटे के अन्दर ट्रांसफारमर बदला जाएगा। प्रदेश के अन्दर एस०वाई०एल० का समझौता लागू होगा, आगरा कैनाल का कंट्रोल हरियाणा प्रदेश को प्राप्त होगा, दादूपुर

नलवी नहर खोदी जाएगी (विघ्न) प्रदेश के विकास में वृद्धि होगी परन्तु अध्यक्ष महोदय, यह बजट एकदम आशा के विपरीत है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने एकदम कर्मचारी विरोधी, मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और व्यापारी विरोधी बजट प्रस्तुत किया है। इस बजट पर मुझे एक शेयर याद हो आया है :-

तेरी नीयत को इकरार सोच लिया

वायदा कहीं पूरा नहीं हुआ है, बंसी लाल सरकार समझ लेता हूं।

13.00 बजे स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश में सड़कों के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। प्रदेश भर के लोगों को चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि कोई भी सड़क पर छेगली नहीं लगा सका, कोई टांकी नहीं लगा सका। मैंने ही सड़क बनाई थी जिसकी वजह से यह टूट गई और कोई भी ऐसा लाल पैदा नहीं हुआ जो इसके ऊपर कुछ कर सके। हरियाणा प्रदेश के अन्दर बजट में प्रावधान किया गया कि इतने सौ करोड़ रुपये वर्ल्ड बैंक से लिए गए। वर्ल्ड बैंक से स्कीमें आती हैं। हमें ध्यान रखना चाहिए कि क्या उस पर खर्च ठीक ढंग से भी होता है या नहीं। हरियाणा प्रदेश में किसी प्रकार से पुल बनाने की बात भी कही गई कि प्रदेश के अन्दर पुल बनाएंगे। 16 पुल हम बनवाएंगे और 5 पुल नाबार्ड बनवाएगा। अध्यक्ष महोदय, एक पुल जमुना नदी पर बना। इस पुल का निर्माण करनाल वाई पास से चलकर नए छोर पर किया गया। इसकी कीमत उस वक्त जब यह पास हुआ था 6 करोड़ रुपये थी। इस पुल को बनाने के लिए जिन आईटम्ज को लगाने का एग्रीमैंट था वह नहीं लगाई गई। जो आईटम्ज लगाई गईं उनके रेट्स इतने लगाए कि साढ़े चार करोड़ रुपये फालतू उस पर लग गए। अध्यक्ष महोदय, इसके ऊपर मुख्यमंत्री जी ने इन्क्वायरी मार्क कर दी और इसमें अफसरान दोषी पाए गए। दोषी अफसरान के खिलाफ एफ०आई०आर० दर्ज करवाई गई। लेकिन उन आफिसर्ज को सुरक्षा प्रदान करने के लिए हमारे मंत्री जी ने उनको संरक्षण दिया। अध्यक्ष महोदय, यह पुल हरियाणा प्रदेश की पुश्तों तक काम आना था लेकिन इस पुल के अन्दर घटिया किस्म का मैटीरियल लगाया गया है। जिन अधिकारियों के खिलाफ एफ०आई०आर० दर्ज है उनको बचाने के लिए इस एफ०आई०आर० को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। यह एफ०आई०आर० एस०डी०ओ० और ऐक्सियन के खिलाफ दर्ज करवाई गई है। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहता हूं कि इसमें एस०डी०ओ०, ऐक्सियन, जे०ई० और एस०ई० सभी शामिल हैं इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि इसमें जांच करके उन अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए जिन्होंने हरियाणा प्रदेश के पैसे को खुर्दबुर्द करने का काम किया है। इसी प्रकार से नेशनल हाई-वे पर काम किया गया। उसमें इ०आई०सी० ने 17 जे०ईज० को सस्पैंड करने के आर्डर कर दिए लेकिन मंत्री जी ने उनके आर्डर को रुकवाने का काम किया। वे उन इन्क्वायरी आफिसर्ज को बदलते रहे जिनमें इन्क्वायरी आफिसर्ज सतबीर सिंह और कपूर शामिल थे। इन आफिसर्ज ने इन्क्वायरी की और इन्क्वायरी में पाया कि 20 लाख का बिटूमिन कम है। उस रिपोर्ट को भी इन्होंने खुर्दबुर्द करने की कोशिश की। अध्यक्ष महोदय, एक कम्पनी, ऐक्सियन और मंत्री जी इसमें शामिल हैं। वे मिलजुल कर इसको दबाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि मंत्री जी इतने बड़े कांडों को दबाने की कोशिश न करें।

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहता हूं कि ये सदन में जो कह रहे हैं यह असत्य बात है। इस बारे में इन्क्वायरी चल रही है। इन्क्वायरी में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके हिसाब से कार्यवाही की जाएगी।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इनके महकमे का तो कमाल है। इनके महकमें में केवल 800 जे०ईज० हैं और 800 जे०ईज० में से 500 जे०ईज० के तबादले कर दिए और चार बार इनको

[श्री राम पाल माजरा]
कैंसिल भी किया गया। अध्यक्ष महोदय, चाहे पोस्टिंग हो चाहे परमोशन हो। एक बार तो ऐसा भी मौका आया कि 40 दिन तो 8 जे०ईज० की फाईल रोक दी गई ताकि उनकी परमोशन तब हो सके जब उनके साथ सैटलमैंट हो जाए। मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, इस तरह की कोई बात नहीं है। इस बारे में मैम्बर साहब आप हमें पूरी सूचना दें कि आप कौन कौन से जे०ईज० की बात कर रहे हैं। हमने ऐसी कोई फाईल नहीं रोकी है।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं। वैसे मंत्री जी आपके नोटिस में भी यह बात है कि अम्बाला में एम०जी० कंस्ट्रक्शन कम्पनी है और उसका मालिक के०सी० मितल है वहां पर हॉट मिक्स प्लांट है जो दो करोड़ रूपये की कीमत का है। वहां पर हमारे सारे के सारे डिविजन का काम इसी कम्पनी को दिया गया है। यह कम्पनी वहां से बिटूमिन की हेराफेरी करती है और इसका प्लांट पेहवा-पटियाला रोड़ पर लगा हुआ है और वहां से बिटूमिन तैयार करके पंजाब को देते हैं, यह बात मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। वैसे तो आपके नोटिस में पहली ही है। आप उस पर कार्यवाही करें। हरियाणा प्रदेश के अम्बाला डिवीजन का 90 परसैंट का काम खत्म हो गया परन्तु जो काम हुये, वह कम्पलीट हुए बगैर ही डैमेज भी हो गए। इसलिए मंत्री जी को इसकी जांच पड़ताल करवानी चाहिए और दोषी लोगों के खिलाफ एफ०आई०आर० दर्ज होनी चाहिए।

वास्तुकला राज्य मंत्री (श्री राजकुमार सैनी) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, माजरा साहब जिस अम्बाला डिवीजन के बारे में बात कर रहे हैं उसके बारे में मुझे पूरी जानकारी तो नहीं है लेकिन जहां तक यह बात मेरी नालेज में है कि अम्बाला जिले के अंदर कोई भी हॉट मिक्स प्लांट दूसरा नहीं है। ऐसी भी कई रोड्ज हैं जो दूसरी मशीन से बनायी जानी थी और कई रोड्ज इस हॉट मिक्स प्लांट से बनायी जानी थी। जिन तीन कम्पनियों ने इस बारे में टैंडर लिए थे उन्होंने टैंडर लेते समय यह बात कही थी कि टैंडर लेने के तीन महीने बाद वे काम शुरू करेंगे। परन्तु तीन महीने बाद बरसात शुरू हो गयी। मंत्री महोदय के नोटिस के बिना ही ऐक्सियन और एस०ई० ने अपने आप उन कम्पनियों को यह काम दे दिया था जिन्होंने हॉट मिक्स प्लांट लगाए हुए थे। ये सरासर झूठ बोल रहे हैं। इनकी यह बात सही नहीं है।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह क्या प्वायंट ऑफ आर्डर है ?

श्री अध्यक्ष : सैनी साहब, आप बैठें। आपकी समझ में यह बात नहीं आयी है।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रदेश की बात छोड़कर अपने क्षेत्र की बात पर आता हूं। मेरे यहां पर तीन गांव यानी बाताल, फरसौला और कसान में सड़के ब्लॉक पड़ी हुई हैं। उनमें आने जाने का रास्ता ही नहीं है। वहां पर चार-चार या पांच-पांच फुट पानी खड़ा हुआ है। मंत्री महोदय, 22-5-97 को सौंगरी गांव गए थे। इन्होंने वहां पर बैंड बाजा बजवाया था, मालाएं डलवायी थीं और वहां पर आधारशिला रखकर आए थे। इन्होंने कहा था कि सौंगरी गांव से तारागढ़ तक की सड़क पूरी की जाएगी लेकिन एक पैसा भी इन्होंने मंजूर नहीं किया। केवल डी०सी० ने 10 लाख रूपये इम्पलायमैंट इंश्योरेंस स्कीम के तहत शर्म के मारे दिये।

श्री धर्मबीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरे और गांव वालों के कहने पर ही वहां पर पैसा ऐलौट किया गया था। उस पर काम भी चल रहा है और साल के अंदर वह सड़क पूरी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, सबसे ज्यादा काम इनके हल्के में ही हुआ है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि माजरा साहब ने आज तक भी अपने हल्के की किसी भी सड़क के बारे में मुझे नहीं बताया है कि ये-ये सड़कें खराब हैं। मैं कैथल जिले की ग्रीवैंसिज कमेटी का चेयरमैन था। इस कमेटी की दो मीटिंग्ज भी इन्होंने अटैंड की थीं।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, ये वास्तव में उस कमेटी के चेयरमैन थे।

श्री अध्यक्ष : माजरा साहब, आपको जो मंत्री महोदय ने आश्वासन दिया था वह पूरा हुआ या नहीं, आप यह बात बताएं?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, उस सड़क पर अर्थ वर्क हो चुका है और मैटलिंग वगैरा कर रहे हैं।

श्री रामपाल माजरा : सड़क बनी या नहीं बनी यह अलग बात है परन्तु ग्रीवैंसिज कमेटी की सारी मीटिंग्ज में मैंने यह कहा था कि बाईपास के ऊपर एक चौखटा बनवा दो क्योंकि वहां पर ऐक्सीडैंट बहुत होते हैं। (घंटी) सर, मैंने तो अभी शुरू ही किया है। सरकार ने नहरों में आखिरी छोर तक पानी पहुंचाने की बात भी कही थी लेकिन नहरों में डिसिल्टिंग का काम ही नहीं हुआ। बहुत से ऐसे माईनर्ज जैसे चटाना, माझला एवं रेहड़ा हैं जिन पर टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है। इन्होंने तो दावे कर दिए कि हमने टेल तक पानी पहुंचा दिया और नहरों की भी सफाई कर दी। परन्तु रेहड़ा, माझला आदि कई माइनर्ज हैं जिनकी टेल तक पानी नहीं पहुंचा। सर, इन्होंने तो कमाल कर दिया। हमारे यहां पर एक ड्रेन खोद दी। यह एस्केप ड्रेन सिरसा ब्रांच से आमीन ड्रेन तक खोद दी। उस पर सरकार का पैसा लगा दिया। एक सन शाइन पब्लिक स्कूल के मालिक ने उसे बंद कर दिया व आने जाने का रास्ता बना लिया। पहले यह सुनते थे कि थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार हो जाता था लेकिन अब तो भाई बन्ताराम जी की बात ठीक ही लगती है वे कहते हैं कि पहले नजराना चलता था फिर शुक्राना चलने लगा और अब जबराना चलने लगा है मैंने तो सिर्फ इंस्टांस कोट किए हैं और कोई बात नहीं कही है। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : राम पाल माजरा जी, आप बैठ जाइए।

श्री राम पाल माजरा : सर, कहीं पर कर्मचारी दुखी हैं, कहीं व्यापारी दुखी हैं, कहीं छात्र दुखी हैं कहीं हम दुखी हैं, कहीं ये पत्रकार दुखी हैं और आप कहते हैं कि बैठ जाएं। ऐसे में तो ये लगता है कि न तड़पने की इजाजत है न फरियाद की, घुट के मर जाऊं ये मर्जी मेरे सरकार की है। हरियाणा प्रदेश के बेरोजगारों को कहा गया था कि रूट परमिट देंगे जिससे हरियाणा प्रदेश की जनता को सहूलियत होगी और बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा लेकिन बेरोजगारों को रूट ऐसे दिए गए जिन पर सरकार लौस में चल रही थी बेरोजगारों ने तंग आकर यह नारा दिया कि "सरकार बड़ी समझदार बेरोजगार किए कर्जदार" अब सरकार जो रूट परमिट देने जा रही है तो उसमें यह नहीं दर्शाया गया कि ड्रा से देंगे या वैसे ही मिलेंगे। (घंटी) मैं यह कहना चाहता हूं कि बेरोजगार नौजवानों के समक्ष सही तथ्य प्रस्तुत करके उनको सही रूट परमिट देने का काम सरकार करे। यह नीति पहले ही डिक्लेयर कर देनी चाहिए।

अब मैं शिक्षा के बारे में थोड़ा कहना चाहता हूं। राम विलास जी बैठे नहीं हैं उन्होंने कुरुक्षेत्र में एक समारोह में कहा कि हमने पिछले 50 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया जबकि इवनिंग कालेज पहले भी कभी बंद नहीं हुये थे। लेकिन यह सभी जानते हैं कि गुरू जम्भेश्वर यूनीवर्सिटी का किस प्रकार

[श्री राम पाल माजरा]
रेजीडैंशियल्स बनाने का काम किया गया। कैथल में एक डी०ई०पी०ओ० को धमकाया गया और उसने राम बिलास जी को चिट्ठी लिखी कि मुझसे असरदार लोग नकल करवाने की कोशिश कर रहे हैं तो उसका ट्रांसफर हो गया आजकल वह डी०पी०ई०ओ० स्पीकर सर, आपके यहीं लगी हुई है।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि आज हमने बजट पर बोलने के लिए मैम्बर्ज के नाम दिए हैं भाई नरेन्द्र जी को आज तैयारी के लिए मौका दे दें और उनकी जगह आज भाई धर्मवीर गाबा जी को बोलने के लिए मौका दे दें।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मैं कन्कलूड करने जा रहा हूं। जब से कर्ण सिंह दलाल साहब हरियाणा प्रदेश के कृषि मंत्री बने हैं तब से हरियाणा प्रदेश का कृषक समाज दुखी है, मायूस है उन पर दनदनाती हुई गोलियां चलती हैं और किसान मारे जाते हैं आज किसानों के कर्ज बढ़ रहे हैं। किसान पर साहूकार का कर्ज बढ़ रहा है और किसान साहूकार की इज़ाजत के बगैर कोई भी सामान खरीद नहीं सकता है चाहे उसको दूसरी दुकान पर वह सामान सस्ता ही क्यों न मिले लेकिन आज किसान साहूकार की चिट लेकर बाजार में सामान खरीदने जाता है। पिछली सरकारों ने एक स्कीम शुरू की थी कि अगर किसान मिलकर पैसा जमा करवायें तो उनको जल्दी से जल्दी नलकूप/ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन दे दिये जायेंगे लेकिन आज आठ से नौ साल हो गये हैं, किसानों ने कर्जा लेकर 25 हजार रुपये के करीब जमा करवाये थे लेकिन उस पैसे को वापस नहीं किया गया है। धन्यवाद स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया वैसे पूरा समय तो नहीं दिया गया।

श्री धर्मबीर गाबा (गुड़गांव) : स्पीकर सर, सबसे पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। क्योंकि कल भी मैंने पांच बार हाथ खड़ा किया था लेकिन आपने इजाजत नहीं दी। कल आपने आठवें नम्बर पर मेरा नाम रखा और आज नौवें नम्बर पर और परसों सोलहवें नम्बर पर। आप ऐसे स्थान पर मेरा नाम रखते हैं कि बोलने का मौका ही न मिले। मैंने आपसे एक रिक्वेस्ट की थी कि रूलिंग दे दी जाये लेकिन वह रूलिंग भी आपने नहीं दी। अब मैं बजट के बारे में कहना चाहूंगा। वैसे सी०एम० साहब बैठे नहीं हैं। उनसे एक बात मैं कहना चाहूंगा कि उनकी यह बदकिस्मती है कि उनको ऐसे मिनिस्टर मिले हैं, ऐसी टीम मिली है जो उनकी प्रैस्टिज और इंटेग्रेटी को कायम नहीं रख सकी है। शोरेवाला साहब जब प्रैबैसिज कमेटी में गुड़गांव जाते हैं तो बड़े अच्छे बोलते हैं और सबकी बात सुनते हैं परन्तु विधान सभा में पता नहीं उनको क्या हो जाता है कि वे ठीक प्रकार से बोल नहीं पाते हैं। कल जो इन्होंने इंफलेटिड बजट पेश किया है उसको यह कहना कि एक अच्छा बजट पेश किया है यह बड़े दुख की बात है। आपने जो, शराब बन्दी के दौरान घाटा हुआ था उसको पूरा करने के लिए जो टैक्स लगाये थे, पैसा इकट्ठा करने के लिए अगर उन टैक्सों को विदड्रा करते तो आप कह सकते थे कि अच्छा बजट पेश किया लेकिन टैक्सों को विदड्रा न करके आपने लोगों की आवाज को नहीं सुना है यह बड़ी चिन्ता की बात है। मैंने कल रात इकोनोमिक सर्वे को पढ़ा उसमें आपने 2260 करोड़ रुपये का प्रोविजन बजट में किया है। मैं शोरेवाला साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या दिल्ली में जो प्लानिंग कमीशन है उसने इस पैसे को अप्रूव कर दिया है। इसमें तो आपने लिख दिया कि हमने डिसकस कर लिया है। दूसरी बात आपने 1575 करोड़ रुपये की जगह 1400 करोड़ रुपये दिखाये हैं। एक तरफ आप 2260 करोड़ रुपये दिखा रहे हैं क्या इस पैसे को प्लानिंग कमीशन ने अप्रूव कर दिया है।

तीसरी बात बिजली के लाइन लोसिस के बारे में कहना चाहूंगा जैसा कि चौटाला साहब ने कहा है कि 1985-86 में लाइन लोसिस 19 प्रतिशत थे जो आज 32 प्रतिशत हो गये हैं क्या आपने कोई ऐसे

सुझाव दिये हैं जिनसे इन लाइन लोसिस को रोका जा सके। इकोनोमिक सर्वे के हिसाब से एग्रीकल्चर इल्ड कम हो रही है। अब उसका इंडैक्स आधे से भी कम रह गया है जबकि किसानों ने तो भारी मात्रा में अनाज पैदा किया है। 1985-86 में इंडैक्स 1169 था और अब इंडैक्स 76 रह गया है। यह हालत आज हरियाणा प्रदेश में कृषि की हो गई है और किसान नारे लगाते थकते नहीं हैं।

मैं उद्योग मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वे बताएं कि कितनी इंडस्ट्रीज़ लगाई गई हैं। कितनी इंडस्ट्रीज़ डिवैल्प की हैं तथा क्या-क्या हम ने सुविधाएं जुटाई हैं। आज मानेसर औद्योगिक मंडल टाऊनशिप परियोजना अधर में लटकी पड़ी है। वहां मारूति उद्योग लिमिटेड को जमीन आबंटित की गई है। आपने हर तरह से कोशिश की कि कहीं न कहीं से पैसा आ जाए, भाड़ में जाए औद्योगिक विकास, और भाड़ में जाए सारे प्रदेश की तरक्की। मैं कहना चाहता हूं कि हमारे समय में गुड़गांव की सड़कों व प्रदेश की सड़कों की हालत बहुत ही अच्छी थी। उस समय जब यात्री राजस्थान से दिल्ली या दिल्ली से राजस्थान जाते थे तो बड़े खुश हुआ करते थे कि हरियाणा में डिवैल्पमैंट हुई है। लेकिन आज गुड़गांव के अंदर कोई नई सड़क नहीं बनाई गई है और न ही कोई इंडस्ट्रीज़ ही लगी है। एक बात को आप मौलिक तौर पर भूल जाते हैं कि आप जितनी ज्यादा इंडस्ट्रीज लगाते हैं, उससे रोजगार मुहैया होते हैं और करों की प्राप्ति भी राज्य सरकार को होती है। हमें सेल्ज़ टैक्स की फिगर जो दी गई है वह 1600 करोड़ रुपये की है। पिछले साल यह फिगर 1100 करोड़ रुपये थी। अगर आप इंडस्ट्रीज और डिवैल्प करते तो शायद हो सकता है सेल्ज़ टैक्स की फिगर और ज्यादा होती। लेकिन यहां तो सिर्फ ऐस्टिमेट लगाए जाते हैं और किया कुछ नहीं जाता है। एक आपने यह ढिंढोरा पीट दिया कि सारे हरियाणा में एक ही कार्पोरेशन है जो कि फरीदाबाद कार्पोरेशन के नाम से जानी जाती है। मेरे पास बिल्कुल सही फिगर्ज़ हैं तथा मैं इन फिगर्ज़ के बिना बात ही नहीं करता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि कल मेरा प्रश्न स्पीकर साहब ने नहीं लगाया जो आज श्री सैनी ने कहा है। हमारे पास केन्द्र सरकार से ऐसी सूचना प्राप्त हुई थी जिसकी प्रति मेरे पास थी इस बारे में कल जब बात हुई तो मुझे जवाब दिया गया कि ऐसी कोई सूचना केन्द्र सरकार से हमें प्राप्त नहीं हुई है। प्राईवेटाइजेशन के बारे में जो बात हुई है उसकी भी मैं कॉपी दे दूंगा और एन०सी०ई०आर०टी० की रिपोर्ट की कॉपी भी दे दूंगा तब आप को पता चलेगा कि हाऊस में बैठकर कैसे झूठ बोला जाता है। यहां हाऊस में बैठकर कह दिया जाता है कि सड़कें बना दी गई हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर कोई माननीय सदस्य कोई माई का लाल यह साबित कर दे कि सुंदरपुर भौहसे से नाथेपुर की सड़के पर अगर एक ईंट भी लगाई गई हो तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। ऐसी ऐसी बातें हाऊस के अंदर की जाती हैं। आज मैं हाऊस में डिप्टी मेयर के बारे में स्टेटमैंट देना चाहता हूं। आप यह कहते हैं कि उनकी फरीदाबाद कार्पोरेशन की डिवैल्पमैंट पर 8 करोड़ रुपये लगाया गया है। लेकिन डिप्टी मेयर की स्टेटमैंट यह है कि कार्पोरेशन का इतना इंफलेटिड बजट है कि वास्तव में बजट तो मिलता है 45 करोड़ रुपये का, वह दिखाया जाता है 90 करोड़ रुपये का। वे कहते हैं कि 33 करोड़ रुपये एस्टैब्लिसमैंट पर और 12 करोड़ रुपये बिजली पर खर्च किया है। लेकिन फरीदाबाद कार्पोरेशन के अंदर पिछले दो साल से एक ईंट भी नहीं लगाई गई है। दूसरी ओर, आप कहते हैं कि 8 करोड़ रुपये कार्पोरेशन पर लगाए हैं। अगर आप उनकी यह स्टेटमैंट लेना चाहें तो मैं वह दे सकता हूं जो प्रेस को भी रिलीज़ की गई है। ऐसा इंफलेटिड बजट लोगों को दिया गया है, यह बड़े ही दुःख की बात है। अध्यक्ष महोदय, कल महाजन साहब ने बड़े ही शौक से कह दिया कि हम ने 250 डाक्टर्ज़ नियुक्त किए हैं जिन में से 150 डाक्टर ज्वाईन नहीं कर पाए हैं तथा 100 बाकि डाक्टरों में से 25 सर्विस छोड़ गए हैं। ऐसा क्यों हुआ ? क्या कभी आपने सोचा है ? इसके लिए कौन कसूरवार है, कौन जिम्मेवार है ? मैं एक बात महाजन साहब को आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि एक डाक्टर गुड़गांव के एक

[श्री धर्मबीर गाबा]

अस्पताल में नियुक्त है वह डाक्टर ओम प्रकाश चौटाला जी के समय में वहीं पर बैठा था, भजनलाल जी के समय में भी वहीं पर नियुक्त था और आज आपके समय में भी वहीं पर है। उसकी वजह से 6 डाक्टर आज उस अस्पताल से रिजाईन कर गए हैं। वहां पर किसी चाईल्ड स्पैशलिस्ट डाक्टर की ड्यूटी लगती है तो उसको कहा जाता है कि कैज्युलिटी में काम करेगा किसी और स्पैशलिस्ट डाक्टर की वहां पर ड्यूटी लगती है तो उसको कहा जाता है कि कैज्युलिटी में काम करेगा लेकिन उस डाक्टर की कोई बात नहीं करता आज हमने आपको कहा भी है कि अस्पताल को अपग्रेड किया जाए ।(शोर)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाऊस की सैन्स हो तो हाउस का समय 2 बजे तक बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

Mr. Speaker : The time of the House is extended upto 2.00 P.M.

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : अध्यक्ष महोदय, मैंने कल जो बातें कही वे बिल्कुल तथ्यों पर आधारित कही। हमने कहा कि हमने 250 डाक्टरों को इन्ट्रव्यू के लिए बुलाया। 250 डाक्टरों में से 100 ने अपनी नौकरी मंजूर कर ली और बाकियों ने नहीं की। 100 में से 25 डाक्टर नौकरी छोड़ कर चले गए। वे इसलिए नौकरी छोड़कर नहीं चले गए कि हमने उनको कोई दुःख दिया। हमारी पी()एच०सी० और सी०एच०सी० जो गांव के अन्दर केवल मात्र उपचार का साधन होती हैं जबकि शहरों में तो बड़े-बड़े नर्सिंग होम होते हैं लेकिन देहातों में केवल पी०एच०सी० और सी०एच०चसी० ही होती है हम चाहते हैं और हमारी सरकार की नीयत है कि देहात के प्रत्येक आदमी को सुविधा मिले। हमने उन डाक्टरों को उन स्थानों पर नियुक्त किया और उनको वह नियुक्ति रास नहीं आई और वे नौकरी छोड़कर चले गए। हर डाक्टर चाहता है कि उसकी नियुक्ति शहर में हो। हम प्रत्येक गांव के अन्दर डाक्टर देने का फैसला कर चुके हैं। हमारी नीयत बिल्कुल साफ है।

श्री अध्यक्ष : मैं स्वास्थ्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ठीक है कि नए डाक्टर ज्वायन नहीं करते जो पहले के डाक्टर्ज हैं जो एस०एम०ओज० हैं उनको देहातों में क्यों नहीं लगाते।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, इस बार पहली बार सरकार ने एक बहुत बढ़िया पोलिसी बनाई है कि जो लोग हमारी सरकार के खर्चे पर पी०एच०डी० करते हैं, डिप्लोमा लेते हैं उन लोगों को एस०एम०ओ० बनाकर प्रोग्राम आफिसर लगा लिया जाता है। मान लीजिए हड्डियों के डाक्टर को अपनी च्वायस का स्टेशन नहीं मिला क्योंकि वह उसी जगह पर लगना चाहता है जहां उसका घर है तो वह प्रोग्राम आफिसर लग जाता है। जिसने पी०एच०डी० कर रखी है उसको उसी जगह पर लगाया जाएगा जहां उसकी जरूरत है जो डिप्लोमा लिए हुए हैं उन डाक्टरों को, एस०एम०ओ० को उसी जगह पर लगाया जाएगा। (शोर)

श्रीमती करतार देवी : इस बात की कोई रेलैवन्सी नहीं है। गाबा साहब ने जिन 6 डाक्टर्ज के बारे में जो गुड़गांव में नौकरी छोड़ कर चले गए हैं, के बारे में कहा है उसकी बात बताएं।

श्री धर्मबीर गाबा : स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि अगर आनरेबल मिनिस्टर नहीं समझ पाए हैं तो मैं इनको उनके नाम लिखवा देता हूं। डॉ० बनीता शर्मा, बंदना नरूला ....

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, आपका समय समाप्त हो गया इसलिए कृपया आप बैठ जाएं।

श्री धर्मबीर गाबा : इन्होंने तीन महीने के अन्दर अन्दर रिजाईन किया। क्या इनसे किसी ने पूछा कि उन्होंने किस कारण से रिजाईन किया ? मैं आपको एक बात और कहना चाहता हूं। मैंने आपको गुड़गांव सिविल होस्पीटल को अपग्रेड करने के बारे में पिछले सैशन में कहा था लेकिन उस समय मंत्री जी की तरफ से बड़ी शान से यह जवाब दिया गया था कि उस होस्पीटल की 70 परसैंट आकूपैंसी नहीं है इसलिए उसको अपग्रेड नहीं किया जा सकता। उस होस्पीटल के इस समय जितने बिस्तर हैं वे आकूपाई नहीं होते तो उसको अपग्रेड कैसे कर दें। उस वक्त मैंने आपसे कहा था कि आप उस होस्पीटल का आकूपंसी रजिस्टर मंगवा कर देख लें उससे आपको पता चल जाएगा कि वहां के कितने मरीज दिल्ली और रोहतक रैफर किये जाते हैं। गुड़गांव होस्पीटल का कोई डाक्टर यह चाहता ही नहीं है कि वहां पर कोई मरीज दाखिल हो। (घंटी) स्पीकर साहब, आप मुझे बोलने के लिए दो मिनट का टाईम और दे दें मैं अपनी बात समाप्त कर दूंगा।

शिक्षा के बारे में कहा गया कि यह सरकार एक हजार नए प्राइमरी स्कूल खोलेगी। आज प्रदेश में शिक्षा की हालत बहुत खराब हो रही है। मैंने कल एक क्वैश्चन दिया था कि एन०सी०ई०आर०टी० से एक रिपोर्ट आई है कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर प्राइमरी एजूकेशन का स्टैंडर्ड खत्म हो गया है हम ये गाईड लाईन्स भेज रहे हैं इनको आप चालू करें। लेकिन इनकी तरफ से यह जवाब आया कि इनके पास इस बारे में कोई गाइड लाइन्स नहीं आई हैं। अब इनका क्या किया जाए। मैं एक बात कहना चाहता हूं और उस बात का हमें भी पता है और आनरेबल एजूकेशन मिनिस्टर को भी पता है कि प्रदेश में आज स्कूलों की क्या हालत है ? आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारे प्रदेश में जितने प्राइमरी स्कूल हैं उनके अन्दर स्टूडैंटस की बहुत कम परसैंटेज रह गई है। स्पीकर साहब, गुरू जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी को किसी महापुरुष ने चालू किया था। उसको एक रैजीडैंशियल यूनिवर्सिटी में बदल देना कोई अच्छी बात नहीं है। हमें उस यूनिवर्सिटी के बारे में फख्र होना चाहिए था कि वह एक ऐसी यूनिवर्सिटी है जो टैक्नोलोजी के अन्दर सबसे बेहतरीन है। हम उस यूनिवर्सिटी को उभारना चाहते हैं लेकिन आपने उस यूनिवर्सिटी को पिछले दो साल में उभरने ही नहीं दिया। आपने उस बच्चे की तरक्की होने से पहले ही उसको मार दिया है। आपने उस यूनिवर्सिटी को रैजीडैंशियल यूनिवर्सिटी में बदल दिया है। आज हम कहते कहते थक गए हैं कि साहब आप एजूकेशन के बारे में जो कुछ भी कह रहे हैं वह प्राइमरी एजूकेशन के लिए करें। आज प्रदेश में प्राइमरी एजूकेशन की हालत बहुत ही बुरी है।

Mr. Speaker : For your kind information, Residential Universities are more beneficial for research purposes.

श्री धर्मबीर गाबा : यह बिल्कुल सही बात है। आप जो बात कहेंगे उसके बारे में मैं कुछ नहीं कहना चाहूंगा अगर मैं कोई रिमार्कस दूंगा तो आप मेरे अगेंस्ट प्रिविलेज मोशन दे देंगे। मैं यही कहूंगा कि उस यूनिवर्सिटी को एक रैजीडैंशियल यूनिवर्सिटी में बदलना कोई अच्छी सोच नहीं है। स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहता हूं विद रिगार्ड टू दि मिनिस्टर एंड यू सर, ये जितने महानुभाव यहां सदन में बैठे हैं बड़े धमाके से कहते हैं कि हम तो आपकी बात का एतराज करते हैं। मैं एक बात बड़े दावे के साथ कह सकता हूं कि इस सरकार के मिनिस्टर साहेबान ने अपने-अपने विभाग को एक इंडस्ट्री बना रखा है

[श्री धर्मबीर गाबा]
जिसकी कोई हद नहीं है। आज मैं सबूत के साथ हाउस के अन्दर एक बात कहता हूं कि इस सरकार के एक मिनिस्टर साहब हैं अगर सी०एम० साहब चाहते हैं तो मैं उनका नाम बता सकता हूं। उस मिनिस्टर से हमने कहा कि इस औरत का घर वाला पागल हो गया है इसलिए आप इसकी बीवी की बदली कर दीजिए लेकिन उसको नहीं बदला गया लेकिन स्पीकर साहब, जिस दिन वह औरत 10 हजार रुपये रिश्वत के दे कर आई उसी दिन उसकी बदली के आर्डर हाथ में दे दिए। यह बात मैं सदन में कह रहा हूं। यह एक इंडस्ट्री बन गई है। (शोर)

श्री अत्तर सिंह सैनी : ट्रांसफर्ज का पैसा आपके राज में लिया जाता था। आप बिल्कुल निराधार बात कर रहे हैं।

श्री धर्मबीर गाबा : एक बात मैं और बताना चाहता हूं कि अब पुलिस भरती के समय एक लड़के को इस बिना पर निकाल दिया गया कि उसकी छाती पूरी नहीं है जबकि वह तीन साल फौज में सर्विस करके आया है। यह रिकार्ड में आपको दिखा रहा हूं। उसकी छाती 35 ईंच है जबकि अब उसकी छाती को 32 ईंच दिखाया है। यह कहते हैं कि हम ईमानदारी से भरती कर रहे हैं। (विघ्न) मंत्री जी ने बजट में कहा कि हमने कोई नया टैक्स नहीं लगाया लेकिन ये टैक्स तो पहले ही लगा चुके । इस बजट में यह भी कहीं नहीं दिखाया कि ला एण्ड आर्डर की स्थिति को सुधारने के लिए कितने नए थाने खोले जाएंगे और उनको कितनी व्हीक्लज दी जाएंगी। इसमें इस चीज का कोई मैंशन नहीं है।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब आप बैठिये। अब कैप्टन अजय सिंह जी बोलेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है वह दिशाहीन है और लोगों को गुमराह करने वाला है। ये कहते हैं कि कोई टैक्स नहीं लगाया गया। टैक्स तो पहले ही लगा दिए गए हैं। टैक्स नहीं लगे यह गलत बात है। कोई भी सरकार तब चलती है जब उसके पास पर्याप्त साधन हों। आज इनकी मजबूरी है। आप देख सकते हैं कि विकास पार्टी वालों की सरकार हो तो ये बी०जे०पी० वालों को और लोकदल वालों का कैन्डीडेट राज्य सभा का बनवाते हैं। यह इनकी मजबूरी है।

श्री अध्यक्ष : देखिए आप मंत्री भी रहे हैं। आप ठीक बात करें। आप अपनी बात 10 मिनट में खत्म करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : पिछले बजट में 1576.04 करोड़ रुपया प्लान साइड में था जो अब घटा कर 1400 करोड़ कर दिया है। इसमें तकरीबन 200 करोड़ रुपये कम किए गए हैं। इसमें दिखाया है कि किसान को पास बुक दी गई है। मैं रवैन्यू मिनिस्टर से पूछना चाहता हूं कि किस को पास बुक दी गई है। साथ ही कहा गया कि पुलिस की ऐस्टेब्लिशमेंट पर, ला एण्ड आर्डर की स्थिति को बनाए रखने के लिए पैसा खर्च किया गया है। मैं बताना चाहता हूं कि आज हमारे वहां पर जितने फार्म हाउसिज़ हैं वहां पर डकैतियां हो रही हैं और उनके गार्डों को मारा जा रहा है, पीटा जा रहा है। मेरे हलके में एक गणपत का फार्म हाउस बिल्कुल सड़क पर है। उस फार्म हाउस पर 20 आदमी एक ट्रक में बैठकर आए। उन लोगों ने वहां के लोगों को आधा घंटा बांध कर रखा और सारा सामान उठा ले गए। जाते वक्त वे 50 क्विंटल गेहूं भी उठका ले गए। इसी प्रकार से बांसी गांव से 35 क्विंटल सरसों उठा कर ले गए। इस प्रकार से गैंगबन्दी है। मैं इस बारे माननीय होम मिनिस्टर साहब से मिलने के लिए भी गया था और उनको सारी बात भी बताई थी लेकिन अभी तक दोषी लोगों को पकड़ा नहीं गया है। इसी प्रकार से हमारे यहां यादव सर्विस स्टेशन है। इस पैट्रोल पम्प पर 12 मार्च को मारुति कार नं०-डी-एल

3 सी०डी० 3622 पर एक व्यक्ति आया। उस कार पर बी०जे०पी० का स्टिकर लगा हुआ था। (विघ्न) उस कार के अन्दर से उन लोगों ने पैट्रोल पम्प पर अटैक किया और मौके पर वहां पर पुलिस पार्टी पहुंच गई लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की बल्कि वहां पर गाड़ी छोड़ कर भाग गए। न तो उन्होंने वहां पर कोई फायर किया और न ही उन्होंने अपराधियों को पकड़ने की ही कोई कोशिश की। अध्यक्ष महोदय, यह हमारे पुलिस डिपार्टमैंट का हाल है। इसी प्रकार से 16 मई को सतीश जैन पैट्रोल पम्प ओनर से 7 बजे भैरों चौक पर जोकि सिटी के अन्दर है दो व्यक्ति स्कूटर पर आए और उसे गोली मार कर पैसा लूट कर ले गए। उनमें से भी आज तक कोई आदमी पकड़ा नहीं गया। अध्यक्ष महोदय, सारी बात मैं तथ्यों पर आधारित बता रहा हूं। इसी प्रकार से दिल्ली रोड पर टायर ट्रैक्टर की एक फर्म है वहां से शैड तोड़ कर दो ट्रैक्टर ले गए। इसी प्रकार से और भी अनेकों केस हैं। ओम प्रकाश सन ऑफ नाथी राम के यहां एक भार्च को चोरी हुई थी लेकिन आज तक कोई अपराधी पकड़ा नहीं गया है। अध्यक्ष महोदय, 50 से ज्यादा केसिज़ ऐसे हैं जिनमें 302 और 307 की एफ० आई० आर० तौज हुई हैं और ये केसिज़ सरकार ने वापिस ले लिये हैं और एफ०आई०आरज़० विदड्रा कर ली गई हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप पता करवा लें यह बात तथ्यों पर आधारित है इसमें कोई गलत बात नहीं है।

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, ये जो बात कह रहे हैं यह सारी गलत बात है। 302 या 307 का कोई भी केस हम विदड्रा नहीं कर सकते हैं और न ही कोई केस विदड्रा किया गया है और न ही कोई केस विदड्रा किया जाएगा (विघ्न)।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप तो खुद भी एडवोकेट हैं, क्या 302 का केस विदड्रा हो सकता है ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, एफ०आई०आरज़० विदड्रा की गई हैं (विघ्न) ये किसने की या कैसे हुईं इसके बारे में मैं आपको लिस्ट ला कर बाकायदा दूंगा।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप हाउस को मिसलीड करने की कोशिश न करें। आप 302 के वे केसिज़ बताईये जो कि विदड्रा हुये हैं (विघ्न) आप जिस लिस्ट का जिक्र कर रहे हैं वह आप कब ला कर देंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं यह लिस्ट 23 तारीख को ही ला कर दे दूंगा (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से 12 तारीख के अखबारों में बाकायदा एक न्यूज़ आई है कि करनाल के अन्दर 11 तारीख को मुख्य मंत्री जी की सुरक्षा के लिए तैनात व्हीकल नं० एच०आर० 05 बी० टाटा मोबाईल से एक्सपैसिव एण्ड सैंस्टिव एक्विपमैंट्स जो कि करीब 30 लाख रुपये के थे, करनाल के पास चोरी हो गए, इस बारे में सरकार बताए कि ये चोरी हुए हैं या नहीं हुए हैं। मालड़ा गांव के अन्दर हरिजन भाईयों के घर जला दिए गए और उनके प्लॉट्स पर कब्जा कर लिया गया। डी०सी० ने तहसीलदार को कई आर्डरज़ दे दिए हैं लेकिन उस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारे कृषि मन्त्री श्री दलाल साहब बैठे हुए हैं। कृषि का टोटल ऐलोकेशन ऑफ दि रूरल डिवैल्पमैंट का 3.5 प्रतिशत है। आज किसानों की हालत यह हो गई है कि वे पिस रहे हैं। आज डीज़ल के भाव बढ़ गये। पैस्टीसाईडज़ की हालत भी बहुत ही बदतर है। 4 जनवरी, 1998 को पैस्टीसाईडज़ में एक बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। 2250 किलोग्राम दवाई निगम के बाहर बिना किसी बैच नम्बर के पाई गई और किसानों को बेच दी गई। जब उस दवाई के नमूने का परीक्षण किया गया तो वह फेल पाया

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

गया (विघ्न) इसी प्रकार से हमारे यहां जो मस्टर्ड की फसल है उसको कीड़ा लग गया जिससे 75 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक किसानों की फसल तबाह हो गई। एक पैस्टीसाईड जैडीन के नाम से है जब उसको पौधों पर छिड़का गया तो पौधों के पत्ते झुलस गए। इसी प्रकार से एक और दवाई मनकमाजैस है जिसका लैबोरेट्री से कोई टैस्ट नहीं किया गया (विघ्न) यहां तक कि उस दवाई की एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट से अप्रूवल भी नहीं ली गई। अध्यक्ष महोदय, आज किसान की हालत यह हो गई है कि वे मजबूर हो कर आत्महत्या करने लग गए हैं क्योंकि बार-बार उनकी फसल बरबाद होती है (विघ्न एवं शोर)

सदन की समिति का गठन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। कैप्टन साहब हाउस के वरिष्ठ सदस्य है और मंत्री भी रहे हुए हैं। ये किसानों द्वारा आत्महत्या किये जाने की चर्चा कर रहे हैं लेकिन हरियाणा में कहीं पर कोई सिंगल इंस्टांस भी ऐसा नहीं है जहां किसी किसान ने इस तरह से आत्महत्या की हो (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, पिछली बार इनके नेता चौधरी भजन लाल जी ने भी कहा था कि भिवानी जिले में 12 व्यक्ति दारू पी कर मर गए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह इस बात की तसदीक करेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने उनसे पूछा कि आप उन 12 लोगों के नाम बता दें। (विघ्न)।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति इस सदन का सदस्य नहीं है उसका यहां पर नाम लेना ठीक नहीं है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमारे मन के मुताबिक इतिहास नहीं बदलता। हमने भजनलाल जी से फिर पूछा कि भजन लाल जी आप उनके नाम बता दें। हम आपके द्वारा कही गयी बात का बहुत मायना समझते हैं। वे कहने लगे कि उन लोगों के नामों की चिट मेरे दिल्ली वाले कुर्ते की जेब में रह गयी है। अध्यक्ष महोदय, फिर हमने शनिवार और इतवार की छुट्टी के बाद जब सोमवार को उनसे नाम बताने के बारे में कहा तो उन्होंने कहा कि मेरी स्लिपरी ऑफ टंग हो गयी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से आज हम फिर कैप्टन साहब से पूछना चाहते हैं कि अगर हरियाणा में इस दौरान में किसी भी किसान ने आत्महत्या की हो तो यह हमें उनके नाम बता दें क्योंकि हमारी जानकारी के मुताबिक तो किसी भी किसान ने आत्महत्या नहीं की है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : आत्महत्याएं तो रोज हो रही हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : किसी ने भी आत्महत्या नहीं की है। मैं आज फिर अध्यक्ष महोदय, आपसे दरख्वास्त करता हूं कि आप चौधरी खुर्शीद अहमद, चौधरी बीरेन्द्र सिंह, बहन करतार देवी जोकि सभी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है और चौटाला साहब की पार्टी से सदस्य लेकर सदन की एक उप समिति बना दें जो इस बात को देखे कि किसानों ने आत्महत्या की है या नहीं। इस समिति में हमारी पार्टी का भी सदस्य ले लें और इनकी अध्यक्षता में वह उप समिति बना दें। हम इसके लिए आपको निमंत्रित करते हैं। किसी भी किसान ने कर्जे के कारण कोई आत्महत्या नहीं की है। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई दारू पीकर मर गया हो तो उसको आत्महत्या थोड़े ही कह सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) सर, अगर कोई पंजाब में सुसराल गया तो क्या आत्महत्या हो गयी? पहले किसान आन्दोलन भी इतने दिन तक चला परन्तु ऐसी बात कभी नहीं हुई। इसलिए सर, मैं सभी माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूं कि इस बारे में इस सदन की एक उप समिति बनायी जा सकती है। लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक किसी किसान ने अपनी मांगों को लेकर हरियाणा में कोई आत्महत्या नहीं की है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, एक आदमी है वह एक किसान है जब वह यहां पर सदन में बैठा था तो किसानों को कोई तकलीफ नहीं थी जब वह राज्य सभा में बैठा था तो भी कोई तकलीफ नहीं थी। जब राज्य सभा की मैम्बरशिप खत्म होने लगी तो तकलीफ होने लगी। जैसे ही वहां से उनकी छुट्टी होने लगी तो कहने लगे कि किसान मरने लग गए हैं और तो और कहने लगे कि मेरे आने के बाद किसान मरने लग गए हैं। राजनीतिक आधार पर उनकी यह बात अपने हिसाब से सही हो सकती होगी कि मेरे आने के बाद किसान मरने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, किसानों ने आत्महत्या कैसे की है। अध्यक्ष महोदय, वे जिस किसी के साथ रहे हैं उसी के साथ धोखा किया है और जिसके साथ धोखा होगा तो वह आत्महत्या ही करेगा। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। स्पीकर साहब, पिछले दिनों में जो कुछ हुआ उस बारे में मुख्यमंत्री जी ने बताया कि * * * * * *(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल जी ने यह जो नाम लिया है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, अखबारों में इन्होंने जो ब्यान दिया उसको हमने बड़ी गम्भीरता से लिया। अखबारों में जो नाम आए तो हमने कृषि विभाग और रैवेन्यू विभाग को कहा कि इस बारे में हमें पता करके बताएं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जैसा कि राम बिलास शर्मा जी ने कहा कि यह सत्य नहीं है कि हरियाणा में किसी किसान ने आत्महत्या की है। मैं इस बात से सहमत हूं। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे सबमिशन है। राम बिलास शर्मा जी जो अपने दल के नेता हैं और बहुत ही सीनियर विधायक हैं और कैबिनेट में उनका अपना स्थान है। इन्होंने हाऊस में कहा है कि इन तथ्यों को जानना चाहिए कि हरियाणा में किसानों ने आत्महत्या की है या नहीं की है अगर की है तो किस वजह से की है। इन्होंने जो सुजैशन दिया है कि हाउस की एक उप समिति बना दें और वह इस तह में जाए। क्या यह सरकार की जिम्मेवारी नहीं है कि वह किसान आत्महत्या क्यों करता है ? जो किसान कर्जे में दबा हुआ है आपने पहले सुना होगा कि कोई फांसी लगा गया कोई कुंए में छलांग लगा कर मर गया। लेकिन आज सुनने में आता है कि लड़का ठीक ठाक था हुक्का पी रहा था और वह आत्महत्या कर गया इसका क्या सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारण है। अगर सदन की समिति बनेगी तो पता चल जाएगा कि इतने बड़े स्तर पर आत्महत्याएं क्यों हो रही हैं। अध्यक्ष महोदय, सदन का यह परम कर्तव्य है कि वह उन कारणों में जाए और उनको देखे। जिन कारणों की वजह से आज एक साधारण आदमी, साधारण किसान, गरीब आदमी आत्महत्या कर लेता है आत्महत्या कोई आदमी खुशी से नहीं करता है। इस बारे राम बिलास जी का जो सुजैशन है उससे हम बिपक्ष के सारे सदस्य सहमत हैं। आप एक कमेटी का गठन कीजिए ये कमेटी आपको रिपोर्ट देगी जो कि सारे हरियाणा के अंदर शायद हो कि किन कारणों से यह स्थिति उत्पन्न हुई।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरी बात को पूरी तरह से विस्तार दिया। मैंने यह कहा था कि सामाजिक कारणों से मियां-बीबी का आपस में झगड़ा होता है इस तरह से आत्महत्या का सिलसिला सदा से चलता रहा है। इन मित्रों ने जो आरोप लगाया और चौधरी शमशेर सिंह सुर्जेवाला जी ने जो वहां से ब्यान दिया और उसमें जींद जिले के बेलरखा गांव का जिक्र किया कि वहां किसानों ने कर्जे से तंग आकर आत्महत्या की तो उस पर सदन

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

[श्री राम बिलास शर्मा]
में मैंने बड़े अधिकारपूर्वक कहा कि किसी भी किसान ने कर्ज के कारण आत्महत्या नहीं की और अगर आप अब भी यह कहते हैं कि कर्ज से तंग आकर आत्महत्या की तो स्पीकर सर आप इस सदन के जो वरिष्ठ सदस्य हैं उनकी एक उप समिति बना दें वह अपनी रिपोर्ट दे दे। विपक्ष के किसी भी साथी जो किसान आन्दोलन में भी शामिल थे, ने भी ऐसी बात नहीं कही कि कर्ज के कारण या किसी मांग के कारण किसी किसान ने आत्महत्या की है और मैं भी इस महान सदन में पुनः कहना चाहता हूं कि किसानों ने किसी मांग या कर्जे के कारण आत्महत्या नहीं की।

Mr. Speaker : Does the House agree that a Committee of the House be constituted ?

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : All right, a Committee will be constituted with the consent of the leaders of all parties for this purpose. (Noise & Interruptions).

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the House be extended by half an hour ?

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : Time of the House is extended by half an hour.

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादव : मैं सरकार पर क्लेम नहीं कर रहा हूं। यह सिलसिला तो चला ही आ रहा है यह एक तो कर्ज की बजह से है दूसरे जो नकली सीड्स और पेस्टीसाइड्स आ रहे हैं उनसे क्राप्स को नुकसान हो रहा है इसकी वजह से आत्महत्या के केसिज हो रहे हैं और एक कारण यह है कि जिस तरह से रिकवरी की जा रही है जहां पर क्रौप्स फेल हो चुकी है।

श्री अध्यक्ष : आप कन्कलूड कीजिए। आपने एक बजकर पैंतीस मिनट पर शुरू किया था आपको बोलते हुए 25 मिनट हो गए हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : सर, मैं सिर्फ 5 मिनट बोला हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पोस्ट ग्रेजुएट रिसर्च सैन्टर 100 एकड़ भूमि में बना था। राम बिलास जी ने उसका नाम राव तुला राम के नाम से रख दिया। यह जो सैंटर है ऐसा सैंटर दक्षिणी हरियाणा में फरीदाबाद, गुड़गांव, रिवाड़ी महेन्द्रगढ़ में एक ही है जो 100 एकड़ भूमि में बनाया गया था। वहां पर एक करोड़ रुपया लगा दिया गया है। सरकार को क्या दिक्कत है कि वहां काम बंद कर दिया गया है। आज गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी की बात की जाती है वहां रीजनल सैन्टर खोला जाना भी गलत है। क्योंकि कुरुक्षेत्र में भी यूनिवर्सिटी है, रोहतक में भी यूनिवर्सिटी है जबकि हमारे यहां केवल एक रीजनल सैन्टर खोला गया था वहां भी काम बंद हो गया है मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करता हूं कि यह मामला हमारे इलाके का बहुत महत्वपूर्ण है। वहां पर काम चालू कराया जाए। हमारे यहां न मैडीकल कालेज है, न इंजीनियरिंग कालेज है, साइंस स्कूल बनना था
11.00 बजे वह भी नहीं बना है। अध्यक्ष महोदय, मैं एस०वाई०एल० के बारे में कहना चाहूंगा जोकि दक्षिणी हरियाणा की लाईफ लाइन का काम करेगी। बजट के अन्दर जो बात कही गई है वह एक तरह

से बिल्कुल वेग तरीके से कही गई है। इस क्षेत्र में जितने भी किसान है उनको भाखड़ा नहर से और नरवाना लिंक नहर से जो 1.8 एम०ए०एफ० पानी मिलता है उसकी कपेसिटी 4000 क्यूसिक से घटकर 2600 क्यूसिक रह गई है मैं इस बारे में मुख्यमंत्री जी से भी मिला था तो उन्होंने आश्वासन दिया था कि सिल्ट की सफाई के लिए कार्य किया जा रहा है उस काम को और तेजी से कराया जाये तथा जो लिफ्ट कैनाल है उसकी हालत भी बुरी है उसमें भी टेल पर पानी नहीं पहुंचता है उसकी कैपेसिटी 3० प्रतिशत रह गई है मैं इरीगेशन मिनिस्टर महोदय से कहना चाहूंगा कि वे जे०एन०एल० कैनाल को मैसानी बैराज से जोड़ दें क्योंकि जो जमीन किसानों की एक्वायर की थी उसका मुआवजा भी अभी तक किसानों को नहीं मिला है अगर ऐसा कर दिया जाता है तो कृषि के क्षेत्र में इस बैराज से बरसात का पानी इक्ट्ठा किया जा सकता है और किसानों की फसल के काम आ सकता है। क्योंकि गन्ने के भाव आज ऊंचे पहुंच गये हैं मेरा यह अनुरोध है कि जे०एन०एल० कैनाल को मैसानी बैराज से जोड़ दिया जाये। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, अब मैं पावर के बारे में कहना चाहूंगा। मुख्यमंत्री जी ने हमारे क्षेत्र में जो बिजली के लिए स्लैब सिस्टम की स्कीम बनाई है उसमें जो डैप्थ है वह केवल 100 फीट की है लेकिन हमारे यहां कुओं की डैप्थ 50 से 100 फीट है अगर यह सरकार इस पर पुनः विचार करके 50 फीट कर दें तो किसानों को फायदा हो सकता है। मैं राम बिलास जी से अनुरोध करूंगा कि यह जो स्लैब सिस्टम 100 फीट डैप्थ का किया है उसे 50 फीट डैप्थ का किया जाये।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) **:** मेरे को इन्होंने खुद कहा था कि स्लैब सिस्टम को दोबारा से लागू करने से महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, गुड़गांव, लोहारू, बाढ़डा, चरखी दादरी, भिवानी, कोसली, झज्जर के सैंकड़ों किसानों को लाभ होगा। मुझे कई किसानों ने एच०एस०ई०बी० के बिल दिखाये तथा जिन किसानों ने स्लैब सिस्टम के बाद अपने बिल भर दिये उन किसानों के पास हजारों की तादाद में बिजली बोर्ड की चिट्ठी आई कि स्लैब सिस्टम लागू होने से आपके दस, पांच, चार या तीन हजार रुपये बिजली बोर्ड की तरफ बकाया रहते हैं जिनको अगले बिलों में एडजस्ट कर दिया जायेगा। किसानों को इस बात से संतोष है। परन्तु कप्तान साहब कई तथ्यों के आधार पर बात नहीं करते हैं आपको तो सरकार का धन्यवाद करना चाहिये कि सरकार से हमने आग्रह किया कि स्लैब सिस्टम लागू करो और किसानों को इतना लाभ हुआ है। (विघ्न) आप राव नरेन्द्र सिंह से पूछ लीजिए जो कि अटेली से आते हैं कि नये सिरे से स्लैब सिस्टम लागू करने के किसानों में संतोष है कि नहीं। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : लेकिन डैप्थ को तो 50 फीट से बढ़ाकर 100 फीट कर दिया है।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली) **:** अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा कि स्लैब प्रणाली हमने शुरू की थी। मैं थोड़ी से माफी चाहूंगा। यह बतायें कि स्लैब प्रणाली समाप्त किसने की थी। इस सरकार ने समाप्त की थी और हम लोगों के प्रयास से दोबारा शुरू की है इसके लिए इस सरकार का धन्यवाद करते हैं अटेली के ब्लाक में स्लैब प्रणाली 40 की बजाये 30 फीट होनी चाहिये।इस सिलसिले में मैं मुख्यमंत्री जी से भी मिला था।

श्री रमेश खटक (बरौदा, अनुसूचित जाति) **:** अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए अवसर प्रदान किया इसके लिये मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। (विघ्न) इस सरकार ने सत्ता में आने से पहले जनता के सामने कुछ वायदे किये थे चाहे वह बिजली का मामला हो, चाहे वह विकास का मामला हो, चाहे वह कृषि का मामला हो, चाहे शिक्षा का मामला हो, कहा गया था कि ओथ लेने के बाद राज्य में सभी काम करेंगे। जैसे कि चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली के बारे में आश्वासन दिया था

[श्री रमेश खटक]
कि जब हमारी सरकार आएगी तो हरियाणा की जनता को 24 घंटे बिजली दूंगा। आज इस सरकार को दो-अढ़ाई साल बने हुये हो गये हैं, लेकिन आज चौधरी बंसी लाल जी की उन बातों को लोग याद करते हैं। आज 24 घंटे बिजली देना तो दूरा रहा, देहात में 4-4, 5-5 दिन बिजली नहीं आती है। अगर गांवों में बिजली सप्लाई हो भी जाती है तो एक घंटे में 3-4 बार कट लग जाता है या फिर कम वोल्टेज की बिजली सप्लाई की जाती है। अगर इस बारे में शिकायत लेकर के एक्सीयन या एस०डी०ओज० के पास जाते हैं तो वे कहते हैं कि सप्लाई पूरी नहीं है, बिजली की सप्लाई पूरी होने के बाद पूरी पॉवर भेज देंगे। इसके साथ-साथ एक्सीयन व एस०डी०ओज० उन लोगों की बातें न सुनकर उनको ऐसे ही टाल देते हैं। इस प्रकार से उनका हक छिन रहा है। अध्यक्ष महोदय, बिजली के बिल भी 8-8 गुना बढ़ा दिए गए हैं। जब एक्सीयन व एस०डी०ओज० के पास इन बिलों को ठीक कराने के लिए जाते हैं तो उनको बड़े दुःख के साथ अपने घरों को लौटना पड़ता है क्योंकि उनकी समस्या पर कोई गौर ही नहीं करता है। बिजली के बिल सौ रुपये की जगह 500 व 800 रुपए तक के आ रहे हैं। जब उनको ठीक कराने के लिए बिजली अधिकारियों को मिलते हैं तो यह कहा जाता है कि मीटर रीडर जब रीडिंग लेने के लिए गया था उस समय आपके घर में ताला लगा हुआ था इस कारण अनुमानित ढंग से बिल बनाया गया है जो कि बहुत ज्यादा होते हैं। मीटर पर भी कई बार चार्जिज लगाए गए हैं। इस बारे में सरकार विचार करे वह बार-बार मीटर के उपर चार्ज न लगाए। बिजली अधिकारी लोगों की मांग पर कोई गौर नहीं करते हैं। इसलिए मेरी यह मांग है कि एक्सीयन व एस०डी०ओज० को इस बारे में हिदायतें दी जानी चाहिएं कि लोगों की जायज मांगों पर तो गौर किया जाना चाहिए। इसके विपरीत यह सरकार कहती है कि इस ने किसानों का भला किया है। मैं बताना चाहता हूं कि किसान अच्छी कृषि तभी कर सकता है, जब उस को दवाई बढ़िया मिले। 11 जुलाई के अखबार में लिखा है कि सोनीपत जिले में कीटनाशक दवाइयों से फसलों का नुकसान हुआ किसानों व मिनी बैंकों को घाटा हुआ। सोनीपत जिले में 144 मिनी बैंक है उनमें से 14 लाइसैंस धारी हैं। उन 14 बैंकों में से मुण्डसी नामक बीमारी को खत्म करने वाली दवाई वहां जानी थी एम०डी० और जी०एम० ने जबरदस्ती किसानों को वह दवाई भेजी जो एग्रो और हैफेड की तहत खरीदनी पड़ती है। यह दवाई 2500 से 3000 रुपये प्रति किलो खरीदी जाती थी। जी०एम० और एम०डी० ने जबरदस्ती बिना डिमाण्ड के इन बैंकों से 14000, 15000 किलोग्राम आइसोप्रोटोन नामक दवाई खरीदवाई थी। वह दवाई खराब है। जिसको अगर किसान अपनी फसल पर छिड़केगा तो उनकी फसल का कीटाणु मरेगा नहीं और किसान बरबाद हो जाएगा और किसान को कुछ नहीं मिलेगा। सरकार इस तरफ ध्यान दें और उस अधिकारी के विरुद्ध चाहे वह स्टेट का है या सैन्टर गवर्नमैंट का है सख्त से सख्त कार्यवाही इस सरकार को करनी चाहिए। जबरदस्ती दवाई भेजकर किसानों के साथ जो भेदभाव किया जा रहा है वह नहीं होना चाहिए।

शिक्षा के बारे में मैं रामबिलास जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि शहर का बच्चा देहात के बच्चे की अपेक्षा इन्टैलीजैंट होता है देहात के बच्चों के माता-पिता में यह भावना होती है कि उनके बच्चे भी अच्छे-अच्छे स्कूलों में जाएं और अच्छी शिक्षा प्राप्त करें लेकिन कुछ कारणों से देहात के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकते क्योंकि सरकारी स्कूलों में देहात के बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिलती क्योंकि वहां के अध्यापक अच्छी शिक्षा नहीं देते और वे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं जिसके कारण वे बच्चे अच्छे से अच्छे पदों पर नहीं लग पाते। इसलिए मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि गांव के स्कूलों में स्टाफ पूरा भेजें। मेरे हल्के में सरसाल घड़वाल और छतेरा गांव हैं जहां 2-2 सालों से हैड मास्टर नहीं है, इंगलिश या मैथ के टीचर्ज नहीं हैं इसलिए मैं मंत्री जी से दरख्वास्त करूंगा कि वह स्टाफ को उन स्कूलों में भेजने की कृपा

करें। स्टाफ वहां पूरा होगा तो बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। देहातों में जो मां-बाप अपने बच्चों के प्रति भावना रखते हैं कि हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले क्योंकि प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को भेजकर वहां के खर्चे को वहन करना उनकी कपैसिटी में नहीं है। देहात के स्कूलों में अगर अच्छी शिक्षा मिलेगी तो देहात के लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में भेजने के बजाय देहात के सरकारी स्कूलों में भेजकर अच्छी शिक्षा दिलवा सकते हैं। प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के मां-बाप पर खर्चे की मार पड़ रही है सरकार उस पर अंकुश लगाए ताकि वे मनमाने ढंग से फीस न ले सकें।

सड़कों के बारे में मैंने पिछले सैशन में सरकार से मांग की थी कि मेरे हल्के में कुछ सड़कें टूटी हुई हैं उनकी मुरम्मत करवाई जाए और जो सड़कें अधूरी पड़ी हैं उनको कम्पलीट कराया जाए। उस समय मैंने अपने हल्के की 13 या 14 सड़कों के नाम बताए थे। उनमें से तीन चार सड़कों को पूरा करने का काम किया गया है मैं यह नहीं कहता कि काम नहीं हुआ है। मेरे हल्के के तीन चार गांवों में आधा किलोमीटर और एक किलोमीटर जो सड़कें अधूरी पड़ी थी उनको कम्पलीट कराया गया है इसके लिए मैं पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर का धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही मैं पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि जो बाकी के गांवों की आधा या एक किलोमीटर की सड़कें अधूरी पड़ी हैं उनको भी कम्पलीट कराएं उनके बारे में मैंने उनको लिख कर भी दिया है। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहूंगा आजकल अधिकारी गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले लोगों के नाम लिखने के लिए जाते हैं लेकिन एक्चुअल में वे अधिकारी उन लोगों के नाम नहीं लिख कर लाते जिनको उस स्कीम का फायदा मिलना चाहिए। एक्चुअल में जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करने वाले लोग हैं उनका रजिस्टर में नाम नहीं होता है जिसके कारण जिन लोगों को उस स्कीम का फायदा मिलना चाहिए वह उनको नहीं मिलेगा। चाहे वह एस०सीज० कैटेगरी के लोग हैं, चाहे जनरल कैटेगरी के लोग हैं और चाहे बी०सीज० कैटेगरी के लोग हैं। मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार उन अधिकारियों को यह हिदायत दे कि वे हकदार लोगों के ही नाम लिख कर लाएं। इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि जो सी०एच०सीज० और पी०एच०सी० हैं उनमें स्टाफ पूरा नहीं है और न ही उनके अन्दर दवाईयों का कोई प्रबंध है। (घंटी) स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now Mr. Surjewala will speak and I may make clear to him that he will conclude his speech exactly at 2.30 P.M.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने, कांग्रेस दल के नेता ने और विपक्ष के अन्य माननीय सदस्यों ने तफसील से इस सदन का ध्यान इस बात की तरफ दिलाया है कि आज हरियाणा प्रदेश में कानून व्यवस्था की जो स्थिति है वह पूर्ण तौर से चरमरा चुकी है। जून माह के शुरू में 65 अपराधिक घटनाएं हुई हैं उनकी चर्चा यहां की गई है। मेरे दल की तरफ से एक माननीय सदस्य ने सदन का ध्यान इस तरफ दिलाया कि जहां एक तरफ प्रदेश में अपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही है वहां दूसरी तरफ मौजूदा सरकार ने एक प्रकार से अपराधिक मामलों के केस वापिस ले कर अपराधियों को संरक्षण देने का बीड़ा उठा लिया है। माननीय गृह मंत्री जी ने कैप्टन अजय सिंह जी के एक सवाल के उत्तर में कहा कि कोई मुकदमा वापिस नहीं लिया गया। स्पैशली कोई 302 का मुकदमा दर्ज किया गया वह वापिस नहीं लिया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान आपके माध्यम से दिलाना चाहूंगा कि स्वयं इस मंत्रिमण्डल के मंत्रियों के विरुद्ध जो मुकदमें दर्ज थे वे अपने राजनैतिक प्रभाव से वापस ले लिये गए। मैं चन्द मुकदमों की चर्चा करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मुकदमा नं० 226 दिनांक 20-5-91 को

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

सैक्शन 332-353 आई०पी०सी० और सैक्शन 136 आफ रिप्रजन्टेशन ऑफ पिपल्ज एक्ट के अन्दर जो कि पुलिस स्टेशन पलवल में कर्ण सिंह जी के खिलाफ था, दिनांक 11-7-96 को वापस ले लिया। इसी प्रकार से दिनांक 29-4-95 को दर्ज मुकदमा नं० 357 आई०पी०सी० के सैक्शन 353/506 के तहत दर्ज हुआ था इसमें भी कर्ण सिंह दलाल एक्यूज्ड थे, यह भी 11-7-96 को वापस ले लिया। इसी प्रकार टाडा के अन्दर भी दर्ज मुकदमें वापस लिये गए। दिनांक 26-4-94 को दर्ज मुकदमा नं 216 आई०पी०सी० की सैक्शन 302/34 सिविल लाईन हिसार में दर्ज हुआ था उसे भी 31-3-97 को वापस ले लिया। इसी प्रकार से दिनांक 7-8-91 को टाडा में दर्ज मुकदमा नं० 386 और आई०पी०सी० की धारा 307/248/149/379/427/526/436 में दर्ज मुकदमा 19 जून 1997 को वापस ले लिया। यह मुकदमा आर्मज एक्ट का धारा 25/27 और टाडा की धारा 5/6 के तहत भी दर्ज था। यह पुलिस स्टेशन सदन हिसार में दर्ज था। वह 19-6-97 को वापस ले लिया। इसी प्रकार से दिनांक 19-11-91 को आर्म्ज एक्ट के तहत दर्ज मुकदमा दिनांक 25-9-96 को वापस ले लिया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये 46 मुकदमें पिछली सरकार के शासन काल के थे जो वापस लिये गए, इनकी लिस्ट मेरे पास है। आपकी इजाजत हो तो मेरी जब बात खत्म हो जाएगी तो मैं यह लिस्ट गृह मंत्री जी को या पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर को दे दूंगा। आप इसकी जांच करवा लें कि सरकार ने ये 46 मुकदमें जो दफा 420 से लेकर 302 के जुर्म के तहत दर्ज थे वापस ले लिये गए। (विघ्न) मेरे पास जो तथ्य थे वे मैंने बताए हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी विचार हुआ है। यहां पर अपराधिक मामले बढ़ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, श्री राम विलास शर्मा जी द्वारा गरीब किसानों/मजदूरों द्वारा की गई आत्महत्या के बारे में हाउस की कमेटी गठित करने की जो बात मानी है वह एक साहिसक कदम है। इसी हाउस की एक कमेटी इस बात की जांच कर ले कि क्या किसी किसान या किसी मजदूर ने जो किसान या खेती का कार्य करता है, आत्महत्या की है। मेरा यह सुजैशन है कि वह कमेटी सथूटेबल ऐविडैंस को देख कर अपनी रिकमैंडेशन दे। अगर कमेटी इस निर्णय पर पहुंचती है कि गरीबी से तंग आ कर या ऋण से दब कर किसी मजदूर ने या किसी किसान ने आत्महत्या की है तो उस पर सरकार उचित कार्यवाही करें। क्या माननीय राम विलास शर्मा जी मेरी इस सुजैशन को मानेंगे ?

कृषि मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। यह बात पहले भी चर्चा में रही है सुरजेवाला जी और इनके पिताश्री जी ने जो यह सिलसिला शुरू किया हुआ है कि आत्महत्या की गई। जनसत्ता में 20 तारीख को प्रकाशित खबर में किसानों की खुदकशी को सही नहीं मानते हैं, उसमें बाकायदा नामों का भी जिक्र है। माननीय रणदीप सिंह सुरजेवाला पहली बार विधायक बन कर आए हैं, अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनके पिताश्री से अनुरोध करना चाहता हूं कि हरियाणा जैसे प्रदेश में जहां किसानों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है, जहां सारे प्रदेश के किसानों में हर प्रकार की राहत है ये उनके मन को कहीं समझ नहीं पाए और इस प्रकार की हल्की राजनीति न करें अध्यक्ष महोदय, राजनीति करने के और भी बहुत तरीके हैं। ये लोग आज किसानों के हितैशी बन रहे हैं उस दिन ये लोग कहां थे जब इनकी पार्टी के प्रधानमन्त्री नरसिम्हा राव थे और उनके परिवार के लोग खाद के घोटाले करने में लिप्त थे और इस प्रकार किसानों को लूट रहे थे, उस वक्त ये लोग क्यों कुछ नहीं बोले ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे नहीं मालूम माननीय श्री कर्ण सिंह जी मेरे मुंह से क्या बात कहलवाना चाहते हैं, मेरे पिताश्री सुरजेवाला जी का दिल्ली में होते हुए नरसिम्हा राव जी से

क्या सम्बन्ध था वे अपनी पार्टी से जुड़े हुए हैं। किस सरकार के टाइम में क्या हुआ और क्या नहीं हुआ ये बातें तो खत्म होने वाली नहीं है अध्यक्ष महोदय, इसलिए मेरी सबमिशन है कि आप इन पर कुछ लगाम लगाएं कि ये सीमा में रहें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, सुरजेवाला साहब, मेरे छोटे भाई है जो कि रास्ता भटक गए हैं इनको यह समझना चाहिए कि ये हरियाणा की राजनीति के मालिक नहीं है इनके पिता जी हरियाणा की राजनीति निर्धारित नहीं करते कि लोग उनके पास जाएंगे और पूछेंगे कि क्या करें और क्या न करें। हरियाणा प्रदेश की जनता अच्छी तरह से आज यह बात जानती है कि वे राजनीति में क्यों और कैसे हैं और हरियाणा की राजनीति के मालिक नहीं हैं।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, आज जो मुद्दा है यानि मैं बजट पर बोलने आ रहा हूं लेकिन मंत्री जी न मालूम इतना क्यों तिलमिला रहे हैं। मैं अपनी बात कहने के लिए खड़ा हुआ हूं और मैं सुजैशन दे रहा था इसमें पता नहीं मन्त्री जी को क्यों दिक्कत हो रही है (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे रिक्वैस्ट करूंगा कि ये अपनी सीमा में ही रह कर बात करें, ये मुझसे बहुत सीनियर हैं और मंत्री भी हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये मुझसे बहुत सीनियर हैं और बुजुर्ग हैं मुझे तो इनसे बहुत कुछ सीखना है अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से राम बिलास शर्मा जी को एक सुजैशन दे रहा था।

शिक्षा मन्त्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, इनका सुजैशन मान लिया गया है।

Mr. Speaker : The speech of Mr. Surjewala has concluded now and the House is adjourned till 9.30 A.M., tomorrow the 23rd July, 1998.

*2.30 P.M. (The Sabha then adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 23rd July, 1998.)